RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 11 अंक 298
नई दिल्ली, मंगलवार, 5 सितंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

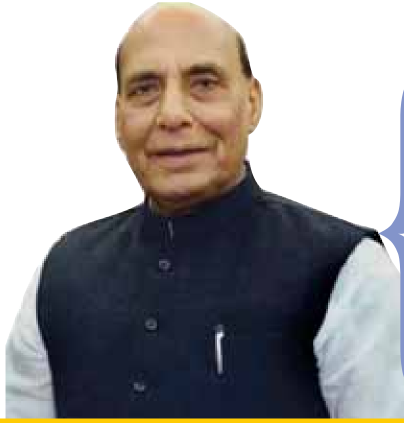

20 साल से लांच ही नहीं हो रहा कांग्रेस का राहुल यान
राष्ट्रीय-11

धर्म पर बंटा इंडिया गठबंधन

- तृणमूल कांग्रेस ने द्रमुक नेता के बयान से जताई असहमति, कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्ण सिंह ने बयान को बेतुका बताया
- कई राज्यों में चुनावों से पहले उदयनिधि के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान ने भाजपा को दिया पर्याप्त ईंधन

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में सोमवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा के नेताओं ने उदयनिधि स्टालिन के बयान के विरोध में तमिलनाडु हाउस के स्थानीय आयुक्त को विरोध पत्र सौंपा। फोटोः रंजन डिमरी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की महत्वाकांक्षी बैठक के कुछ दिनों बाद और मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी प्रदेशों में महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले, तमिलनाडु में द्रमुक की टिप्पणी कि 'सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए' ने भाजपा को पर्याप्त ईंधन दे दिया है और साथ ही विपक्षी एकजुटता को भी हिलाकर रख दिया क्योंकि द्रमुक इसमें एक प्रमुख घटक है। कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ भाजपा ने द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी पर विपक्ष पर अपना हमला तेज कर दिया है, कांग्रेस से पूछा कि क्या भारत गठबंधन ने धर्म को निशाना बनाने के लिए मुंबई में बैठक की थी और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें हिंदू भावनाओं के साथ नहीं खेलना चाहिए। स्टालिन ने नरसंहार के दावे को खारिज कर दिया है और कहा है कि उनके भाषण ने सामाजिक बुराइयों की ओर इशारा किया था। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि गठबंधन के शीर्ष नेता – राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, नीतीश कुमार, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल-इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं जिसने ब्रह्मांड के प्राचीन धर्म के प्रति निष्ठा रखने वाले अरबों लोगों को आहत किया है।

भारत गठबंधन के एक अन्य प्रमुख घटक, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भी द्रमुक से मतभेद व्यक्त किया और कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो विविधता में एकता में विश्वास करता है। अभी स्टालिन की आलोचनात्मक टिप्पणी से उठा गुबार शांत भी नहीं हुआ था कि सनातन धर्म पर उनके इस विचार का समर्थन गठबंधन सहयोगी कांग्रेस नेता और कर्नाटक में मंत्री प्रियांक खड़गे से मिली। प्रियांक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे है। इसके साथ ही पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के बेटे सांसद कार्ति चिदंबरम का भी उन्हें साथ मिला है। प्रियांक ने कहा कि कोई भी धर्म जो समान अधिकार नहीं देता वह धर्म नहीं है और 'एक बीमारी के जैसा ही है।' कार्ति ने कहा कि सनातन धर्म जाति और विभाजन को बढ़ावा देता है जो अच्छा नहीं है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के भीतर अलग-अलग आवाजों के बीच, सबसे पुरानी पार्टी ने आधिकारिक बयान में कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करती है लेकिन इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरों को भी अपने विचार व्यक्त करने की आजादी है।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कांग्रेस से पूछा कि क्या इंडिया गठबंधन ने सनातन धर्म के खिलाफ अपने एजेंडे को अंतिम रूप देने के लिए मुंबई में बैठक की थी और इसे पूरे देश में कैसे खत्म किया जाए। एक अन्य केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने आरोप लगाया कि सनातन धर्म पर हमला 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में विपक्षी दलों की बैठक के दौरान रची गई साजिश का हिस्सा था। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 'घमंडिया गठबंधन' (अहंकारी गठबंधन) के नेता 'भारतीय सभ्यता, इसकी मूल आस्था और हिंदू धर्म का दुरुपयोग' करने के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। प्रधान ने यह भी याद दिलाया कि कैसे 2014 से पहले कांग्रेस और विपक्षी दलों ने 'भगवा आतंकवाद' का उल्लेख किया था, हालांकि उस समय तक किसी ने भी 'गुलाबी, नीला या मैजेंटा आतंकवाद' का उल्लेख नहीं किया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने याद किया कि कैसे ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने घोषणा की थी कि वह सनातनी हैं। शनिवार को चेन्नई में तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स एंड आर्टिस्ट एसोसिएशन की एक बैठक में अपने संबोधन में राज्य के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आरोप लगाया था कि 'सनातन धर्म' समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू से करते हुए कहा कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं बल्कि उन्हें नष्ट कर देना चाहिए।

एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस का रुख स्पष्ट है, लेकिन हर दूसरे राजनीतिक दल को अपना विचार व्यक्त करने की आजादी है। उन्होंने कहा, 'वास्तव में, हमारा दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट है – 'सर्वधर्म समभाव' (सभी धर्मों का समान सम्मान) कांग्रेस की विचारधारा है। लेकिन, आपको यह समझना होगा कि हर राजनीतिक दल को अपने विचार बताने की अपनी स्वतंत्रता है। (शेष पेज 9)

जी-20: राफेल, मिराज व सुखोई विमान आसमां से रखेंगे निगाह

- मेहमानों की सुरक्षा के लिए सेना संभालगी मोर्चा, वायु सेना तैनात करेगी मिसाइल और लड़ाकू विमान

संजय राय। नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना जी-20 शिखर सम्मेलन को देखते हुए दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के आसमान को सुरक्षित करने के लिए अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, रडार, एंटी ड्रोन सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल तैनात करेगी। साथ ही सोमवार को चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा पर एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिसमें आईएएफ के सभी बेहतरीन लड़ाकू और एमआरएसएएम और स्पाइडर जैसी वायु रक्षा प्रणालियां शामिल होंगी। इसके अलावा सेना की टुकड़ियां लद्दाख में अलग-अलग अभ्यास भी कर रही हैं।

यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब देश जी-20 बैठक की मेजबानी करेगा जिसमें वैश्विक नेता राष्ट्रीय राजधानी में आएंगे, जिसे कड़ी सुरक्षा घेरे में रखा गया है। रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बताया कि हवाई अभ्यास त्रिशूल पहले से ही 4 से 14 सितंबर तक निर्धारित था। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के हवाई क्षेत्र के साथ-साथ कई नेताओं के भारत के भीतर उड़ान मार्ग को सुरक्षित करने के लिए जो विमान शामिल किए जा रहे हैं। उनमें लड़ाकू विमान राफेल, मिराज-2000 और सुखोई-30 एमकेआई शामिल हैं। स्वदेशी रूप से विकसित नेत्र एयर बोर्न प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली के साथ-साथ उच्च-स्तरीय निगरानी उपकरणों पहले ही तैनात किया जा चुका है। जिन प्रक्षेपास्त्रों को तैनात किया गया है उनमें आकाश के साथ-साथ मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआर-एसएएम) प्रणाली भी शामिल है। पच्चीस किमी तक की मारक क्षमता वाली आकाश, सतह से हवा में मार करने वाली एक छोटी दूरी की मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से कमजोर क्षेत्रों और बिंदुओं को हवाई हमलों से बचाने के लिए किया जाता है। समग्र सुरक्षा उपायों के तहत भारतीय वायुसेना नेपंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और जम्मू कश्मीर में अपने सभी हवाई अड्डों को परिचालन के लिए तैयार रखा है। सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा उपायों का विभिन्न अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

इसके अलावा, 7 सितंबर से शुरू होने वाले इस मेगा इवेंट की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान यूएवी और ड्रोन सहित किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए स्टैंडबाय पर रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हाई अलर्ट पर रहने और दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने वाली सभी उड़ानों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में, उड़ानों को आकस्मिक योजना का हिस्सा चार अन्य हवाई अड्डों लखनऊ, जयपुर, अमृतसर और इंदौर में से किसी एक की ओर मोड़ दिया जाएगा। वीवीआईपी पालम तकनीकी हवाई अड्डे पर उतरेंगे लेकिन उन्हें ले जाने वाले विमान और निजी जेट आईजीआई पर पार्क किए जाएंगे। पालम एयरफोर्स स्टेशन पर एयरफोर्स वन और कुछ अन्य महत्वपूर्ण विमानों को पार्क करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। यहां भारतीय वायुसेना के जवान मुस्तैद रहेंगे। (शेष पेज 9)

भारत यात्रा को लेकर उत्सुक, शी के जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा न लेने से निराश: बाइडन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह इस सप्ताह भारत की यात्रा करने को लेकर उत्सुक हैं, लेकिन उन्हें निराशा है कि उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग नई दिल्ली में आयोजित होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। व्हाइट हाउस ने बीते शुक्रवार को घोषणा की थी कि बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए सात सितंबर को भारत जाएंगे और आठ सितंबर को वह इस ऐतिहासिक कार्यक्रम से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। भारत जी20 के अध्यक्ष के रूप में 9-10 सितंबर को इस प्रभावशाली समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें बाइडन सहित दो दर्जन से अधिक विश्व नेता हिस्सा लेने वाले हैं।

यात्रा से पहले पत्रकारों ने रविवार को बाइडन से पूछा कि क्या वह भारत और वियतनाम की अपनी यात्रा को लेकर उत्सुक हैं? जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हां, मैं हूं। उन्होंने चीन के राष्ट्रपति चिनफिंग के सम्मेलन में शामिल न होने पर निराशा जताई और इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बाइडन ने कहा, मैं निराश हूं, लेकिन मैं उनसे मिलूंगा। मीडिया में हाल में प्रकाशित खबरों के मुताबिक, चिनफिंग के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। जी20 इंडिया के विशेष सचिव मुक्तेश परदेशी ने शुक्रवार को कहा था कि भारत जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति चिनफिंग की भागीदारी पर चीन की लिखित पुष्टि का इंतजार कर रहा है। परदेशी ने चिनफिंग के सम्मेलन में शामिल न होने और अपने स्थान पर प्रधानमंत्री ली कियांग को भेजने के पीटीआई-भाषा के सवाल के जवाब में कहा था, हमने अखबारों में प्रकाशित कुछ खबरें देखी हैं। लेकिन, हम लिखित पुष्टि पर विश्वास करते हैं और हमें अभी कोई लिखित पुष्टि नहीं मिली है। हमें यह जब तक नहीं मिल जाती, मैं किसी भी तरह की टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के जकार्ता में पूर्वी एशिया सम्मेलन में शामिल होने के बाद भारत की यात्रा करने की संभावना है। इससे पहले, 2021 में कोविड-19 की रोकथाम के लिए चीन द्वारा लागू प्रतिबंधों के कारण जिनफिंग ने इटली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया था। परदेशी ने कहा था कि जी20 जैसे शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं की भागीदारी के बारे में आमतौर पर एक राजनयिक नोट के माध्यम से सूचित किया जाता है। उन्होंने शी की भागीदारी पर कहा था, मुझे लगता है कि इस संबंधी में पुष्टि का इंतजार है... हमें अधिकांश देशों से पुष्टियां मिल गई हैं। बाइडन के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा उन जी20 नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने पहले ही शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 10 सितंबर को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला को जी20 अध्यक्ष पद की कमान सौंपेंगे। ब्राजील एक दिसंबर को औपचारिक रूप से जी20 की अध्यक्षता संभालेगा। (शेष पेज 9)

सात विस सीटों पर उप चुनाव आज, इंडिया की पहली परीक्षा

पीएनएस/एजेंसी। लखनऊ/ अगरतला

केरल की कोट्टायम विधानसभा सीट पर उप चुनाव के लिए सामग्री ले जाते कर्मचारी

छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए मंगलवार वोट डाले जाएंगे। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एकजुट होकर मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों द्वारा गठित इंडिया गठबंधन का यह पहली चुनावी परीक्षा मानी जा रही है। विपक्षी गठबंधन उत्तर प्रदेश की घोसी सीट, झारखंड की डुमरी, त्रिपुरा की धनपुर और बॉक्सनगर और उत्तराखंड की बागेश्वर सीट पर संयुक्त रूप से मुकाबला कर रहा है जबकि पश्चिम बंगाल के धूपगुड़ी और केरल के पुथुपल्ली में गठबंधन के घटक ही एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इन सीटों पर मतगणना आठ सितंबर को होगी। उत्तर प्रदेश की घोसी सीट समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक और ओबीसी नेता दारा सिंह चौहान के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। वह सपा छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने चौहान को मैदान में उतारा है जबकि सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह को कांग्रेस और वाम दलों ने समर्थन दिया है। चौहान योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली पिछली भाजपा सरकार में मंत्री थे। उन्होंने 12 जनवरी 2022 को मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया था और सपा में शामिल हो गए थे। उप चुनाव के लिए दोनों पक्षों ने गहन प्रचार किया क्योंकि दोनों पक्ष जानते हैं कि यह विपक्षी एकता के लिए एक कसौटी है और एक जीत अगले साल लोकसभा चुनावों के लिए उनके पक्ष में रुझान स्थापित कर सकती है। 543 सदस्यीय लोकसभा में उत्तर प्रदेश से 80 सांसद आते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के नेतृत्व का नेतृत्व किया। यह दिलचस्प है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछले साल रामपुर और आज़मगढ़ की प्रतिष्ठित सीटों पर हुए उपचुनावों के लिए प्रचार नहीं किया था लेकिन घोसी में उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चुनाव देश की राजनीति में बदलाव लाएगा। उत्तर बंगाल में धूपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और कांग्रेस समर्थित मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। तृणमूल कांग्रेस ने 2016 में इस सीट से जीत दर्ज की थी लेकिन 2021 के चुनाव में भाजपा ने यह सीट उससे छीन ली थी।

त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले की धनपुर और बॉक्सानगर विधानसभा सीटों पर मुख्यमंत्री माणिक साहा ने पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया। मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा और कांग्रेस इससे दूर रहे हैं। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को लोगों से इन दो सीटों पर विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवारों को वोट देने का आग्रह किया। फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर हार गए तफज्जल हुसैन अल्पसंख्यक बहुल बॉक्सानगर निर्वाचन क्षेत्र में माकपा के मिजान हुसैन से मुकाबला करेंगे। इस सीट को अभी भी वाम दलों का गढ़ माना जाता है। कभी वामपंथियों का मजबूत गढ़ रहा धनपुर में भाजपा की बिंदु देबनाथ का मुकाबला माकपा के कौशिक देबनाथ के साथ है। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी यूजी मोग ने बताया, स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई है। (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

जम्मू कश्मीर के रियासी में एक आतंकी मुठभेड़ में ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सोमवार को रियासी जिले के सुदूर इलाके में जारी मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी मारा गया, जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि सुरक्षा बलों के तलाशी और घेराबंदी अभियान के दौरान यह मुठभेड़ तुली इलाके के गली सोहाब गांव में शुरू हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस को इलाके में दो आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर तलाशी अभियान दोपहर में शुरू हुआ। सिंह ने कहा कि शुरुआती गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया और दूसरे आतंकवादी को मार गिराने का प्रयास जारी है। जम्मू स्थित रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने कहा कि मुठभेड़ में सेना का एक जवान भी घायल हो गया। दोनों घायल सुरक्षाकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ दोपहर करीब दो बजे शुरू हुई जब पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक संयुक्त टीम ने उस घर की घेराबंदी की।

कांग्रेस की नई कार्य समिति की पहली बैठक 16 को हैदराबाद में

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आगामी 16 सितंबर को हैदराबाद में नवगठित कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई है और इसके अगले दिन तेलंगाना में ही पार्टी की एक विशाल जनसभा आयोजित होगी। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस अध्यक्ष ने नई कार्य समिति की पहली बैठक 16 सितंबर को हैदराबाद में बुलाई है। इसके अगले दिन 17 सितंबर को विस्तारित कार्य समिति की बैठक होगी। वेणुगोपाल ने बताया कि 17 सितंबर की शाम हैदराबाद के निकट एक विशाल जनसभा होगी। तेलंगाना राष्ट्रीय एकता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर हम हैदराबाद के पास एक विशाल रैली आयोजित करेंगे, जहां हम तेलंगाना के लिए 5 गारंटी की घोषणा करेंगे। (शेष पेज 9)

इसरो अभियानों को उल्टी गिनती देने वाली आवाज हुई खामोश

- महिला वैज्ञानिक एन वलारमथी का दिल का दौरा पड़ने से निधन, चंद्रयान-3 अंतिम अभियान था जिसमें उन्होंने उल्टी गिनती की थी
- निधन पर शोक संवेदनाओं का तांता लगा

पायनियर समाचार सेवा। कोच्चि

एन वलारमथी की फाइल फोटो

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की गुमनाम नायिका एन वलारमथी नहीं रहीं। हालाँकि, मीडिया की चकाचौंध से दूर रहने के बावजूद, वलारमथी दुनिया भर के अंतरिक्ष क्षेत्र के देशों में प्रसिद्ध थी। प्रत्येक अंतरिक्ष मिशन के प्रक्षेपण की अंतिम उलटी गिनती करते समय वलारमथी की आवाज दुनिया भर में गूंज उठती थी। आखिरी बार उन्हें चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के दौरान सुना गया था जब उसने मिशन नियंत्रण कक्ष से उल्टी गिनती के लिए अपनी आवाज दी थी। 64 वर्षीय वलारमती इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर थीं, जिन्होंने इसरो के पहले स्वदेशी रूप से विकसित रडार इमेजिंग सैटेलाइट प्रोजेक्ट का नेतृत्व किया। रविवार को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उनके दोस्तों और सहकर्मियों ने नम आंखों से उनको अंतिम विदाई दी। इसरो के अधिकारी ने बताया कि वलारमती ने चेन्नई के अस्पताल में अंतिम श्वांस ली। बताया जाता है कि चंद्रयान-3 उनका आखिरी उल्टी गिनती कार्यक्रम था। वलारमती के निधन के बाद कई लोगों ने संवेदनाएं प्रकट कीं। उनके निधन पर दुख जताने वालों में केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर भी शामिल थे। अधिकतर लोगों ने कई प्रक्षेपणों के दौरान इसरो के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र में मिशन नियंत्रण केंद्र से गूंजती उनकी उलटी गिनती को याद किया। इसरो के पूर्व निदेशक डॉ. पी वी वेंकटकृष्णन ने कहा, श्रीहरिकोटा से इसरो के भविष्य के मिशनों की उलटी गिनती के समय अब वलारमती मैडम की आवाज नहीं सुनाई देगी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चंद्रयान 3 उनकी अंतिम उलटी गिनती की घोषणा थी। अप्रत्याशित निधन। बहुत दुख हो रहा है। प्रणाम। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में चंद्रशेखर ने वलारमती के निधन पर दुख व्यक्त किया। उद्यमिता, कौशल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, चंद्रयान 3 सहित इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम की उल्टी गिनती के पीछे उनकी आवाज होती थी। एन. वलारमती जी के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। उन्होंने कहा, उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति।

फिर से जागने की उम्मीद में स्लीप मोड में गए मून लैंडर और रोवर

बेंगलुरु। चंद्र मिशन के विक्रम लैंडर के चंद्रमा की सतह पर एक बार फिर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि अब चंद्रयान के पेलोड निष्क्रय हो गए हैं। इसरो ने कहा कि सफल होप परीक्षण में विक्रम लैंडर को एक बार फिर चंद्रमा की सतह पर उतारा गया और इस परीक्षण से वैज्ञानिकों को भविष्य के चंद्र मिशनों में मदद मिलेगी जहां पृथ्वी पर नमूने भेजे जा सकते हैं और इससे भी महत्वपूर्ण कि उन मानव मिशनों में मदद मिल सकती है जिनकी योजना बनाई जा रही है। इसरो ने सोमवार को घोषणा की कि चंद्रयान-3 मिशन का विक्रम लैंडर भारतीय समयानुसार सुबह करीब आठ बजे सुप्तावस्था में चला गया। इससे पहले चास्ते, रंभा-एलपी और इलसा पेलोड द्वारा नए स्थान पर यथावत प्रयोग किए गए। जो आंकड़े संग्रहित किए गए, उन्हें पृथ्वी पर भेजा गया। उसने कहा कि पेलोड को बंद कर दिया गया और लैंडर के रिसीवर को चालू रखा गया है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कमांड मिलने पर विक्रम (लैंडर) ने इंजनों को फायर किया, अनुमान के मुताबिक करीब 40 सेंटीमीटर तक खुद को ऊपर उठाया और आगे 30-40 सेंटीमीटर की दूरी पर सुरक्षित लैंड किया। इसरो ने कहा कि विक्रम लैंडर अपने मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में और आगे बढ़ गया। इसरो ने कहा कि अभियान की महत्वपूर्ण बात यह है कि इस प्रक्रिया से अब भविष्य में सैंपल वापसी और चंद्रमा पर मानव अभियान को लेकर आशाएं बढ़ गई हैं। इसरो ने पोस्ट में कहा, विक्रम ने एक बार फिर चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग की। विक्रम लैंडर अपने उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में और आगे बढ़ा। यह उम्मीद भरे एक प्रयोग से सफलतापूर्वक गुजरा। इसरो ने कहा था, सौर ऊर्जा खत्म हो जाने और बैटरी से भी ऊर्जा मिलना बंद हो जाने पर विक्रम, प्रज्ञान के पास ही निष्क्रिय अवस्था में चला जाएगा। उनके 22 सितंबर, 2023 के आसपास सक्रिय होने की उम्मीद है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने पहले कहा था कि चंद्र मिशन के रोवर और लैंडर चंद्रमा की रात में निष्क्रिय हो जाएंगे। भारत ने 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद इतिहास रच दिया था। भारत चंद्रमा की सतह पर पहुंचने वाला चौथा देश और इसके दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया है।

नोएडा में नक्शा, कंप्लीशन हुआ महंगा

नक्शा पास कराने को 30 रुपये, सीसी के लिए 35 रुपये प्रति वर्गमीटर फीस देनी होगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण से संबंधित आवंटित संपत्ति का नक्शा पास कराना और पूर्णता प्रमाण पत्र लेना सोमवार से महंगा हो जाएगा। अब नक्शा पास कराने के लिए 30 और पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए 35 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से फीस देनी होगी। अभी तक दोनों मामलों में यह शुल्क 15 रुपए प्रति वर्ग मीटर लगता था।

12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण की हुई 210वीं बोर्ड बैठक में ये शुल्क बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। बोर्ड बैठक अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त एवं नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। अब इनको सोमवार से लागू किया जा रहा है। नई दरें लागू होने से अब घर बनाने के लिए नक्शा पास कराना और काम पूरा होने पर नोएडा प्राधिकरण से पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के अधिक जेब ढीली करनी होगी। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2010 के बाद नक्शा पास कराने व पूर्णता प्रमाण पत्र शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। जबकि जो शुल्क नोएडा प्राधिकरण ने अब तय किए हैं, वे पहले से ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में लागू हैं। ऐसे में उन्हीं शुल्क को नोएडा में भी लागू करने का निर्णय लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि नक्शा पास कराने के लिए सभी प्रकार के भवनों के लिए सभी मंजिलों के ढक हुए क्षेत्र पर 30 रुपए प्रति वर्ग मीटर से शुल्क देना होगा। इसके अलावा

फाइल फोटो

● नोएडा प्राधिकरण की 12 अगस्त को 210वीं बोर्ड बैठक में शुल्क बढ़ाने का लिया गया निर्णय

अभिन्यास योजना के लिए 4 हेक्टेयर तक के भूखंड क्षेत्र के लिए 2 रुपए प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े आकार के भूखंड के लिए 1 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा।

इसी तरह पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए सभी प्रकार के भवनों के लिए सभी मंजिलों के ढके हुए क्षेत्र पर 35 रुपए प्रति वर्ग मीटर और अभिन्यास योजना के लिए 4 हेक्टेयर क्षेत्र तक के भूखंड के लिए 1 रुपए 50 पैसे प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े एरिया के भूखंड के लिए 75 पैसे प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा।

पुलिस-प्रशासन पर स्कूल को बचाने का असपा का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● मामले में स्कूल प्रशासन के कर्मचारी और स्टाफ से पूछताछ नहीं हुई : शिवानी जैन

ऑल स्कूल पेरेंट्स स्कूल एसोसिएशन (असपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवानी जैन ने डीएलएफ स्कूल में एक बच्ची के साथ हुए डिजीटल रेप मामले में स्कूल को बचाने का आरोप पुलिस–प्रशासन के अधिकारियों पर लगाया है।

एक प्रेसवार्ता में शिवानी जैन और महासचिव सचिन सोनी ने कहा कि बच्ची के साथ हुए इस घटनाक्रम में शुरू से ही स्कूल प्रशासन व कर्मचारी के खिलाफ लापरवाही बरती गई। स्कूल परिसर में इस घटना को अंजाम दिया गया लेकिन स्कूल के किसी कर्मचारी या अन्य स्टाफ से कोई पुछताछ नहीं की गई। बच्ची घटना के समय एक अन्य महिला के साथ होने की बात कह रही थी लेकिन उस महिला की कोई जांच नहीं की गई। पहले छेडछाड की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया बाद में डिजीटल रेप का मामला दर्ज किया गया और आरोपी को जेल भेजा गया। शिवानी जैन ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में स्कूल के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिस कर्मचारी ने घटना को अंजाम दिया वह मूलरूप से नेपाल का रहने वाला है लेकिन उसकी कोई वेरीफिकेशन स्कूल ने नहीं की। आज बच्ची डर से घर से बाहर निकलने को तैयार नहीं है। स्कूल ने असंवेदनशीलता दिखाते हुए बच्ची की स्कूल फीस तक वापस नहीं की है जबकि बच्ची सिर्फ 15 दिन ही स्कूल जा पाई है।

संक्षिप्त समाचार

शिव नाडर विश्वविद्यालय में 10 किलोमीटर मैराथन का आयोजन किया गया।

यमुना नदी में नहाने गए जीजा–साले डूबे, शव बरामद

नोएडा। थाना सेक्टर.126 क्षेत्र के गांव असगरपुर में रहने वाले दो लोग यमुना नदी में नहाते समय डूब गए। दोनों का आपस में जीजा.साले का रिश्ता है। मूलरूप से हरदोई के 22 राजकुमार गांव असगरपुर में परिवार सहित रहते हैं। उनके पास उनका साला 18 वर्षीय शिवम भी रहता है। शिवम मूलरूप से बिहार का रहने वाला है। दोनों मेहनत.मजदूरी करके परिवार का पालन.पोषण करते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक रविवार शाम दोनों यमुना में नहाने गए थे। काफी देर तक नहीं लौटे तो स्वजन को चिंता हुई। ग्रामीणों ने यमुना किनारे जाकर देखा तो उनके कपड़े और चप्पल रखे थे। ग्रामीणों ने यमुना के किनारे पानी में जाकर तलाश किया, लेकिन दोनों का कुछ पता नहीं चला। रात में इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई, लेकिन उन्हें भी कुछ पता नहीं चला। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह चाहर ने बताया कि आज दोनों का शव बरामद किया गया है।

नोएडा में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

नोएडा। नोएडा के सेक्टर.94 मेट्रो स्टेशन के पास एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहां से गुजर रहे लोगों ने उसे देखा और पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अशोक के पेड़ से उतार कर तलाशी की। युवक की पहचान ऑटो चालक विश्वजित मंडल 26 के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मलादा बंगाल का रहने वाला है। परिजनों को जानकारी देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना सेक्टर.126 ने बताया कि कंट्रोल रूम से उन्हें जानकारी दी गई। इसके बाद वो मौके पर पहुंचे। पेड़ से रस्सी के जरिए विश्वजित मंडल का शव लटका था। शव को नीचे उतारा गया। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। लेकिन सुसाइड का स्पष्ट कारण नहीं पता चल सका। बताया गया कि युवक काफी दिनों से परेशान था। विश्वजित नोएडा के सेक्टर.9 में रहता था और ऑटो चलाता था। परिजनों ने हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस अलग.अलग एंगल से जांच कर रही है।

लिफ्ट बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग

नोएडा। थाना फेस–1 क्षेत्र के सेक्टर–3 में स्थित औद्योगिक लिफ्ट बनाने वाली एक फैक्ट्री में देर रात को भयंकर आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग के सात गाडियों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर तीन में लोकपाल फैक्ट्री है। यह फैक्ट्रियों में लगने वाली लिफ्ट बनाती है। उन्होंने बताया कि देर रात को उक्त फैक्ट्री में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की सात गाडियों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के समय फैक्ट्री बंद थी, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ है। मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि बीती रात को महामाया फ्लाईओवर के पास एक कार में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाडियों ने आग पर काबू पाया। घटना के समय कार के पास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। पुलिस कार के मालिक का पता लग रही है।

जीडीए के समाधान दिवस में सुनी आवंटियों की समस्या

गाजियाबाद। जीडीए में आज समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दिवस का जीडीए में प्रति सोमवार को आयोजन किया जाता है। जिसमें आवंटन, प्रॉपर्टी पर कब्जा, म्यूटेंशन आदि की शिकायतों की सुनवाई होती है। जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह के निर्देश पर इस दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में आवंटियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रॉपर्टी विभाग के प्रभारी सीपी त्रिपाठी, निर्माण, नियोजन, फाइनेंस आदि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी सुनवाई के दौरान मौके पर रहे। समाधान दिवस का आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में आवंटी मौजूद रहे। इस दौरान लगातार सुनवाई का दौर चला। इस मौके पर कई समस्याओं का निस्तारण तुरंत ही किया गया। बाकी जो समस्याएं बची है उन सभी का गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करने के लिए जीडीए सचिव ने निर्देश दिए।

किराये के मकान में अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में गांव खिमावती में पुलिस ने एक मकान पर छापा मारकर अवैध पटाखा बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। पुलिस ने सात बदमाशों को गिरफ्तार कर उसके पास से भारी मात्रा में विस्फ ोटक सामान व पटाखे बनाने में प्रयोग होने वाला बारूद व मशीन बरामद किया है। पकड़े गए बदमाश दीपावली व शादी समारोह में होने वाले पटाखों का निर्माण कर रहे थे।

एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि काफी समय से सूचना मिल रही थी कि गांव खिमावती में एक मकान पर अवैध पटाखा फैक्ट्री चल रही है। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी मुकेश सोलंकी के नेतृत्व में पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि पहले ग्रामीणों से फैक्ट्री का संचालन होने की जानकारी ली है। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद ही रात को भारी पुलिस फोर्स के साथ उक्त मकान पर छापा मारा गया। छापा लगते ही वहां पर भगदड़ मच गई। अधिक पुलिस होने के चलते मौके से कोई फरार नहीं हो पाया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में विस्फ ोटक सामग्री बरामद कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

किसानों की मांग का अधिकारी समाधान करें : पंकज सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● किसानों ने 21 अगस्त को विधायक का किया था घेराव

भारतीय किसान परिषद के तत्वावधान में किसानों की मांगों को लेकर किसानों का धरना नोएडा प्राधिकरण पर बीते 16 जून से चल रहा है। अपनी मांगों को लेकर किसानों ने 21 अगस्त को नोएडा विधायक पंकज सिंह का घेराव सेक्टर–26 में किया था।

भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने बताया कि घेराव के दौरान विधायक ने किसानों को आश्वस्त किया था कि 4 सितंबर तक आपकी जो मांगे शासन स्तर पर लंबित हैं, उनको नियम के दायरे में लाकर पूरा किया जाएगा। उसी के तहत आज विधायक ने किसानों को अपने आवास सेक्टर.26 पर आमंत्रित करके मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मेरे लिए जनता पहले है, सरकार बाद में है। सरकार किसानों के साथ हमेशा खड़ी है। किसानों के मद्दे जो शासन स्तर पर लंबित हैं उसे वह स्वयं पैरवी करेंगे।

बैठक के दौरान विधायक ने नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ प्रभाष कुमार, ओएसडी अविनाश त्रिपाठी व तहसीलदार को बुलाकर किसानों की मांगों को जल्द से जल्द से निस्तारण की बात कही। इस दौरान प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि याकूबपुर गांव में किसानों की समस्याओं का समाधान हेतु प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उसी के तहत प्राधिकरण अब गांव.गांव जाकर किसानों के मुद्दे उनके द्वार पर ही समाप्त करेगा।

विधायक पंकज सिंह ने किसानों की काफ ी दिनों से लंबित मांग सेक्टर.146 को किसानों को देने की घोषणा की, और किसानों के सबसे बड़े मुद्दे 10 परसेंट के प्लॉट के लिए विधायक ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि यह किसानों की मांग जायज है और इनका 10 फ ीसदी बनता है जितनी जल्द हो, इसका समाधान किया जाए।

गाजियाबाद में 18 सितम्बर को होगी महापंचायत

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने आज जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। किसानों ने कहा कि मंडोला विहार योजना से संबंधित परिषद की गलत नीतियों के विरोध में किसान 2016 से धरनारत है। लेकिन आज तक इस मामले में कुछ नहीं हुआ। हाल ही में डीएम कार्यालय पर अधिकारियों यूनियन पदाधिकारियों व आंदोलन रत किसानों की बैठक आयोजित हुई थी जिसमें प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर समाधान कराने का आश्वासन दिया गया था। किसानों ने अपने ज्ञापन में कहा कि अगर जल्द ही उनकी मांगे नहीं मानी गई तो 18 सितम्बर को लखनऊ में महापंचायत के बाद डीएम कार्यालय पर किसान अनिश्चित कालीन धरना देंगे। ज्ञापन देनेवालों में एनसीआर अध्यक्ष प्रवीन मलिक, महेन्द्र त्यागी, सुरेश कुमार, सोहनवीर, सतेन्द्र त्यागी, बॉबी त्यागी, टिनू चौधरी, मनोज त्यागी, पवन त्यागी, रमेश, पुरूषोत्तम, विनोद कुमार, राजवीर सिंह, चरण सिंह आदि मौजूद रहे।

कैब चालक से हुई लूट में दो किशोर सहित तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में कैब चालक के साथ हुई लूट का भोजपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। दो किशोर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से 1700 रुपये, मोबाइल फोन और कार की चाभी बरामद हुई है। आरोपियों ने सवारी बनकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। 23 अगस्त को मेरठ थाना नौचंदी क्षेत्र के नेहरूनगर निवासी विशाल ने भोजपुर पुलिस को लूट की सूचना दी। विशाल कैब चालक है। उसने बताया कि लालकुआं से मेरठ के लिए तीन युवकों ने कार बुक की और दिल्ली.मेरठ एक्सप्रेसवे पर मारपीट कर उससे नगदी, मोबाइल और कार की चाभी लूटकर ले गए।

एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि वारदात का खुलासा करने के लिए पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया। सुराग मिलने पर गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन निवासी राम चौक सी ब्लाक थाना बादलपुर और दो किशोर हैं।

ग्रामीणों को नजदीक में मिलेगा इलाज दूर जाने की जरूरत नहीं : ब्रजेश पाठक

● मोदीनगर में डिप्टी सीएम ने कहा, गर्भवती महिलाओं के प्राइवेट सेंटर से अल्ट्रासाउंड कराने पर प्रदेश सरकार करेगी भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि गर्भवत्ती महिलाओं को अब अल्ट्रसाउड कराने के लिए सरकारी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं होगी। वह अपने नजदीकी प्राईवेट सेंटर पर अल्ट्रासाउंड करा सकती हैं। उसका भुगतान प्रदेश सरकार करेगी। इसके लिए एप जारी कर दिया गया है। प्रदेश में हर पांच हजार की आबादी पर सब हेल्थ सेंटर खोलने का काम शुरू हो गया है। पूरे प्रदेश में 25539 से अधिक सब हेल्थ सेंटर खोले गए।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने यह बात दिल्ली मेरठ मार्ग पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में 20 शैयायुक्त वार्ड के लोकार्पण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सामुदायिक केन्द्र व उपकेन्द्र का विस्तारीकरण प्रदेश सरकार प्राथमिकता के आधार पर कर रही है। जिला गाजियाबाद एनसीआर में जाता है। गाजियाबाद में ऐसे लोग रहते हैं, जो विभिन्न प्रदेशों से आते हैं। गाजियाबाद में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा देना हमारी सरकार की प्राथमिका में है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में पांच हजार की आबादी पर सब हेल्थ सेंटर खोले जा रहे हैं। अब ग्रामीणों को इलाज कराने के लिए दूर जाने की जरूरत है। अब मरीजों को तत्काल इलाज मिल जाएगा। हेल्थ वेलनेस सेंटर पर हर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जच्चा बच्चा पर काफी ध्यान दे रही है। अब मातृ व शिशु की मृत्यु दर में कमी आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन व भारत सरकार के आंकड़े तक ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी हर जांच हो रही है।

मोदीनगर में एक कार्यक्रम में पहुंचे डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक।

प्रभारी मंत्री ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

नोएडा। सेक्टर–39 स्थित जिला अस्पताल में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। वे अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिले। उनसे बातचीत की और मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद फार्मेसी काउंटर पर गए। वहां लाइन में खड़े मरीजों से पूछा की दवा बाहर की मिल रही है या अस्पताल में। जवाब से संतुष्ट होने के बाद उन्होंने पैथोलॉजी लैब, आईसीयू और सामान्य वार्ड का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने सीएमएस से कहा कि आपका अस्पताल अन्य जिला अस्पतालों की परिभाषा को बदल रहा है। बता दे अस्पताल में 20 बेड का आईसीयू हाल ही में खोला गया है। प्रभारी मंत्री ने सीएमएस रेनु अग्रवाल और सीएमओ सुनील शर्मा को निर्देशित किया कि समय से डॉक्टर अस्पताल आए।

सार्वजनिक सूचना

नोटिस एतद् द्वारा दिया जाता है कि शेयर सर्टिफिकेट न. (ों) 148 हेतु 400 शेयर (ों) जिसके डिस्टिंक्टिव न० (ों) 2388271 – 2388670 एलॉफिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड जिसका रजिस्टर्ड कार्यालय 14 /4, मथुरा रोड, फरीदाबाद, हरियाणा - 121003 के नाम से रजिस्टर्ड है आर.एस.अग्रवाल (राधे श्याम अग्रवाल) के क्रमानुसार फोलियो न० 148 के अंतर्गत गुम हो गए है | मै कमल कुमार अग्रवाल (राधेश्याम अग्रवाल का पुत्र लीगल हेयर) ने अघ उपरोक्त के बदले डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट (ों) के निर्गमन के लिए कंपनी को आवेदन किया है | कोई व्यक्ति जिसे मूल शेयर सर्टिफिकेट (ों) के निर्गमन के बारे कोई आपत्ति है और पूर्वोक्त ने उनकी उपरोक्त कंपनी पते पर इस सम्बन्ध में पुरुष / महिला / वे आपत्ति 14 /4, मथुरा रोड, फरीदाबाद, हरियाणा - 121003 के पास प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर लिखित में दर्ज करवाने का अनुरोध है |

स्थान : दिल्ली, दिनांक : 05-09 -2023

शेयरधारक का नाम और पता
कमल कुमार अग्रवाल
बी -47, अशोक विहार फेज – 1, अशोक विहार, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली - 110052

LOST & FOUND

The Public at large is hereby notified that my client Mrs. Kamlesh Gill alias Kamlesh Shergill W/o Shri K.S. Gill is the owner of Flat No.D-201, Anupam Apartments, East Arjun Nagar, Delhi-110032. It is to inform the general public that original Share Certificate duly issued by The Railway Employees' CGHS Ltd has been lost/misplaced somewhere and not traceable by the best efforts of her. If anyone found or have any objection/Claim for any type such as any Loan, Mortgage, Surety, Security etc. over the said property regarding the above said original document, then contact to the undersigned within 15 days of this Notice. Thereafter no body have any right on the said property.

SAHIL ARORA, ADVOCATE
Add: Office No. 107, F/F, M.S. Chambers, Aruna Park
Laxmi Nagar, Delhi-110092

शुद्धिपत्र

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

ऋण खाता संख्या एलबीजीएचजेड00002865036 एवं एलबीजीएचजेड00002891317 कर्जदार/सह–कर्जदार का नाम सुमन सिंघल/मोहित सिंघल के संबंध में सरफासी ऐक्ट के तहत सूचनाएं मांग सूचना दिनांकित 17 दिसम्बर, 2021 समाचार पत्र दि पायनियर (हिन्दी) दिनांकित 08 फरवरी, 2022 में प्रकाशित की गई थी। हम वर्णित करने के इच्छुक हैं कि असावधानीवश और बिना कोई इरादा के, उक्त मांग सूचना में एक टंकण त्रुटि हो गई है तथा कर्जदार का नाम सुमन सिंघल के स्थान पर सुमित सिंघल वर्णित किया गया है। हम अतएव, आपसे उसको सुमन सिंघल के रूप में पढ़ने का अनुरोध करते हैं।
उक्त सूचना दिनांकित में वर्णित सभी अन्य विवरण वही रहेगा।
हम आपको इस संबंध में हुई असुविधा के लिए हार्दिक खेद व्यक्त करते हैं।

दिनांकित : 05–09–2023 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

RAMPUR FERTILIZERS LTD.
CIN: L15136UP1988PLC010084, Email id- info@rampurfert.com
Regd. Off.: Judges Bareilly Road, Rampur-244901 U.P.

Notice of 35th Annual General Meeting, Book Closure and Remote E-Voting information

NOTICE is hereby given that the 35th Annual General Meeting ('AGM') of the members of Rampur Fertilizers Limited will be held through Video Conferencing ("VC") / Other Audio Visual means ("OAVM") on Friday, the 22nd September, 2023 at 1.00 pm to transact the Ordinary and Special Business, as set out in the Notice of AGM. The Notice of the Meeting, Annual Report for the financial year ended March 31, 2023 and remote e-voting details have been sent in electronic mode to all the members whose e-mail IDs are registered with the Company/RTA/Depository The date of completion of email of the notices to the shareholders is August 31, 2023.

In case you have not registered your email ID with the Company/Depository, please follow below instructions to register your email ID for obtaining annual report for FY 2022-23 and login details for e-voting.

Physical Holding: Send a request to Registrar and Transfer Agents of the Company, MAS Services Limited at investor@masserv.com providing Folio number, Name of the shareholder, scanned copy of the share certificate (Front and Back), PAN (Self attested scanned copy of PAN Card), AADHAR (Self attested scanned copy of Aadhar Card) for registering email address. Please send your bank detail with original cancelled cheque to our RTA (i.e. MAS Services Limited, T-34 2nd Floor, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110020) along with letter mentioning folio no. if not registered already.

Demat Holding: Please contact your Depository Participant (DP) and register your email address as per the process advised by DP. Please also update your bank detail with your DP for dividend payment by NACH if declare by company.

These documents are also available on Company's website www.rampurfert.com for download by the members. Notice is hereby given in compliance with the provisions of Section 108 of the Companies Act, 2013 read with the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 as amended and Regulation 44 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 that the Company has offered e-voting facility for transacting all the business by National Securities Depository Limited (NSDL) through their portal www.evoting.nsdl.com to enable the members to cast their votes electronically. The remote e-voting period commences on Tuesday, 19th September, 2023 (09:00 am) and ends on Thursday, 21st September, 2023 (05:00 pm). No e-voting shall be allowed beyond the said date and time. During this period members of the Company, holding shares either in physical form or in dematerialized form, as on the cut-off date of 15th September, 2023, may cast their vote by remote e-voting. Any person, who acquires shares and becomes member of the Company after dispatch of the notice and holding shares as of the cutoff date i.e. 15th September 2023, may obtain the login ID and password by sending a request at evoting@nsdl.co.in or RTA, MAS Services Limited at investor@masserv.com. However, if the members are already registered with NSDL for remote e-voting then they can use their existing user ID and password for casting their vote. The remote e-voting module shall be disabled by NSDL for voting thereafter. Once the vote on a resolution is cast by the member, the member shall not be allowed to change it subsequently. The facility for voting through e-voting shall be made available at the AGM and the members who have cast their vote by remote e-voting prior to the AGM may also attend the AGM but shall not be entitled to cast their vote again. Shri Sanjiv Nigam, Practicing Company Secretary (Membership No. FCS 9313 & CP No. 8458), Proprietor M/s. Sanjiv Nigam & Associates, Company Secretaries, has been appointed as Scrutinizer for the e-voting process. The detailed procedure for remote e-voting is contained in the letter sent with the Notice of the AGM. Any query/grievance relating to e-voting may be addressed to Rajeev Kumar, Company Secretary and Compliance Officer, Rampur Fertilizers Ltd., Judges Bareilly Road, Rampur-244901 U.P. Phone: 0595-2352028, Email: rkumar@rampurfert.com
NOTICE is also hereby given pursuant to Section 91 of the Companies Act, 2013, Rule 10 of the Companies (Management & Administration) Rules, 2014 and Regulation 42 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 that the **Register of the Members and Share Transfer Books** of the Company will remain closed from Saturday, the 16th September, 2023 to Friday, the 22nd September, 2023 (both days inclusive) for the purpose of taking record of the shareholders at the Annual General Meeting.

For Rampur Fertilizers Limited
Sd/-
Rajeev Kumar
Company Secretary & Compliance Officer

Place: Rampur
Date: 1st August, 2023

हिन्दुस्तान ऑटो फाइनैंस लिमिटेड
सीआईएन : L65910DL1980PLC010617
पंजी. कार्यालय : केबिन नंबर डीए–8, द्वितीय तल, विकास मार्ग, शकरपुर, नई दिल्ली–110092
ई–मेल : hindaf1980@gmail.com, वेबसाइट : www.hindaf.in

3वीं वार्षिक आम बैठक, रिमोट ई–वोटिंग की सूचना और बहीबंदी की सूचना

एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान ऑटो फाइनैंस लिमिटेड के सदस्यों की 43वीं वार्षिक आम बैठक ("एजीएम") बुधवार, 27 सितम्बर, 2023 को पूर्वा. 11.00 बजे, कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाएगी, जिसमें एजीएम के आयोजन की सूचना में सूचीबद्ध व्यवसाय निष्पादित किए जाएंगे।
वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु वार्षिक रिपोर्ट, एजीएम के आयोजन की सूचना, उपस्थिति पर्ची तथा परोक्षी प्रपत्र सहित उन सदस्यों को भेजी जा चुकी है, जिनकी ई–मेल उनके डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स के पास शुक्रवार, 01 सितम्बर, 2023 को कार्य समाप्ति के समय पर पंजीकृत हैं। वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु वार्षिक रिपोर्ट सहित एजीएम के आयोजन की सूचना इलेक्ट्रॉनिक मोड द्वारा उन सदस्यों को भेजी जा चुकी है, जिनका ई–मेल पता कम्पनी/रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेन्ट ("आरटीए") अथवा डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स ("डीपी") के पास पंजीकृत है। ई–मेल करने और वार्षिक रिपोर्ट का एजीएम की सूचना सहित प्रेषण का कार्य सोमवार, 04 सितम्बर, 2023 को पूरा किया जा चुका है। वार्षिक रिपोर्ट एजीएम के आयोजन की सूचना सहित कम्पनी की वेबसाइट www.hindaf.in पर, मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट पर तथा सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) की वेबसाइट www.evotingindia.com पर उपलब्ध है।
शेयरधारक, जिनकी ई–मेल आईडीज कम्पनी/आरटीए अथवा संबंधित डीपी'ज के पास पंजीकृत नहीं हैं वे कम्पनी को hindaf1980@gmail.com पर ई–मेल भेजकर और तदुपरांत निदेशितानुसार अस्थायी पंजीकरण प्रक्रिया का पालन कर अपनी ई–मेल आईडी पंजीकृत करवा सकते हैं, ताकि वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु वार्षिक रिपोर्ट, एजीएम के आयोजन की सूचना प्राप्त कर सकें, जिसमें अन्य के साथ, एजीएम में भाग लने हेतु अनुदेश दिए गए हैं। तथापि ई–मेल आईडी के स्थायी पंजीकरण के लिए सदस्यों से अपने संबंधित डीपी'ज से सम्पर्क साधने और डीपी'ज द्वारा सुझाई गई प्रक्रिया का पालन करने का अनुरोध किया जाता है।
कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 91 और तदधीन विरचित नियमों के प्रावधानों तथा सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 ("सूचीकरण विनियमावली") के विनियम 42 के अनुसरण में कम्पनी के सदस्यों का रजिस्टर और शेयर हस्तांतरण बहियां बृहस्पतिवार, 21 सितम्बर, 2023 से बुधवार, 27 सितम्बर, 2023 तक (दोनों दिन शामिल हैं) कम्पनी की 43वीं एजीएम के उद्देश्य हेतु बंद रहेंगी।
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 तथा कमपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014, यथा संशोधित, के नियम 20 और सूचीकरण विनियमावली के विनियम 44 के अनुसरण में, सदस्यों को एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध प्रस्तावों पर उनका वोट सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (सीडीएसएल) द्वारा उपलब्ध कराए गए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम का प्रयोग करते हुए एजीएम के स्थान से अलग किसी अन्य स्थान से डालने की सुविधा ("रिमोट ई–वोटिंग") प्रदान की जा रही है तथा इस वोटिंग द्वारा व्यवसाय का निष्पादन किया जा सकता है। सदस्यों के वोटिंग अधिकार कट–ऑफ तिथि यानी बुधवार, 20 सितम्बर, 2023 को कम्पनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी में उनके द्वारा धारित इक्विटी शेयर्स के अनुपात में होंगे। कोई व्यक्ति, जो कट–ऑफ तिथि को कम्पनी का सदस्य है, एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर अपना वोट रिमोट ई–वोटिंग के प्रयोग द्वारा अथवा एजीएम में मतपत्र के माध्यम से डालने हेतु ग्राह्य होगा।
रिमोट ई–वोटिंग अवधि रविवार, 24 सितम्बर, 2023 को पूर्वा. 09.00 बजे आईएसटी आरंभ होगी तथा मंगलवार, 26 सितम्बर, 2023 को अप. 05.00 बजे आईएसटी समाप्त होगी। इस अवधि के दौरान, सदस्यगण अपनो वोट इलेक्ट्रॉनिक विधि से डाल सकते हैं। तदुपरांत सीडीएसएल द्वारा रिमोट ई–वोटिंग मॉड्यूल वोटिंग के लिए निष्क्रिय कर दिया जाएगा और उक्त तिथि एवं समय के बाद रिमोट ई–वोटिंग की अनुमति नहीं होगी। सदस्य द्वारा किसी प्रस्ताव पर एक बार वोट डाल दिए जाने के बाद उसमें परिवर्तन करने या दोबारा वोट डालने की अनुमति नहीं होगी। एजीएम की सूचना में विस्तृत वोटिंग प्रक्रिया दी गई है। एजीएम में मतपत्र द्वारा वोटिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी तथा जिन सदस्यों ने रिमोट ई–वोटिंग से अपना वोट नहीं डाला है, वे एजीएम में मतपत्र द्वारा अपना वोट डाल सकेंगे। जो सदस्य एजीएम से पहले अपना वोट रिमोट ई–वोटिंग द्वारा डाल चुके होंगे, वे भी एजीएम में उपस्थित हो सकते हैं, परंतु वे दोबारा वोट डालने के हकदार नहीं होंगे।
कोई व्यक्ति, जो एजीएम की सूचना के प्रेषण के बाद शेयर अर्जित करता है और कम्पनी का सदस्य बनता है तथा कट–ऑफ तिथि को शेयरों का धारक है, वह helpdesk.evoting@cdslindia.com को अनुरोध भेजकर लॉगइन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। तथापि, यदि वह रिमोट ई–वोटिंग के लिए सीडीएसएल मे पहले से पंजीकृत है, तो वह अपने मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का प्रयोग वोट डालने के लिए कर सकता है।
निदेशक मंडल ने सीएस अंजू बंसल, मैसर्स अंजू बंसल ऐंड एसोसिएट्स की प्रोपराइटर, कार्यरत कम्पनी सेक्रेटरी (सीओपी नंबर 17594) को रिमोट ई–वोटिंग तथा एजीएम में वोटिंग की प्रक्रिया एक निष्पक्ष तथा पारदर्शी ढंग से संचालित करने हेतु संवीक्षक नियुक्त किया है। एजीएम के परिणामों की घोषणा चेयरमैन अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा की जाएगी तथा उक्त परिणाम संवीक्षक की रिपोर्ट के साथ, एजीएम की समाप्ति के दो दिन के भीतर मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड में जमा किए जाएंगे और कम्पनी की वेबसाइट www.hindaf.in पर भी प्रकाशित किए जाएंगे।
ई–वोटिंग के संबंध में किसी संदेह या शिकायत की स्थिति में, आप फ्रीक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चन्स ("एफएक्यू'ज") तथा ई–वोटिंग मैनुअल देखें, जो www.evotinglindia.com पर हेल्प सेक्शन के अंतर्गत उपलब्ध हैं। अथवा 022–23058542/43 पर सम्पर्क करें। ई–वोटिंग के संबंध में शिकायत की स्थिति में, कृपया श्री राकेश दाल्वी, सीनि. मैनेजर, 25वां तल, ए विंग, मैराथन यूचरेक्स, मफतलाल मिल्स कम्पाउंड, एनएम जोशी मार्ग, लोअर परेल (ई), मुंबई–400013 ; ई–मेल : helpdesk.evoting@cdslindia.com अथवा उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क करें।

वास्ते हिन्दुस्तान ऑटो फाइनैंस लिमिटेड
हस्ता./–
ऋषभ अग्रवाल
(कम्पनी सेक्रेटरी एवं अनुपालन अधिकारी)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 04 सितम्बर, 2023

Public Notice

This is to inform General Public Notice that Ms. Simran Karla acquired Ground Floor (Without Roof Rights), "Said Floor" built up property No. 34, area measuring 82.26 sq. mtrs. Situated at New Gupta Colony, Priya darshani Vihar, Part-2, Delhi 110009vide Sale Deed dated 16.05.2023 registered as doc. No.7723executed by Mr. Rajesh Kumar Karla. Now Ms. Simran Karla intends to sell the Ground Floor (Without Roof Rights), "Said Floor" built up property No. 34, area measuring 82.26 sq. mtrs. Situated at New Gupta Colony, Priya darshani Vihar, Part-2, Delhi 110009to Mr. Jitesh Parekh and further Mr. Jitesh Parekh has agreed to create a mortgage in respect of the said Floors in favour of our client IDFC FIRST Bank Limited. Further, if any person, body, individual, institution having any claim, title, interest and /or objection in respect of or against or relating to or touching upon said property or part of the property by way of sale, exchange, lease, lien, mortgage, charge, encumbrance, gift, trust, easement, maintenance, inheritance, testamentary deposition or otherwise or having in their custody any title, documents pertaining the said property shall communicate the same to the undersigned at below mentioned address within 07 days from the publication of this notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the claim, of such person shall be considered to have been waived and or abandoned. Any objections raised after the completion of the 07 days shall not be binding upon the said property or my Client& in case anyone has any objection, the same may be raised within07 days of this publication to Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates), Law Veritas North, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/9818228636 (M).

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of our client i.e. **Piramal Capital & Housing Finance Limited** that **Mr. Sayyad Ahmad Ala Zaidi** intends to purchase & mortgage the **Third Floor (with roof/terrace rights) of Property No. 15, admeasuring 100 Sq. Yds., situated at West Sagarpur, Village Dabri, Delhi** with our client, against the financial assistance. Whereas, **1) Mr. Uma Shankar Goel & 2) Mr. Pradeep Solanki** got the rights of the **Said Floor** by way of GPA/ATS/Will dt. 06-04-2021 and thereafter, they sold the same to **Mr. Sayyad Ahmad Ala Zaidi** by way of Sale Deed dt. 09-02-2023. Now, he intends with mortgage the same to **Piramal Capital & Housing Finance Limited.**
If any person(s) having objection with regard to ownership/mortgage of the said property is/are requested to intimate in writing to undersigned within 07 days from the date of issue of pthis notice at below address. In the event no information is received within 07 days from date hereof, our Client i.e. **Piramal Capital & Housing Finance Limited** will proceed with the mortgage process.

DEEPJYOT SINGH, ADVOCATE
A-13, LGF, South Extn-II,
New Delhi-49 # 011-40587824

जी-20 : एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन जाने के लिए करें मेट्रो का इस्तेमाल

स्टेशन के गेट बंद रखने का अनुरोध वापस

● यातायात सुचारू करने के लिए दिल्ली पुलिस परामर्श जारी कर दिया सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन में आने वाले मेहमानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए नई दिल्ली इलाके को नियंत्रित क्षेत्र बनाया गया है। इस क्षेत्र में सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान तीन दिनों (8-10 सितंबर) के लिए बंद कर दिए गए हैं।

दिल्ली पुलिस ने यातायात परामर्श जारी कर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और आनंद विहार रेलवे स्टेशन जाने वाले लोगों को मेट्रो से यात्रा करने की सलाह दी है। साथ ही कहा कि प्रतिबंधित क्षेत्र में रहने वाले लोगों को वैध पहचान पत्र दिखाकर ही आने-जाने की अनुमति होगी। दिल्ली की सीमाओं पर आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

दिल्ली पुलिस की पीआरओ सुमन नलवा ने कहा, जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर अफवाह फैल रही है 8, 9 और 10 सितंबर को लॉकडाउन रहेगा। नलवा ने स्पष्ट किया यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। चूंकि कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। इसलिए, नई दिल्ली जिले को नियंत्रित क्षेत्र बनाया है।

पुलिस ने एडवाइजरी में बताया कि दक्षिण दिल्ली से आने वाले लोग धौला कुआं फ्लाईओवर, रिंग रोड, एम्स चौक, बाबा बंदा सिंह बहादुर सेतु, लाला लाजपत राय मार्ग की ओर स्लिप रोड, लोधी रोड, नीला गुंबद, हजरत निजामुद्दीन मार्ग से निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन जा सकते हैं। पूर्वी दिल्ली से पुस्ता रोड/ नोएडा लिंक रोड, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे, रिंग रोड से निजामुद्दीन एंट्री-2 रोड पहुंच सकते हैं। पश्चिमी दिल्ली से पंजाबी बाग जंक्शन, रिंग रोड, राजा गार्डन चौक, नारायणा फ्लाईओवर, धौला कुआं फ्लाईओवर, रिंग रोड, एम्स चौक, बाबा बंदा सिंह बहादुर सेतु, लाला लाजपत राय मार्ग की ओर स्लिप रोड, लोधी रोड, नीला गुंबद, निजामुद्दीन मार्ग से निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन रोड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के तहत दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) से मेट्रो के उन स्टेशन के द्वार बंद रखने का आग्रह किया था, जो अति विशिष्ट हस्तियों (वीवीआईपी) के ठहरने के स्थानों, उनके आने-जाने के मार्गों और आयोजन स्थल की तरफ खुलते हैं, लेकिन बाद में यह अनुरोध वापस ले लिया गया। पुलिस ने सोमवार को डीएमआरसी के मुख्य सुरक्षा अधिकारी को भेजे एक पत्र में कहा कि वह प्रशासनिक आधार पर अपना अनुरोध वापस ले रहे हैं। जी-20 देशों के नेताओं का सम्मेलन यहां नौ और दस सितंबर को प्रगति मैदान के नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शन केंद्र- भारत मंडपम में होगा। डीएमआरसी को शनिवार को भेजे गए पहले पत्र में दिल्ली पुलिस ने कहा था कि जी-20 शिखर सम्मेलन के तहत सुरक्षा प्रबंधों को पुख्ता करने के लिए खान मार्केट के तीन, मोती बाग के दो और आईटीओ मेट्रो स्टेशन के पांच द्वार समेत 20 से अधिक मेट्रो स्टेशन के द्वार बंद रखने की आवश्यकता है।

पार्सल यातायात पर अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली। जी-20 सम्मेलन के दौरान सुरक्षा इंतजामों के मद्देनजर नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला में सभी प्रकार की पार्सल आवाजाही पर 8 से 10 सितम्बर तक प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान, पार्सल गोदाम और प्लेटफॉर्म पार्सल पैकेजों से पूरी तरह मुक्त रहेंगे।

उक्त सभी स्टेशनों पर लीज्डी एसएलआर, एजीसी, वीपीएस और पीसीईटी सहित सभी इनवर्ड और आउटवर्ड दोनों तरह का पार्सल यातायात प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि निजी सामान को यात्री कोच में ले जाने की अनुमति होगी, जबकि पंजीकृत समाचार-पत्र और पत्रिकाओं को सभी वाणिज्यिक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद ले जाने की अनुमति होगी।

यह प्रतिबंध दिल्ली क्षेत्र के नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और सराय रोहिल्ला से प्रस्थान करने वाली/यात्रा समाप्त करने वाली रेलगाड़ियों के लीज्ड एसएलआर, एजीसी, वीपीएस और पीसीईटी पर लागू होगा। यह उन रेलगाड़ियों पर भी लागू होगा जो अन्यड मण्डलों/जोनों से यात्रा प्रारंभ कर रही हैं और दिल्लीड क्षेत्र में सामान की लोडिंग/अनलोडिंग के लिए ठहरती हैं।

राजधानी स्थित गांधी वाटिका में महात्मा गांधी की 12 फुट ऊंची प्रतिमा के अनावरण के बाद नमन करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। साथ में उपराज्यपाल वीके सक्सेना और सांसद व वरिष्ठ भाजपा नेता विजय गोयल।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महात्मा गांधी की 12 फुट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

● सेल्फी वाटिका में गांधी की मूर्तियों के साथ खिंचवाई फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गांधी दर्शन में महात्मा गांधी की 12 फुट ऊंची चरखा चलाते हुए मूर्ति समेत छह अन्य मूर्तियों का अनावरण किया। उन्होंने ने केवल मूर्ति का अनावरण किया, बल्कि एक-एक मूर्ति के पास जाकर फोटो भी खिंचवाई। जी-20 सम्मेलन में आने वाले विदेशी प्रतिनिधि मंडल को आकर्षित करने के लिए यहां मूर्तियों को लगाया है।

इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि गांधी वाटिका में महात्मा गांधी की प्रतिमाएं, आगंतुकों, विशेषकर बच्चों को प्रेरित करेंगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि जी-20 देशों के प्रतिनिधि, गांधी वाटिका अवश्य आएंगे और मूर्तियों के साथ सेल्फी भी लेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी विश्व समुदाय के लिए एक अमूल्य उपहार हैं और उनके मूल्यों और आदर्शों ने दुनिया को एक नई दिशा दी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला से लेकर नागरिक अधिकार कार्यकर्ता मार्टिन लूथर किंग जूनियर और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा तक ने स्वीकार किया कि महात्मा गांधी का अहिंसा का मार्ग वैश्विक विकास का मार्ग है।

गांधी दर्शन के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने बताया कि गांधी सेल्फी वाटिका में जो 6 मूर्तियां लगाई गई हैं। इनमें गांधी चरखा चलाते हुए, गांधी दो बच्चों के साथ, गांधी बैंच पर बैठे हुए, गांधी साइकिल चलाते हुए, गांधी के तीन बंदर, गांधी जी प्रार्थना करते हुए दिखाया गया है। इन मूर्तियों को राजस्थान के अलग-अलग कारीगरों ने बनाया है। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की 12 फुट ऊंची चरखा चलाते हुए मूर्ति को उन्होंने संस्थान को कोष से भेंट किया है।

एलजी विनय कुमार सक्सेना ने कहा जी-20 में हिस्सा लेने वाले सभी विदेशी प्रतिनिधियों और विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भारत के समृद्ध, शक्तिशाली और खुशहाल होने की तो एक झलक दिखाएगी ही, साथ ही देश की संस्कृति और अनूठी विरासत की भी झलक पेश करेगी। उनकी कोशिश दिल्ली को ऐसा बनाने की है कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए यह हमेशा तैयार रहे।

नई दिल्ली में दवाओं को छोड़कर ऑनलाइन सेवाओं पर रहेगी रोक

● आवश्यक सेवाएं जैसे डाक और चिकित्सा सेवाएं, मेडिकल जांच के लिए नमूना एकत्र करने की होगी अनुमति : पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। नई दिल्ली का इलाका पूरी तरह से किले में तब्दील हो गया है और सुरक्षा की कमान दिल्ली पुलिस ने अपने हाथ में ले लिया है। विदेशी मेहमानों की सुरक्षा और उन्हें आवागमन में कोई परेशानी नहीं हो। इसको देखते हुए दुकानों और सरकारी और निजी कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिल्ली सरकार ने पहले ही जारी कर दिया है। अब इस महा आयोजन के दौरान नई दिल्ली इलाके में ऑनलाइन दवाइयों की डिलीवरी को छोड़ कर अन्य सभी तरह की डिलीवरी पर तीन दिन रोक रहेगी। इसके अलावा सम्मेलन के दौरान जरूरी सेवाएं मसलन डाक, मेडिकल सेवाएं, जांच के लिए नमूने जुटाने के काम पर भी इस दौरान पाबंदी नहीं रहेगी। नई दिल्ली इलाके में व्यवसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी।

विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) एस. एस. यादव ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आवश्यक सेवाओं के लिए दी गई वैध अनुमतियों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने यह बताया कि उच्चतम न्यायालय स्टेशन को छोड़कर मेट्रो सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी। वीआईपी आवाजाही और सुरक्षा प्रतिबंधों के कारण स्टेशनों पर 10-15 मिनट के लिए गेट बंद हो सकते हैं। लेकिन प्रगति मैदान (उच्चतम न्यायालय) के अलावा अन्य स्टेशनों पर मेट्रो सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी। यादव ने कहा कि जिन लोगों ने नई दिल्ली जिले में होटल बुक किए हैं, जो हवाई अड्डा या रेलवे स्टेशन से आ-जा रहे हैं, उन्हें यात्रा करने की अनुमति होगी। हालांकि मांगने पर उन्हें अपनी टिकट, बुकिंग आदि वैध दस्तावेज दिखाने होंगे।

एस. एस. यादव ने बताया सुरक्षा प्रतिबंधों के कारण 10-15 मिनट की देरी हो सकती है लेकिन उन्हें प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

सम्मेलन से सुधरेगी एमसीडी छवि : शैली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुलतानपुरी में रेलवे अंडर पास का महापौर शैली ने किया उद्घाटन। रंजन डिमरी

● शैली ने दावा किया कि भाजपा के 15 साल के शासन के बाद एमसीडी को लेकर लोगों की राय में आएगा बदलाव

महापौर शैली ओबरॉय ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) जी-20 से पहले शहर की सफाई के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के शासन के दौरान लोगों के बीच एमसीडी को लेकर बनी खराब छवि भी जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद बदलेगी।

शैली ओबरॉय ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में जोर देकर कहा कि एमसीडी द्वारा किया जा रहा सफाई और सौंदर्यीकरण का काम जी-20 तक के लिए ही नहीं है बल्कि यह आगे भी जारी रहेगा। महापौर ने कहा कि भाजपा ने 15 साल तक नगर निकाय में शासन किया और इस दौरान उन्होंने दिल्ली में कूड़े के पहाड़ दिए, लेकिन अब आप सत्ता में है और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में निगम तेजी से शहर की सफाई एवं उसे और सुंदर बनाने के लिए काम कर रहा है। ओबरॉय ने कहा, अगर भाजपा ने कुशलता से काम किया होता तो दिल्ली की जनता उन्हें एमसीडी से बाहर नहीं करती। महापौर के बयान पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद शहर की छवि बदलेगी तो उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर। एमसीडी दिल्ली का बहुत ही अहम नगर निकाय है और देश के सबसे बड़े निगमों में से एक है। भाजपा के शासन के दौरान एमसीडी की लोगों के बीच बनी छवि जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद बदलेगी। जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9 से 10 सितंबर तक प्रगति मैदान में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र, भारत मंडपम में होगा। ओबरॉय ने कहा कि नगर निकाय ने कूड़े के मामले में संवेदनशील 11,000 से अधिक स्थानों की पहचान की और उन्हें साफ किया। उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन से पहले सभी वार्डों में मच्छरों के पनपने से रोकने के लिए लार्वा रोधी छिड़काव किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए, दिल्ली को तैयार करने वास्ते 12,000 कर्मचारियों को विशेष तौर पर तैनात किया है। पांच होटलों, पर्यटन स्थलों और शहर के हवाई अड्डे से सटे इलाकों की टीमों का गठन किया गया है।

आम्रपाली के पूर्व सीएमडी अनिल शर्मा को जमानत

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने घर खरीदारों से कथित तौर पर धोखाधड़ी करने के मामले में गिरफ्तार हुए आम्रपाली ग्रुप ऑफ कंपनीज के पूर्व मुख्य प्रबंध निदेशक अनिल कुमार शर्मा को जमानत दे दी है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपपत्र के अवलोकन से पता चलता है कि अभियोजन पक्ष ने 50 गवाहों का हवाला दिया है और जाहिर है कि यह एक लंबा मुकदमा होने जा रहा है और आरोपी को हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कहा, उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून को ध्यान में रखते हुए अंतरित जमानत दे दी है।

संक्षिप्त समाचार

सीमापुरी में विशेष बच्चों के स्कूल के शिक्षक-स्टाफ को सम्मानित किया गया।

'अनुकृति' में विशेष बच्चों के साथ मनाया शिक्षक दिवस

नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के अवसर पर लॉयंस क्लब आईपैक्स की तरफ से सीमापुरी सनलाइट कॉलोनी में स्थित 'अनुकृति' विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ को सम्मानित किया गया। इस विद्यालय में मानसिक व शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों को शिक्षा दी जाती है। इस अवसर पर डॉ. छवि गुप्ता ने कहा ऐसे बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षक ओर इनकी देखभाल करने वाले स्टाफ की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। अनुकृति स्कूल की तरफ से कविता यादव ने बताया यह स्कूल करीब 20 साल से विकलांग बच्चों को विशेष शिक्षा दे रहा है। कार्यक्रम में लॉयंस क्लब आईपैक्स की तरफ से डिस्ट्रिक गवर्नर लॉयंस अशोक मनचंदा, राजीव गुप्ता, राजीव अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, इंदु कनोडिया, विकास कनोडिया, नरेश गुप्ता, वेद रुस्तगी, नरेश ढौंडियाल, पूर्वा गर्ग उपस्थित थे।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान मनाएगी भव्य जन्माष्टमी

फाइल फोटो

नई दिल्ली। द्वारका के सेक्टर 10 स्थित डीडीए ग्राउंड में 6 और 7 सितंबर को दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की तरफ से भव्य जन्माष्टमी का आयोजन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार इस बार जन्माष्टमी 'संभवामि युगे युगे-अपने भीतर कृष्ण चेतना का अनुभव करें' की थीम पर मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जी-20 के प्रमुख मुद्दों की झलक देखने को मिलेगी।कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, धर्मेन्द्र प्रधान, नितिन गडकरी, अर्जुन राम मेघवाल, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, भाजपा महासचिव संगठन बीएल संतोष को आमंत्रित किया गया है।

स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के प्रति किया जागरूक

बसंत कुंज में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते लोग।

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर अस्पताल में 3 से 5 सितंबर तक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी डे मनाया जा रहा है। हर साल 5 सितंबर को स्पाइनल कॉर्ड इंजरी डे मनाया जाता है। इसी क्रम में अस्पताल में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। स्पाइनल इंजरी को लेकर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान स्पाइन इंजरी से प्रभावित लोगों ने व्हीलचेयर रैली निकाली। इस अवसर पर राजीव शर्मा, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव, डॉ. विकास टंडन, सुगंध अहलूवालिया, भोली अहलूवालिया विशेष रूप से मौजूद थीं।

उदयनिधि सार्वजनिक माफी मांगे : भाजपा

● पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल तमिलनाडु भवन पहुंचा और सीएम को पत्र सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सनातन धर्म के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन से माफी की मांग की तथा उनके खिलाफ यहां सोमवार को तमिलनाडु के स्थानीय आयुक्त को एक विरोध पत्र सौंपा। दिल्ली के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद हर्षवर्धन और प्रवेश वर्मा समेत एक प्रतिनिधिमंडल तमिलनाडु भवन पहुंचकर सीएम एमके स्टालिन को संबोधित करते हुए विरोध पत्र सौंपा।

तमिलनाडु के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि ने आरोप लगाया था कि सनातन धर्म समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है तथा इसे खत्म कर देना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू के बुखार से की थी और कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इन्हें नष्ट कर देना चाहिए।

सचदेवा ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के सदस्यों और नेताओं को सनातन धर्म के खिलाफ उदयनिधि की टिप्पणी पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने बयान से उदयनिधि स्टालिन ने वह करने की कोशिश की है जो सैकड़ों वर्षों में विदेशी आक्रमणकारी भी करने में विफल रहे। उन्होंने 100 करोड़ सनातन धर्मी भारतीयों के खिलाफ नफरत फैलाने वाला भाषण दिया है। सचदेवा ने कहा, हमने तमिलनाडु के सीएम को यह पत्र सौंपते हुए उनके बेटे तथा मंत्री उदयनिधि स्टालिन से उनके अनैतिक बयान के लिए तत्काल माफी मांगने को कहा गया है।

महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर कार्यक्रम

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के सभागार में मंगलवार को महर्षि दयानंद सरस्वती की 200 वीं जयंती के उपलक्ष्य में महर्षि दयानंद स्मृति व्याख्यान माला के अन्तर्गत 'भारतीय ज्ञान परंपरा और वेदों में निहित श्रेष्ठतम जीवन मूल्य' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

कॉलेज प्रशासन के अनुसार इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह करेंगे और विशिष्ट अतिथि के रूप में युवराज मलिक निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास मौजूद रहेंगे। यह जानकारी की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रमा ने दी।

मौजपुर में हथियार बंद बदमाशों ने बेकरी मालिक से की लूटपाट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी-20 सम्मेलन को लेकर दिल्ली में हाई अलर्ट के बावजूद बदमाशों ने लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। ताजा मामला गुरुद्वारा मोहल्ला मौजपुर इलाके है जहां हथियारबंद बदमाशों ने में शर्मा बेकरी में रविवार देर रात लुटेरे नगदी और मोबाइल फोन लूट कर भाग। इस दौरान उन्होंने हवा में फायरिंग भी की।

पीड़ित बेकरी मालिक।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बेकरी के मालिक देव शर्मा ने बताया कि रविवार रात साढ़े दस बजे 3 हथियार बंद बदमाश उनकी दुकान मे आ धमके। पहचान छुपाने के मकसद से तीनों ने मुंह पर रूमाल बंध रखा था और टोपी लगाई थी। लूटपाट से पहले उन्होंने हथियार दिखाकर आसपास की दुकानों को बंद कराया। शर्मा के मुताबिक लुटेरों ने हथियार के बल पर उनको और नौकर से 10 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिए।

प्रदूषण से जंग : सीआईआई ने कृत्रिम बारिश कराने का दिया सुझाव

प्रदूषण की रोकथाम को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंत्रियों के साथ सीआईआई पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बोले, इसकी संभावनाओं को देखेंगे

● दिल्ली को दुनिया का नंबर एक शहर बनाने में सरकार का साथ देगी कॉन्फडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली को दुनिया का नंबर एक शहर बनाने में कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) दिल्ली सरकार का साथ देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीआईआई के साथ बैठक कर प्रदूषण, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सीआईआई ने इन क्षेत्रों में सरकार का साथ देने का प्रस्ताव रखा है।

केजरीवाल ने कहा कि चीन व दुबई में क्लाउड सिडिंग तकनीक इस्तेमाल की जा रही है, उसी तर्ज पर दिल्ली में खासकर ठंड के तीन महीने के दौरान इसकी संभावना तलाशेंगे। इस दौरान सीआईआई ने कहा कि हर साल ठंड के मौसम के प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी जाती है। इससे काफी नुकसान होता है। इस समस्या का समाधान करने की मांग की। इस पर सीएम ने कहा कि प्रदूषण को कम करने को लेकर लगातार प्रयास चल रहा है। ठंड में पंजाब से आने वाले धुंए को कम करने पर काफी तेजी से काम हो रहा है। उम्मीद है कि अगले साल तक पंजाब से पराली का धुंआ आना बंद हो जाएगा। सरकार के प्रयासों के चलते ही 2015 के मुकाबले आज वायु प्रदूषण 30 फीसद तक कम हुआ है। इस दौरान सीआईआई ने नए उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए इंडस्ट्रियल व कामर्शियल भूमि के सर्किल रेट कम करने का अनुरोध किया। जिस पर केजरीवाल ने राजस्व मंत्री आतिशी को सर्किल रेट तर्क संगत बनाने पर काम करने का निर्देश दिया है।

बैठक में इंडस्ट्रीयल और कामर्शियल भूमि के सर्किल रेट पर भी चर्चा हुई। सीआईआई ने कहा कि इंडस्ट्रियल और कामर्शियल भूमि के सर्किल रेट अधिक है।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 5 सितंबर, 2023

कांग्रेस ऑब्जर्वर के सामने ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के कांग्रेस कार्यालय में बैठक लेते ऑब्जर्वर।

हरियाणा में लंबे समय से बिना संगठन के ही काम कर रही कांग्रेस ने संगठन बनाने का काम शुरू तो किया है, लेकिन गुटबाजी के चलते यह काम बाधित ही हो रहा है। सोमवार को गुरुग्राम में कांग्रेस के ऑब्जर्वर कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। उनके सामने ही कार्यकर्ता भिड़ गये। वहीं कांग्रेस नेता करण सिंह दलाल ने दावा किया कि अगले 10 दिन में संगठन बनकर तैयार हो जाएगा।

कांग्रेस कार्यालय में संगठन बनाने के लिए और सभी जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए कार्यकर्ताओं के साथ ऑब्जर्वर द्वारा राय शुमारी की गई। इसी दौरान कार्यकर्ताओं के बीच हंगामा देखने को मिला। जिस समय इस बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और ऑब्जर्वर्स कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे थे, उसी समय कार्यकर्ताओं में झड़प शुरू हो गई। कुछ कार्यकर्ताओं का आरोप था कि इस बैठक के बारे में उन्हें जानकारी ही नहीं दी गई। कुछ चेहते लोगों को ही बुलाकर इस बैठक में शामिल किया गया।

इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता करण दलाल ने कहा कि हर एक पार्टी में गुटबाजी होती है। लेकिन कांग्रेस में भले ही गुटबाजी नजर आती हो, लेकिन किसी भी कार्यकर्ता के बीच मनभेद नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगले 10 दिनों में संगठन पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा। इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी सभी जिलों में शहरी और ग्रामीण जिला अध्यक्षों की नियुक्ति अगले 10 दिनों में कांग्रेस पार्टी की तरफ से हरियाणा में कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से मजबूत है।

विभिन्न क्षेत्रों के मौजिज लोगों को लेकर निगमायुक्त से मिले विधायक सुधीर सिंगला

शहर के कई क्षेत्रों में सड़क, सीवरेज, पानी की समस्याओं पर की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर निगमायुक्त से मुलाकात करते विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने सोमवार को शहर के विभिन्न इलाकों के गणमान्य लोगों के साथ नगर निगम आयुक्त पीसी मीणा से मुलाकात करके उनके क्षेत्रों की समस्याएं रखीं।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम समेत पूरे हरियाणा के विकास और जनहित की समस्याओं को दूर करने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री मनोहर लाल मॉनिटरिंग करते हैं। गुरुग्राम में जितनी भी समस्याएं हैं, जो भी जनहित के मुद्दे हैं। उनका समय से निराकरण हो जाना चाहिए। विधायक सुधीर सिंगला ने शहर के मौजिज लोगों द्वारा बताई गई समस्याओं पर कहा कि क्षेत्रवार इन समस्याओं को योजनाबद्ध तरीके से दूर किया जाए। पानी, सीवरेज, सड़कों की दशा को जल्द से जल्द सुधारा जाए। गुरुग्राम नगर निगम के क्षेत्र में अनेक सड़कों का हालत बहुत खराब है। लोगों की शिकायतें आती हैं कि सड़कों का सुधारीकरण का काम ठीक से नहीं हो पा रहा। उन्होंने कहा कि नए गुरुग्राम की तर्ज पर पुराने गुरुग्राम में भी जनहित के कार्यों को बिना देरी किए पूरा किया जाए। बरसात के बाद सबसे बड़ी समस्या सड़कों की है। कई सड़कें ऐसी हैं, जहां से निकलना खतरनाक हो गया है। सड़कों में गहरे गड्ढे हादसों को न्यौता दे रहे हैं। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि पटौदी रोड पर सेक्टर-10 चौक से गाड़ौली तक सड़क का बुरा हाल है। सड़क निर्माण का काम तो शुरू हुआ है, लेकिन गति धीमी है। इसलिए जल्द से जल्द इस सड़क का काम पूरा किया जाए। विधायक सुधीर सिंगला ने सभी समस्याओं का समाधान एक निश्चित समय सीमा के अन्दर करने की बात कही। जिस पर आयुक्त ने त्वरित कार्यवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

इस दौरान विधायक के साथ भाजपा मण्डल अध्यक्ष अभिषेक गुलाटी, पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया, निवर्तमान पार्षद रमा रानी राठी, पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी, एडवोकेट करमबीर यादव, दिनेश यादव, धर्मवीर बघोरिया, परवेश कुमार बाघोरिया, प्रधान विष्णु खन्ना, कर्नल आरएस सिरोही, सौरभ डरगन, आरपी सिंह मौजूद रहे।

वाट्सऐप चैटिंग ने खोले नूंह हिंसा के नए राज

हिंसा में गैंग 0011 ने 30 जुलाई को रची थी हमले की साजिश

60 लोगों ने वाट्सऐप के माध्यम से बनाई थी योजना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नूंह हिंसा में फूंकी गई गाड़ियां। फाइल फोटो।

नूंह हिंसा के बाद राजनीतिक बयानबाजियों के बीच अब हिंसा को लेकर नया खुलासा हुआ है। जांच और गिरफ्तारियों के बीच नूंह हिंसा में गैंग 0011 का नाम उजागर हुआ है, जिसने हिंसा से एक दिन पहले 60 लोगों के वाट्सऐप के माध्यम से 31 जुलाई को बृजमंडल यात्रा पर हमले की साजिश रची थी।

बजरंग दल की यात्रा को किसी भी तरह से कामयाब नहीं होने देने के लिए 30 जुलाई को रची साजिश के तहत 31 जुलाई को हिंसा, आगजनी, खून-खराबा की घटना को अंजाम दे दिया गया।

नूंह के आरोपियों की धरपकड़, गिरफ्तारियों के बीच पुलिस ने गैंग 0011 के नाम से वाट्सऐप ग्रुप संचालित करने वाले इसके एडमिश को गिरफ्तार किया है। नूंह के ही फिरोजपुर नमक गांव से गिरफ्तार किए गए आरोपी वसीम उर्फ ??टीटा ने पुलिस पूछताछ में अपने राज उजागर किये। नूंह पुलिस के रडार पर 20 वाट्सऐप ग्रुप हैं, जिनकी गहनता से पुलिस जांच कर रही है। ऐसे ग्रुपों को चलाने वाले और उनसे जुड़े लोगों का भी भूमिका नूंह दंगों में संदेह के घेरे में है। नूंह में जिस तरह से चंद मिनटों में ही उपद्रव फैली, उसी को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि शुरुआत जांच में तो पुलिस ने इस हिंसा को योजनाबद्ध तरीके से होना इंकार किया था। परत-दर-परत जांच के दौरान जो तथ्य, जानकारियों सामने आ रही हैं, उससे कहीं ना कहीं यह तस्वीर साफ हो रही है कि एक दिन पहले बृजमंडल यात्रा पर हमले की योजना बनाई ही गई थी।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने यह खुलासा किया है कि साइबर पुलिस थाना उनके निशाने पर था। पुलिस थाना को ध्वस्त करने के लिए एक बस तैयार की गई थी। नूंह में दंगे शुरू होने के बाद अफरा-तफरी मची। बस की व्यवस्था करने के बाद विभिन्न गांवों में गिरोह के सदस्यों को इकट्ठा किया गया। वे साइबर पुलिस थाना पर हमला करने के बाद अन्य स्थानों पर हिंसा करने पहुंच गए।

गौरतलब है कि वाट्सऐप ग्रुप के जरिये नूंह हिंसा भड़काने की खबरें लगातार आ रही थी। हालांकि उस समय पुलिस ने उनकी सत्यता को लेकर ऐसा होने से इंकार भी किया था। वाट्सऐप के संदेशों में हिंसा भड़काने की ही बातें थी। एक ग्रुप में तो बृजमंडल यात्रा की साथ-साथ रेकी करने के भी संदेश सामने आए थे। नूंह हिंसा में दो होमगार्ड के जवान समेत छह लोगों की मौत हुई थी। नूंह हिंसा में अब तक 57 केस दर्ज किए जा चुके हैं और 188 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें लगातार काम कर रही हैं। पुलिस द्वारा अरावली क्षेत्र में तीन एन्काउंटर करके तीन आरोपियों को काबू किया है।

भाजपा के कई पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ जन सेवक क्रांति पार्टी में शामिल

धूमधाम से मनाया गयी जन सेवक क्रान्ति पार्टी की दूसरी वर्षगांठ

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में जन सेवक क्रांति के स्थापना दिवस पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकित अलघ का स्वागत करते कार्यकर्ता।

जन सेवक क्रान्ति पार्टी की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर शहर में सर्व समाज सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आगाज से ही रागनी कलाकारों ने सांस्कृतिक की छटा बिखेर समां बांध दिया।

हांसी, रोहतक, रेवाड़ी, दादरी, नारनौल समेत प्रदेश भर से पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में बच्चों ने स्वागत गीत पेश किया। पार्टी की राष्ट्रीय टीम ने मंच के माध्यम से अध्यक्ष अंकित अलघ का जोरदार स्वागत किया। यहां समाज के मौजिज लोगों को भी को सम्मानित किया गया। हास्य कवि सुंदर कटारिया ने हरियाणवी नृत्य, भांगड़ा, देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के लिए कलाकारों को मंच पर आमंत्रित किया। नन्हें कलाकार भाविका एवं पार्थ हिन्दुस्तानी की प्रस्तुति भी बेहतर रही। पार्टी के सह संस्थापक व महासचिव विक्रांत मक्कड़ ने कहा कि आज भी हमारे प्रदेश में लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। 24 घंटे बिजली देने के झूठे प्रलोभन, बढ़ता क्राइम रेट, आसमान छूती महंगाई, युवाओं को प्रताड़ित करती बेरोजगारी जैसी अनेक समस्याएं ऐसी हैं। पार्टी के सह संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकरणी सदस्य योगेश कटारिया ने अपने जोशीले अंदाज से कार्यक्रम में उमड़े जन सैलाब में जोश भर दिया। इस आयोजन में राष्ट्रिय कार्यकारिणी के सदस्य वैभव जैन, अभिषेक ठाकुर, मोहन ढींगड़ा एवं कपिल अरोड़ा, स्वाति ग्रोवर, जितिन यादव, नवीन यादव समेत अनेको कार्यकर्ताओं ने अहम भूमिका निभाई।

शिक्षक वेदप्रकाश के शून्य निवेश नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर मिली प्रशंसा

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

अपने शैक्षिक अभ्यास के तहत की दो पुस्तकों की रचना

शिक्षा के प्रति समर्पित वेदप्रकाश ने एक साल तक कोई अवकाश नहीं लिया

शिक्षक वेद प्रकाश गौड़ को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सम्मानित करते शिक्षा बोर्ड हरियाणा के चेयरमैन डा. वीपी यादव।

एक शिक्षक का कर्तव्य सिर्फ यह नहीं कि वह अपने स्कूल के समय में ही छात्रों को पढ़ाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ले। एक शिक्षक हर कदम पर शिक्षक ही रहता है और राह चलते भी किसी को शिक्षा दे सकता है। जिम्मेदारियों से भी आगे निकलकर शिक्षक काम करता है तो उसकी विद्यार्थी रूपी पौध एक दिन वट वृक्ष बन सकती है। शिक्षक के रूप में अति पिछड़े मेवात क्षेत्र में नौकरी को कर्तव्य समझकर शिक्षा की अलख जगा रहे हैं शिक्षक वेदप्रकाश गौड़।

वेदप्रकाश गौड़ की विशेषता यह रही है कि वे वर्ष 2017-18 में मेवात के फिरोजपुर नमक गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत थे। इस दौरान उन्होंने एक दिन भी अवकाश नहीं लिया। पिछले इलाके के बच्चों को अपने ज्ञान का अधिक से अधिक लाभ देकर उन्हें मजबूत बनाने का काम किया। शून्य निवेश नवाचार यानी बिना कोई खर्चा किए बेहतर शैक्षणिक गतिविधियां कराने का एक विचार उन्होंने शिक्षा विभाग को दिया। मेवात जिला शिक्षा विभाग के स्तर से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर शून्य निवेश नवाचार को सराहना मिली। इसके लिए उन्होंने तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री रहे रमेश पोखरियाल निशंक ने इनोवेशन टीचर अवार्ड से सम्मानित किया था। हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने भी उन्हें इसके लिए सम्मानित किया। शिक्षा प्रक्रिया में सकारात्मक सुधार के लिए उन्होंने दो पुस्तकों की रचना की है, जिसमें पहली पुस्तक मनोवैज्ञानिक गतिविधि आधारित शिक्षण व दूसरी पुस्तक परीक्षा में सफलता के सूत्र है। इन दोनों पुस्तकों का आईएसबीएन नंबर के तहत प्रकाशन भी हो चुका है। मनोवैज्ञानिक गतिविधियों पर आधारित उनकी पुस्तक में 108 गतिविधियां हैं, जो कि सरकारी स्कूलों से ही संबंधित हैं। वेदप्रकाश गौड़ बताते हैं कि उन्होंने सरकारी स्कूल में रहते हुए महसूस किया कि बच्चों की शिक्षा में रुचि बढ़ाने के लिए कुछ अलग तरह से काम किया जाए। जो शिक्षा सामान्य तौर पर दी जा रही है, उसे बिना प्रभावित किए इसमें कुछ नया जोड़कर उन्होंने बच्चों को शिक्षा देना शुरू किया। इसी से मिले अनुभवों को उन्होंने पुस्तक का रूप दिया।

स्वच्छता के दृष्टिकोण से मॉडल कक्षा का निर्माण किया : फिलहाल राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय लक्कड़पुर ब्लॉक फरीदाबाद में कार्यरत वेदप्रकाश गौड़ ने विद्यार्थियों को अपने स्वयं के खर्चे से सफाई-स्वच्छता सामग्री उपलब्ध करा कर स्वच्छता के लिये प्रेरित व स्वच्छता के दृष्टिकोण से मॉडल कक्षा का निर्माण किया। अन्य अध्यापकों को अनुसरण करने के लिये निर्देश दिए। विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार लाने के लिये सायं कालीन कक्षाओं का आयोजन किया व विद्यार्थियों की कक्षा अधिगम से सम्बंधित समस्याओं का निवारण कर उनके अधिगम स्तर को ऊंचा उठने के लिए प्रयास किया। हरियाणा शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी परियोजना सक्षम परीक्षा में पूर्ण समर्पण भाव से कार्य कर विद्यालय को सक्षम बनाने में सक्रिय योगदान दिया। नूंह जिले को सक्षम बनाने में किए गए कार्यों के कारण जिला शिक्षा विभाग की तरफ से सम्मानित भी किया गया। उन्होंने एससीईआरटी हरियाणा की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। ई-कंटेंट डेवेलपमेंट में बतौर स्टेट रिसोर्स पर्सन राज्य के सरकारी अध्यापकों को प्रशिक्षित किया। उड़ान प्रोजेक्ट में बतौर रिसोर्स पर्सन कार्य किया। कोरोना काल में हरियाणा शिक्षा विभाग के एजुसेट चैनल के लिये स्वयं निर्मित शैक्षिक वीडियो बनाकर विद्यार्थियों को लाभांवित किया। प्रश्न पत्र निर्माण शाला में भाग लेकर प्रश्न पत्रों का निर्माण करने में सहयोग किया। उन्हें मेवात शिक्षा विभाग की तरफ से स्टार टीचर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। निपुण हरियाणा मिशन में बतौर मास्टर ट्रेनर भाग लेकर जिले के सरकारी अध्यापकों को प्रशिक्षित किया। नई शिक्षा नीति के तहत बाल वाटिका-3 की प्रशिक्षक-पुस्तिका कार्यशाला में भाग लेकर सकारात्मक कार्य किया। उन्हें दो बार गणतंत्र दिवस पर मंत्री कृष्ण बेदी, कमलेश ढांडा ने भी सम्मानित किया है। अभी शिक्षक दिवस पर उन्हें विद्यार्थियों की अधिगम क्षमता में सकारात्मक सुधार व शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावशाली कार्य करने के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के चेयरमैन डॉ. वीपी यादव द्वारा उत्कृष्ट अध्यापक का सम्मान दिया गया।

मेरी माटी मेरा देश एक नए युग की शुरुआत : चंद्रमणि भारद्वाज

भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुष्प पर चित्र अर्पित करते मुख्य अतिथि चंद्रमणि भारद्वाज, भाजपा नेता ठाकुर मनजीत सिंह।

नोएडा। मेरी माटी मेरा देश अभियान एक नए युग की शुरुआत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस पर आने वाले समय में भारत को अगले 25 वर्षों में एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जो 5 प्राण लिए थे, उन पर देश काम कर रहा है। यह बात मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम की जेवर विधानसभा के रबूपुरा मंडल में आयोजित सभा में मुख्य अतिथि चंद्रमणि भारद्वाज ने कही।

सभा की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष उदयवीर चौधरी ने की। सभा में मुख्य रूप से भाजपा नेता ठाकुर मनजीत सिंह, पूर्व जिला महामंत्री धर्मेंद्र भाटी, विजयपाल सिंह, गोलू शर्मा आदि लोग मौजूद रहे। चंद्रमणि भारद्वाज ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में एक नए युग की शुरुआत करने के साथ स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद हुए गुमनाम नायकों एवं शहीदों को श्रद्धांजलि देना है। मेरी माटी मेरा देश एक राष्ट्रव्यापी अभियान होने के साथ-साथ प्रधानमंत्री के पंचप्रण के प्रति जनता को जागरुक कर अमृत काल के लिए तैयार करना है। इस कार्यक्रम में देश के कोने कोने से युवाओं द्वारा भाग लिया जाएगा। युवाओं द्वारा स्वतंत्रता प्रेमियों के लिए श्रद्धांजलि का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में यह कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव के समापन का भी प्रतीक बनेगा। मेरी माटी मेरा देश एक राष्ट्रव्यापी अभियान होने के साथ-साथ प्रधानमंत्री के पंच प्रण के प्रति जनता को जागरुक कर अमृत काल के लिए तैयार करना है।

अधिकांश भारतीय कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर अच्छा महसूस नहीं करते : इनडीड और फॉरेस्टर कंसल्टिंग का अध्ययन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इनडीड और फॉरेस्टर कंसल्टिंग द्वारा तैयार की गई एक संयुक्त रिपोर्ट में सामने आया है कि भारतीय संस्थानों में काम करने वाले केवल 24 फीसद कर्मचारी ही अपने कार्यस्थलों पर काफी अच्छा महसूस करते हैं। भारतीय व्यवसायों में काम करने वाले कर्मचारियों में तीन-चौथाई से ज़्यादा ने कम अच्छा महसूस होने की शिकायत की। हालाँकि, कार्यस्थल पर कम खुशहाली केवल भारत में ही नहीं है। यह समस्या पूरे विश्व की है, सर्वे के मुताबिक़ भारतीय संस्थानों में खुशहाल कर्मचारियों की संख्या वैश्विक औसत- 25 फीसद के लगभग बराबर है।

वर्क वेलबीइंग इन इंडिया 2023 रिपोर्ट- हाउ थ्राइविंग पीपल क्रिएट थ्राइविंग कंपनीज़ शीर्षक की इस रिपोर्ट का उद्देश्य कर्मचारियों की खुशहाली के आंकड़ों की माप करना और नौकरी के प्रदर्शन, कार्यस्थल उत्पादकता एवं संगठनों में कर्मचारी के रिटेंशन लेवल आदि पर उनके प्रभाव को पहचानना था।

ज़्यादा अच्छा महसूस करने वाले कर्मचारियों को 'कार्यस्थल पर खुशहाल' माना जाता है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में वैलनेस रिसर्च सेंटर के अनुसार, ऐसे कर्मचारी निम्नलिखित गुण या अनुभव प्रदर्शित करते हैं - नौकरी से अत्यधिक संतुष्ट, काम को लेकर बहुत कम तनाव, अत्यधिक सकारात्मकता/खुशी, और संस्थान में अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट उद्देश्य। कम खुशहाली अक्सर नेतृत्व की समस्याओं का संकेत है सर्वे में शामिल 67 फीसद से ज़्यादा कर्मचारियों ने माना कि कार्यस्थल पर उनकी खुशहाली की जिम्मेदारी उनके नियोक्ता की है। ऐसे कार्यस्थलों में समावेशिता की भावना, स्वीकृति, सम्मानजनक बातचीत और सहयोगपूर्ण मैनेजर्स की उपस्थिति जैसी विशेषताएँ होती हैं। अधिकांश कर्मचारियों (93 फीसद) ने कहा कि उनका मैनेजर सहानुभूतिपूर्ण नेतृत्व प्रदर्शित करता है, 87 फीसद ने बताया कि उनका मैनेजर उदाहरण द्वारा नेतृत्व करता है। लेकिन यदि भारत में कार्यस्थल की संस्कृति पर किए गए मुख्य अध्ययनों को देखें तो इस तरह के उदाहरण बहुत कम हैं। सर्वे में शामिल 69त्न कर्मचारियों के मुताबिक़ उनके संगठनों में वरिष्ठ नेतृत्व उनसे चाहता है कि वो अपने निर्धारित दायित्वों से बढ़कर काम करें। इनडीड इंडिया के हेड ऑफ सेल्स, श्री सशि कुमार ने कहा, कार्यस्थल पर खुशहाली हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, फिर चाहे हम रिमोट काम करें या ऑफिस में। हमारे द्वारा किए गए अध्ययनों में सामने आया है कि आगे चलकर कार्यस्थल पर खुशहाली के ऊपर ज़्यादा ज़ोर दिया जाएगा। नियोक्ताओं को जेन ज़ी के साथ पीढ़ीगत समस्या होती है सर्वे में खुशहाली को लेकर कर्मचारियों के दृष्टिकोण में स्पष्ट पीढ़ीगत परिवर्तन देखने को मिलता है। 18 से 26 साल के जेन जी समूह (20 फीसद) अपने के ज़्यादा उम्र के मिलेनियल्स (24 फीसद) और जेन-एक्स (27 फीसद) की तुलना में कम खुशहाल कर्मचारी हैं। ज़्यादा उम्र के कर्मचारी कर्मचारियों की खुशहाली को प्राथमिकता देने के मामले में अपने नियोक्ताओं की क्षमता पर भी ज़्यादा भरोसा करते हैं।

ध्यान आश्रम के अश्विनी गुरुजी के साथ ध्यान के विज्ञान पर विशेष रिट्रीट 8 सितंबर से 10 तक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली आधुनिक विज्ञान के लिए आज भी मानव मस्तिष्क एक पहेली ही है। चेतन, अचेतन और अवचेतन मन है... और फिर सुपर चेतन मन है, जिसका ज्ञान वैज्ञानिकों को नहीं है, किन्तु वैदिक ऋषियों ने इसे तुरैया अवस्था के रूप में जान लिया था । ध्यान की कला और विज्ञान इसी से संबंधित है। ध्यान में हमारे ऋषियों को सूक्ष्म लोकों और मंत्रों के अनुभव तो होते ही थे साथ ही विभिन्न देवी देवताओं के दर्शन भी होते थे। न केवल दर्शन ही होते थे बल्कि उन शक्तियों की सहायता से वह इच्छानुसार इस भौतिक लोक में तरह तरह के अस्त्र - शस्त्र उत्पन्न कर देते थे, रुग्ण शरीर को स्वस्थ कर देना, शारीरिक गुण सौंदर्य में वृद्धि एवं धन आदि को प्रत्यक्ष प्रकट कर देना उनके लिए बहुत सरल था। यह उनके ध्यान की अवस्था थी अर्थात् तुरैया अवस्था। आज भी इस समय और इस युग में ऐसी अवस्था तक पहुँचना संभव है। 8 से 10 सितंबर, 2023 तक नई दिल्ली में अश्विनी गुरुजी के साथ ध्यान के विज्ञान पर 3 दिवसीय विशेष रिट्रीट में ध्यान फाउंडेशन के साथ आत्मा के इन अद्भुत पहलुओं का अनुभव करें और उसमें छिपी हुई क्षमताओं का दोहन करें, अपने विचारों को मैनिफेस्ट करने के रहस्यों को जानें तथा अपने उच्च ऊर्जा केंद्रों को जागृत करें।

एक्सिस कम्युनिकेशंस ने बेंगलुरु में भारत के पहले एक्सिस एक्सपीरियंस सेंटर का उदघाटन किया और एक नया परिसर खुलने की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेटवर्क वीडियो में मार्केट लीडर, एक्सिस कम्युनिकेशंस ने आज अपना नया ऑफिस खोलने की घोषणा की, जिसके साथ बेंगलुरु के मध्य भारत का पहला एक्सिस एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च हो गया है। यह एक्सिस एक्सपीरियंस सेंटर एक्सिस इंडिया ऑफिस का हिस्सा है, जो नेटवर्क सिक्योरिटी सोल्यूशंस में हो रही आधुनिक प्रगति का प्रदर्शन करेगा। इस हब में पूरे देश के अंशधारकों के विशाल नेटवर्क के साथ संलग्न होकर सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

एक्सिस एक्सपीरियंस सेंटर (एईसी) और इस ऑफिस के उद्घाटन के अवसर पर एक्सिस कम्युनिकेशंस एबी के सीईओ रे मॉरिट्सन; एशिया पैसिफ़िक के वाईस प्रेसिडेंट, बुडेविज्न पेश्च; साउथ एशिया पैसिफ़िक के रीजनल डायरेक्टर, कार्ल माल्मक्विस्ट और एक्सिस कम्युनिकेशंस, इंडिया एवं सार्क के डायरेक्टर, सुधींद्र होल्ला मौजूद थे।

बेंगलुरु में स्थापित इस नये परिसर द्वारा राज्य में एक्सिस की स्थिति मज़बूत होगी और गठबंधन के लिए संभावित साझेदारों का परिवेश मिल सकेगा, जिससे इनोवेशन और उत्कृष्टता लाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा एक्सिस एक्सपीरियंस सेंटर में उत्पादों के भौतिक एवं इंटरैक्टिव प्रदर्शन द्वारा भविष्य की टेक्नोलॉजी का फर्स्ट-हैंड अनुभव मिलेगा। कंपनी के नवीनतम उत्पादों का अवलोकन पेश करते हुए, एक्सिस एक्सपीरियंस सेंटर परिवेश के साझेदारों को उत्पादों का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण देगा, ताकि वो टेक्नोलॉजीज की सही कार्यप्रणाली समझ सकें, और ग्राहकों को हर टच पॉइंट पर बेहतरीन अनुभव मिले। एक्सिस कम्युनिकेशंस के सीईओ, रे मॉरिट्सन ने कहा, हमने भारत में अपना पहला ऑफिस 16 साल पहले खोला था।

अब अपने नये ऑफिस में कदम रखते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। एक्सिस के लिए भारत एक महत्वपूर्ण और बढ़ता हुआ बाज़ार है। हमारे नए ऑफिस के साथ एक्सिस एक्सपीरियंस सेंटर की शुरुआत एक दीर्घकालिक निवेश और प्रतिबद्धता है, जिससे हमें भविष्य में इस क्षेत्र में स्थित ग्राहकों को बेहतर सेवा देने में मदद मिलेगी।

पृथला क्षेत्र के विकास की आवाज को हमेशा पुरजोर तरीके से उठाया : नयनपाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पृथला विधानसभा क्षेत्र की सीकरी से प्याला सड़क निर्माण की बड़ी मांग को विधायक नयनपाल रावत ने प्रयासों ने पूरा करवाया। करीब 10 करोड़ की लागत से 3.80 किलोमीटर तक बनने वाली इस सड़क का विधायक रावत ने बुजुर्गों से नारियल फुड़वाकर विधिवत रूप से शुभारंभ करवाया। इस सड़क को बनाए जाने की मांग ग्रामीणों द्वारा पिछले काफी समय से उठाई जा रही थी। अब जब इस सड़क का शिलान्यास हो गया है तो जल्द ही यह बनकर तैयार हो जाएगी। इस मौके पर ग्रामीणों ने विधायक का ढोल नगाड़ों और फूल मालाओं से स्वागत किया।

युवा बिग्रेड उन्हें ट्रैक्टरों व बाइकों के काफिले के साथ गांव सीकरी से जुलूस के रूप में गांव प्याला तक लेकर आए और पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक नयनपाल रावत ने कहा कि पृथला विधानसभा क्षेत्र उनका परिवार है और उन्होंने हमेशा

एक लायक बेटे की तरह इस क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि वह जब वे विधायक चुने गए तो उनका उद्देश्य था कि वह क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास कार्य करवाएं, लेकिन उसके बाद कोरोना महामारी ने पूरे देश को थाम दिया, जिसके चलते विकास कार्य भी रुक गए। इस महामारी के बाद उन्होंने जनता से किए अपने वायदे को पूरा करते हुए क्षेत्र की समस्याओं की मांग को पुरजोर तरीके से विधानसभा में उठाया और मुख्यमंत्री के आर्शीवाद से क्षेत्र में विकास के परियोजनाओं को मंजूरी दिलवाई। श्री रावत ने कहा कि चुनावों के दौरान क्षेत्र की जनता से उन्होंने विकास के जो वायदे किए थे, उन वायदों को वह धीरे-धीरे पूरा कर रहे हैं और उनका प्रयास है कि इस साल में वह पृथला क्षेत्र का अधिक से अधिक विकास करवाएं, ताकि अगली-पिछली सभी कसर पूरी हो जाए। इस मौके पर सरपंच बबली चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष चंदरपाल, टेकचंद डबास पूर्व सरपंच, किशोर पूर्व सरपंच, तेजू गोदारा ब्लॉक मेंबर मौजूद थे।

शिकायत देने आई महिला को बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म

थानेदार ने जानकारों के साथ खेतों में भेजा था

थानेदार समेत सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद/पलवल

महिला को बंधक बनाकर गैंगरेप कर अश्लील वीडियो बनाने और बेचने का मामला सामने आया है। महिला थाना पुलिस ने शिकायत पर थानेदार समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हसनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने दी शिकायत में कहा है कि उसका अपने पति से मनमुटाव हो गया था। जिसकी शिकायत देने वह 27 जुलाई को हसनपुर थाने पहुंची। वहां वहां थानेदार शिवचरण ने उसकी शिकायत लेने से इनकार कर दिया। थानेदार ने उसे जबरन बल्ली नामक व्यक्ति के साथ भेज दिया।

बल्ली उसे खेतों में बने कोठरे में ले गया, जहां पहले से निरंजन और भीम नामक व्यक्ति बैठे हुए थे। तीनों ने उसे जान से मारने की धमकी देकर गैंगरेप किया। उसकी अश्लील वीडियो बनाकर फोटो भी खींच लिए। वीडियो और फोटो को वायरल करने की धमकी देकर तीनों उसे पलवल शांति नामक महिला के घर ले गए, जहां रात भर रखा और नशीली दवाई देकर उसके साथ रात में रेप किया। जिसके बाद शांति और तीनों ने षडयंत्र के तहत उसे बिजेंद्र नामक व्यक्ति को बेच दिया। बिजेंद्र ने भी उसके साथ रेप किया और फिर अपने साले गजेंद्र के पास छोड़ आया। महिला का आरोप है कि गजेंद्र ने भी उसके साथ रेप किया। जिसके बाद थानेदार शिवचरण की मौजूदगी में उससे जबरन खाली कागजों पर हस्ताक्षर और अंगूठा करा लिए। जिसकी एवज में बिजेंद्र ने थानेदार को एक लाख रुपए दिए तो थानेदार ने कहा कि तुम्हारे खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने दूंगा और उसे वहीं बंधक बनाकर रखा। 30 अगस्त को उसने गजेंद्र के फोन से पुलिस, अपने पति और मां को घटना की सूचना दी। पुलिस गजेंद्र के घर आई और उसे थाने ले गई, थाने से पुलिस ने उसे उसके पति और मां के साथ भेज दिया। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर थानेदार शिवचरण, बल्ली, निरंजन, भीम, बिजेंद्र, शांति और गजेंद्र के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवती को ऑटो से अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद में रात को 24 वर्षीय युवती को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। वारदात के वक्त बल्लभगढ़ की रहने वाली युवती रात करीब 10 बजे ऑटो में बैठकर घर जा रही थी। इस बीच, ऑटो में चालक के अलावा दो और युवक आकर बैठ गए। इसके बाद तीनों युवक युवती को अगवा कर ग्रेटर फरीदाबाद ले गए और वहां ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। युवती शौच के बहाने जैसे-तैसे छूटकर वहां से भाग निकली। मामले में सेंट्रल थाने में दी गई शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश करते हुए दो आरोपी सनोज और विष्णु को वारदात के आठ घंटे बाद ही गिरफ्तार कर लिया।

नहाते समय नाबालिग की वीडियो बनाई, ब्लैकमेल कर सामूहिक दुष्कर्म

पलवल। नाबालिग को ब्लैकमेल कर नशीला पदार्थ खिलाकर गैंगरेप करने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपियों ने बाथरूम में नहाते समय नाबालिग का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया था। कैंप थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ गैंगरेप सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार, फरीदाबाद निवासी बीए प्रथम वर्ष की नाबालिग छात्रा ने दी शिकायत में कहा है कि उनके पड़ोस में रहने वाले कार्तिक नामक युवक के साथ पीड़िता की मां की दोस्ती है। उसके नाना बीमार चल रहे थे। 25 फरवरी को पीड़िता अपनी मां व कार्तिक के साथ अपने बीमार नाना को देखने के लिए पलवल आई थी। रात को सभी पलवल ही रुके थे।

इसी दौरान पीड़िता जब अपने नाना के घर बाथरूम में स्नान कर रही थी तो कार्तिक ने उसकी वीडियो बना ली। पीड़िता का आरोप है कि जब उसकी मां मार्केट गई थी और नाना दवाई लेकर सो गए तो कार्तिक ने उसे पकड़ लिया और जबरदस्ती करने लगा। उसने विरोध किया तो उसे उसकी नहाते हुई की वीडियो दिखाकर उसे वायरल करने की धमकी दी। जिसके डर से पीड़िता शांत हो गई। आरोपी ने उसके साथ जबरन रेप किया। पीड़िता ने अपनी बदनामी के डर से यह बात अपने माता-पिता को नहीं बताई। जिसके बाद 17 मार्च को कार्तिक ने ब्लैकमेल कर उसे अपने पीजी पर बुलाकर नशीला पदार्थ खिलाकर रेप किया। इसके बाद आरोपी कार्तिक ने उसे अपने कजन ओम के घर बुलाया। पीड़िता जब वहां पहुंची तो दोनों सूंघने वाला नशा कर रहे थे। वहां भी उन्होंने उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रेप किया।

पैसों के लेनदेन को लेकर की थी ज्वेलर की हत्या

जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर गला दबाया था

पलवल। हसनपुर थाना पुलिस ने 12 दिन पहले ज्वेलर की गला दबाकर हत्या करके सोना, चांदी व नकदी चोरी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि आरोपी का दूसरा साथी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। दोनों आरोपियों ने पैसे के लेनदेन को लेकर हत्या की थी। प्रेस वार्ता में इस खुलासा करते हुए डीएसपी ट्रेफिक पलवल संदीप मोर ने बताया कि गांव लीखी निवासी ललित कुमार ने पुलिस को शिकायत दी थी कि हसनपुर में जटोली गांव के रोड पर उसके पिता वेदप्रकाश ने ज्वेलरी की दुकान खोली हुई है। उसके पिता वेदप्रकाश रोजाना की तरह 24 अगस्त को भी घर से दुकान पर गए थे। लेकिन जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटे तो वह अपने छोटे भाई विश्वेंद्र के साथ दुकान पर गया और देखा की दुकान की शटर बाहर से बंद है और ताला लगा हुआ है। इसके बाद उन्होंने अपने चचेरे भाई कृष्ण व टेकचंद को फोन करके मौके पर बुला लिया। जब शटर के नीचे झांक कर देखा तो दुकान के अंदर उसे अपने पिता के पैर दिखाई दिए। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से दुकान के शटर का बाहर लगा ताला तोड़ा तो दुकान में उसके पिता के गले में फंदा लगा हुआ था और अलमारी के हुक से लटके हुए थे। पास जाकर देखा तो उनके पिता की मौत हो चुकी थी। ललित कुमार ने शिकायत में बताया है कि उनकी दुकान का सामान बिखरा पड़ा हुआ था। उसके पिता का फोन व बाइक भी गायब थी। दुकान से करीब 300 ग्राम सोना, साढ़े छह किलो चांदी व तिजोरी से कैश भी गायब था।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल भिजवा दिया। इस संबंध में कार्रवाई करते हुए हसनपुर थाना पुलिस ने लीखी चौक से गांव निवासी रविंद्र को गिरफ्तार किया। जब पुलिस ने रविंद्र से गहनता से पूछताछ की तो सारे मामले का खुलासा हुआ। पूछताछ के दौरान रविंद्र ने पुलिस को बताया कि गांव निवासी उसके दोस्त धीरज का वेदप्रकाश के साथ पैसों का लेनदेन था। 24 अगस्त को वो दोनों वेद प्रकाश से पैसे लेने के लिए उसकी दुकान पर गए और जब उसने पैसे न होने की बात कही तो उन्होंने पहले जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर वेदप्रकाश को पिला दिया। जब वह बेहोश हो गया तो बाद में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और दुकान में रखे हुए सोना, चांदी और कैश को लेकर मौके से फरार हो गए थे।

एनओसी की शर्त हटाने व कलेक्टर रेट दोगुना करने की मांग

केएमपी किसान यूनियन की बैठक आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

केएमपी किसान यूनियन के देखरेख में रतीपुर गांव में श्री राधा-कृष्ण मंदिर में पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता यूनियन के प्रधान भरत सहरावत ने की। पंचायत में सरकार से केएमपी एक्सप्रेस से दो किलोमीटर तक की सीएलयू व एनओसी लेने की अनिवार्यता को हटाने और 27 गांवों का कलेक्टर रेट दोगुना करने की मांग की गई।

इसके अलावा पंचायत में केएमपी से दोनों तरफ दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर मुंबई-बडोदरा एक्सप्रेस वे तक सर्विस रोड बनाने की मांग की। पंचायत में रखी गई सभी मांगों को सर्वसम्मति से पारित किया गया और मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने के लिए एक कमेटी का भी गठन किया गया। कमेटी में पंचायत में पहुंचे 30 गांवों के दो-दो गणमान्य नागरिकों को शामिल किया गया है। कमेटी हथीन से भाजपा के विधायक प्रवीण डागर से मिलकर आगामी रूपरेखा तैयार करेगी। किसान नेताओं ने कहा कि केएमपी के दोनों तरफ सर्विस लेन बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

आजादी के अमृत महोत्सव में मनाया जा रहा है पोषण माह

पोषण माह-2023 के तहत करवाई जा रहीं हैं विभिन्न गतिविधियां

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव की श्रृंखला में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिला में एक से 30 सितंबर 2023 तक छठा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। इस पोषण माह के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण शपथ करवाई गई। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने आंगनबाड़ी के लाभार्थियों से दूरभाष

के माध्यम से सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। वहीं स्वस्थ बाल स्पर्धा के तहत छह वर्ष तक के सभी बच्चों का वजन लिया गया एवं कुपोषित, कम वजन व नाटे बच्चों की पहचान की गई और सभी बच्चों का वजन व लंबाई का माप पोषण ट्रेकर में एंट्री किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर विजिट की और पोषण के महत्व के बारे में सभी को जागरूक किया। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में महिला गोष्ठी का आयोजन किया गया और अति कुपोषित बच्चों की माताओं को अपने बच्चे के पोषण के साथ-साथ देखभाल के बारे में परामर्श दिया गया।

इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्रों पर रेसिपी प्रतियोगिता, पौष्टिक थाली का भी आयोजन किया गया, जिसमें अपने क्षेत्र में उपलब्ध पोषक तत्वों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी नुपुर ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ-साथ अन्य सभी लाइन विभागों द्वारा पूरे सितंबर माह के दौरान कैलेंडर अनुसार विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

स्वास्थ्य जांच की उपयोगिता विषय पर व्याख्यान का आयोजन

पलवल। स्थानीय जीजीडीएसडी महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ एवं यौन उत्पीड़न विरोधी प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम एवं निवारक स्वास्थ्य जांच की उपयोगिता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्राचार्या प्रतिभा सिंगला की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में एकॉर्ड चिकित्सालय फरीदाबाद से डॉ. कोमल ने सुशोभित किया। महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. वनीता सपरा ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को महिला प्रकोष्ठ एवं यौन उत्पीड़न विरोधी प्रकोष्ठ के बारे में जानकारी दी तथा इन प्रकोष्ठ द्वारा करवाए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य वक्ता डॉ. कोमल ने छात्रों को अपने स्वास्थ्य की तरफ ध्यान देने को जागरुक करते हुए विभिन्न निवारक स्वास्थ्य जांच के बारे में अवगत कराया। उन्होंने छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के लिए निजी सफाई के महत्व की जानकारी भी दी। एकॉर्ड चिकित्सालय द्वारा महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं गैर शिक्षक वर्ग को प्रिविलेज कार्ड भी उपलब्ध करवाए गए। एकॉर्ड चिकित्सालय से रविंद्र ने छात्राओं को यह भी बताया कि महाविद्यालय का आई कार्ड प्रस्तुत करके वह भी एकॉर्ड चिकित्सालय से सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं। प्राचार्या प्रतिभा सिंगला ने छात्राओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।

रसूलपुर-पलवल रेलवे ऑवरब्रिज के प्रगति कार्य की रोजाना मॉनिटरिंग करें : गुर्जर

मंत्री ने अधिकारियों के साथ पलवल-रसूलपुर रेलवे पुल के प्रगति कार्य का लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रसूलपुर-पलवल रेलवे ऑवरबिज के प्रगति कार्य की डे-टू-डे मॉनीटरिंग की जाए। केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर सोमवार को जिला सचिवालय के सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधायक दीपक मंगला, विधायक जगदीश नायर, विधायक प्रवीण डागर, भाजपा जिलाध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, एडीसी साहिल गुप्ता, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितेंद्र कुमार सहित जिला प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट को पॉवर प्रेजेंटेशन स्लाइड फॉर्मेट के माध्यम से प्रस्तुत किया। कृष्णपाल गुर्जर ने विभागों की क्रमावार कार्य की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। बैठक के पश्चात मंत्री ने अधिकारियों के साथ पलवल-रसूलपुर रेलवे पुल के प्रगति कार्य का जायजा भी लिया।

उन्होंने दिशा की बैठक में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं, परियोजनाओं की समीक्षा के अलावा पलवल में किए जा रहे डवलपमेंट के कार्यों की भी समीक्षा की। श्री गुर्जर ने कहा कि विकास कार्यो में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पलवल जिले के प्रत्येक गांव को म्हारा गांव-जगमग गांव योजना से जोड़ा जाएगा। इस योजना के तहत गांवों में 24 घंटे बिजली की सप्लाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि पलवल-रसूलपुर रेलवे फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। पलवल-रसूलपुर रेलवे फ्लाईओवर के साथ-साथ रामगढ़ के स्टेडियम व हसनपुर के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह का कार्य 30 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि रजवाहों की साफ-सफाई तथा जल जीवन मिशन के तहत अब तक किए गए पूर्ण कार्य की फिजिकल वेरीफिकेशन करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाए। इसके साथ-साथ रिकॉर्ड के लिए इन कार्यों की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी भी की जाए। इन कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। हथीन क्षेत्र में बिजली की समस्या को दूर करने के लिए टेंडर किया जाए। आगामी ग्रीष्म ऋतु के आगमन से पूर्व ही बिजली संबंधी समस्याओं को दूर कर दिया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी न हो। श्री गुर्जर ने रसूलपुर फ्लाईओवर, जल जीवन मिशन, सिंचाई, रामगढ़ स्टेडियम, रेस्ट हाउस हसनपुर, रामपुर खोर सीएचसी, छांयसा पीएचसी, स्वच्छता के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, पलवल, होडल व हथीन के शहरी क्षेत्रों में बिजली के खंभों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती महिला महाविद्यालय में हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

पलवल। सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल की एनएसएस यूनिट द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय नशा मुक्ति अभियान, ड्रग एब्यूज, पर्यावरण सुरक्षा, प्लास्टिक मुक्त हरियाणा रहा। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्वयंसेविका को 500 रुपये का नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र, द्वितीय स्थान पर स्वयंसेविका का 300 रुपये का नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र, तृतीय स्थान पर स्वयंसेविका को 200 रुपये का नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र तथा तीन स्वयंसेविकाओं को 100-100 रुपये का सांत्वना पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल का कार्य मिथलेश गुप्ता, डॉ. प्रोमिला भारद्वाज तथा डॉ. आशा दहिया ने निभाया। इस कार्यक्रम की संयोजिका एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. रानी सांगवान रहीं तथा बबीता फौजदार भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वंदना त्यागी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

डीपीएस में जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया

पलवल। सोमवार को न्यू कॉलोनी स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत बच्चों ने तरह-तरह के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों व अध्यापिकाओं द्वारा श्री कृष्ण के अवतरण की कथा व उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। श्री कृष्ण भक्ति के भजन व उनकी लीलाओं का वर्णन झांकियों के माध्यम से दर्शाया गया। नन्हें बच्चों ने श्रीकृष्ण व राधा का रूप धारण कर, विद्यालय कृष्णमय बना दिया। कक्षा आठवीं के बच्चों ने भगवत गीता के श्लोकों का मंचन करके गीता उपदेश के महत्व को दर्शाया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रोफेसर वाइस चेयरमैन एसपी लाल एवं चेयरपर्सन रानी लाल ने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं व श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया। गीता का ज्ञान फल की इच्छा किए बिना कर्म की ओर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। विद्यालय की मुख्य अध्यापिका ममता गांधी ने बच्चों को अच्छे कर्म करते हुए कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया व जन्माष्टमी के पर्व की शुभकामनाएं दीं।

अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

पलवल। डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पलवल में प्राचार्य डॉ. बाबू लाल शर्मा के निर्देशन में जन-जन साक्षर योजना के तहत विद्यार्थियों के कौशल निर्माण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पिछले एक सितम्बर से लगातार प्रतिदिन विद्यार्थियों को कानूनी साक्षरता कोष्ठ के अंतर्गत विभिन्न कला कौशल व कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को साक्षरता के नए आयामों से अवगत कराया जा रहा है। डॉ. विकास भदौरिया, ट्रेनिंग व प्लेसमेंट अधिकारी विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय दूधौला, पलवल व इनके सहयोगी टीम ने सभी विद्यार्थियों को निजी क्षेत्र में उभरती हुई नौकरियों व कौशल शिक्षा से अवगत कराया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बाबू लाल शर्मा ने विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय दूधौला, पलवल से आई टीम का स्वागत किया व उन्हें इस कार्यशाला के सफल क्रियान्वयन हेतु बधाई दी और सभी विद्यार्थियों को निजी क्षेत्र में कौशल शिक्षा पर आधारित विभिन्न अवसरों से लाभ प्राप्त करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन डॉ. योगेश बैंसला व राजू ने किया। इस अवसर पर डॉ. सीएस वशिष्ठ, दिलबाग सिंह, अनिल चौहान, तरूण सैनी, डॉ. अनिता मिश्रा, डॉ. दीपिका छाबड़ा, डॉ. प्रखर, डॉ. संजीव कुमार, शेर सिंह व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

पार्क की दीवार को ढहाकर चोर ले उड़े लोहे की ग्रिल

फरीदाबाद। आरडब्ल्यूए ब्लॉक डी2/सेक्टर 10 के पार्क की दीवारों को ढहाकर चोर ने ग्रिलों चोरी करके ले गए। जिसकी सूचना सुबह लोगों ने आरडब्बलूए प्रधान जगजीत सिंह नैन, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह बीसला, वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ को दी। जब मौके पर जाकर देखा तो चोर पार्क की दीवार को गिराकर पार्क में लगी ग्रिल ले गए। पुलिस चौकी सेक्टर-11 में दरखास्त दे दी है। चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने आरडब्ल्यूए को भरोसा दिलाया और कहा कि चोरों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। वशिष्ठ ने कहा कि ब्लॉक डी-2 सेक्टर-10 की बैठक जल्द ही बुलाई जाएगी। जिसमें निर्णय लिया जाएगा कि चोरियों को कैसे रोका जाए, जिससे आगे चलकर कोई बड़ी घटना न हो। नैन ने कहा कि आरडब्ल्यूए पुलिस से मांग कि है कि ब्लॉक में पुलिस की गश्त और बढ़ाई जाए। जो लोग रात के अंधेरे में इधर-उधर घूमते हुए मिलें उनसे पूछताछ जरूरी की जाए। रात को घूमने वाले लोग ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

50 वर्षीय मरीज की जटिल स्पाइनल सर्जरी हुई

फरीदाबाद। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल फरीदाबाद के डॉक्टरों ने ग्रेड-2 स्पाइन ट्यूमर से पीड़ित एक 50-वर्षीय मरीज का सफल उपचार किया है। मरीज के इलाज के लिए जटिल इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोमॉनीटरिंग की मदद से जटिल सर्जरी को अंजाम दिया गया। डॉ. नीतिश अग्रवाल, कंसल्टेंट-न्यूरोसर्जरी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल फरीदाबाद के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने करीब पांच घंटे चली इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया। मरीज पिछले करीब चार महीनों से पैरों में कमजोरी की समस्या से जूझ रहा था और लगभग दो महीने पहले उनकी बायीं बाजू में भी अचानक कमजोरी महसूस होने लगी।

सूर्ययान आदित्य-एल1
शानदार उपलब्धि

सूर्ययान आदित्य-एल1 अंतरिक्ष शोध कार्यक्रम तथा इसरो की शानदार उपलब्धि है। अभी चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल साफ्ट लैंडिंग का उत्सव पूरा भी नहीं हुआ था कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो ने एक और सफलता प्राप्त कर ली। यह सफलता सूर्ययान का प्रक्षेपण है जो सूर्य का निकट से अध्ययन करेगा। हमारे सौर मंडल में सूर्य की तुलना में कोई अंतरिक्ष पिंड ज्यादा महत्वपूर्ण व रहस्यमय नहीं है। सूर्य ने अनादि काल से पूरी मानवजाति को अपनी ओर आकर्षित किया है। प्रत्येक संस्कृति ने इसका सम्मान किया है। भारत में जीवन और ऊर्जा देने वाले सूर्य के प्रति असीम श्रृद्धा की भावना व्याप्त है। अब इसरो ने अपने अभियान से सूर्य के रहस्यों की जानकारी कर भारतीय अंतरिक्ष शोध को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का निर्णय किया है। श्रीहरिकोटा से सूर्ययान आदित्य-एल1 का सफल प्रक्षेपण हमारे वैज्ञानिकों की दूरदर्शिता व प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हालांकि, चार महीने चलने वाला यह मिशन अभी शैशवावस्था में है, पर उम्मीद है कि यह अपने सारे लक्ष्य पूरे करेगा। निश्चित रूप से इसके माध्यम से भारत ने अंतरिक्ष खोज में अपनी स्थिति और मजबूत की है। सूर्ययान आदित्य-एल1 मिशन इस सितारे और उसकी संरचना का अध्ययन करेगा। यह अभूतपूर्व कदम है। भारत ने पिछले वर्षों में अंतरिक्ष शोध में उल्लेखनीय प्रगति की है, पर यह सौर मिशन देश की वैज्ञानिक यात्रा में मील के पत्थर की तरह है। इससे इसरो की प्रतिबद्धता प्रकट होती है कि वह ब्रह्मांड और अंतरिक्ष खोज की अपनी सीमाओं का लगातार विस्तार कर रहा है। सूर्य का व्यवहार, उसका चुंबकीय क्षेत्र, सौर ज्वालायें तथा धरती की जलवायु पर सौर विकिरणों का प्रभाव ऐसे क्षेत्र हैं जिनके बारे में व्यापक समझदारी जरूरी है। आदित्य-एल1 इन क्षेत्रों की व्यापक जानकारी के साथ ही सूर्य के अनेक अन्य रहस्यों का भी पता लगाएगा।

मिशन का एक प्रमुख लक्ष्य सूर्य मंडल या कोरोना की सबसे बाहरी पर्त का अध्ययन करना है। यह गंभीर वैज्ञानिक दिलचस्पी का विषय है क्योंकि यह सौर हवाओं के मामले में प्रमुख भूमिका निभाता है जो धरती के अंतरिक्ष परिवेश को प्रभावित कर सकती हैं। कोरोना के अध्ययन से आदित्य-एल1 का उद्देश्य हमारे तकनीकी ढांचों पर सौर गतिविधियों के प्रभाव का अनुमान लगाना व उसे कम करना है जिसमें उपग्रह व पावर ग्रिड शामिल हैं। इस मिशन से सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र में परिवर्तनों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त होगी। इससे हमें सौर चक्रों तथा धरती के जलवायु पैटर्नों पर उनके पड़ने वाले प्रभावों को समझने में सहायता मिलेगी। इस शोध से जलवायु परिवर्तन तथा सौर हलचलों से उसके संबंध का पता लगाने में सहायता मिल सकती है। आदित्य-एल1 की सफलता न केवल वैज्ञानिक उपलब्धि, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का विषय है। बहुत कम बजट के बावजूद इसरो के वैज्ञानिकों की अथक प्रतिबद्धता तथा संसाधनों के अधिकतम उपयोग से एक बार फिर विश्व मंच पर उनकी क्षमता प्रदर्शित की है। इस मिशन की सफलता असंदिग्ध रूप से अंतरिक्ष खोज के क्षेत्र में भारत का सम्मान बढ़ाएगी, बल्कि अंतरिक्ष मिशनों के विकास व उनके क्रियान्वयन में राष्ट्र की क्षमता प्रदर्शित करेगी। आदित्य-एल1 से अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। अंतरिक्ष की खोज एक वैश्विक पहल है और सूर्य के अध्ययन में भारत की सहभागिता अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों से सहयोग के प्रयास तेज करेगी। इसरो को इस असाधारण सफलता के लिए बधाई।

स्वदेशी उर्वरकों की खोज जरूरी

सरकार को उर्वरकों के स्वदेशी स्रोतों व कच्चे माल की खोज को बढ़ावा देना चाहिए ताकि आयात पर भारत की जोखिम कम हो सके। इससे उर्वरक निर्माताओं व किसानों, दोनों को लाभ होगा।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

हाल ही में समाप्त संसद के मानसून सत्र में दो कानूनों- द माइन्स एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेग्युलेशन अमेंडमेंट एक्ट, 2023 तथा आफशोर मिनरल डेवलपमेंट एंड रेग्युलेशन एक्ट, 2023 भारतीय उर्वरक क्षेत्र के लिए शुभ संकेत है। पहले कानून ने भारत में महत्वपूर्ण खनिज पोटाश, लीथियम व ग्रेफाइट के खोज व प्रसंस्करण का रास्ता खोला है। इसके साथ दूसरे कानून ने आफशोर खनिजों के 50 साल उत्पादन पट्टे का प्राविधान किया है। अनाजों व अन्य कृषि उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने में पोटाश या 'के' तथा इसके साथ ही नाइट्रोजन या 'एन' व फास्फेट या 'पी' की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनकी जरूरत 'पूरी तरह' आयात से पूरी होती है क्योंकि भारत में इसके संसाधन नहीं हैं। इनको अधिकांशत: बेलारूस, कनाडा, रूस, इस्राइल व जार्डन से मंगाया जाता है। इसका कारण यह है कि अतीत में हमारे नीति-निर्माताओं ने कभी स्वदेशी खोज प्रयासों को बढ़ावा नहीं दिया। इसके साथ ही भारत में उर्वरक उद्योग ऐसी परिस्थितियों में काम करता है जो कंपनियों को नए विचार प्रोत्साहित करने से रोकता है, जबकि इनसे वे संसाधनों की कमी तथा उनके अधिकतम उपयोग को बढ़ावा दे सकते हैं।

इसके साथ ही अनेक सरकारें उर्वरकों की कीमतें कम रखने पर दृढ़ रही हैं, भले ही इसके लिए चाहे जो कुछ करना पड़े। लगभग पांच दशकों से उन्होंने सभी प्रकार के उर्वरकों को न्यूनतम खुदरा मूल्य-एमआरपी पर देने का वादा किया जिसका उत्पादन व वितरण खर्च से कोई संबंध नहीं था। यदि किसी निर्माता या आयातक से सरकार कहे कि वह एमआरपी पर उर्वरक सप्लाई करे और उसे अतिरिक्त खर्च का मुआवजा देने का वादा न करे तो वह ऐसा नहीं करेगा। इसलिए सरकार उत्पादकों व आयातकों को सब्सिडी देने का वादा करती है। इसके कारण सब्सिडी खर्च में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है और वह सब्सिडी योजना लागू करने के समय 1970 के दशक में कुछ हजार करोड़ से बढ़ कर 2022-23 में 255,000 करोड़ रुपये हो गया। उर्वरकों के उत्पादन और उपभोग में वृद्धि का कारण इसकी कीमतें बढ़ना है जिससे आयात पर भारी खर्च होता है। 2021-22 में भारत के कुल आयातित उर्वरक तथा घरेलू उत्पादन का मूल्य 24.3 बिलियन डालर या 200,000 करोड़ रुपये था। शुरुआती चरणों में इस दृष्टिकोण को सही कहा जा सकता था क्योंकि भारत को उर्वरकों का प्रयोग बढ़ाना था ताकि उसकी खाद्य सुरक्षा का लक्ष्य पूरा हो सके। इसके अलावा इनका घरेलू उत्पादन बहुत कम था। लेकिन अब उर्वरकों के प्रयोग में काफी वृद्धि हुई है तथा यूरिया का आवश्यकता से अधिक उपभोग हो रहा है। इसके अलावा घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन क्षमतायें बढ़ा सकता है।

ऐसे में इस दृष्टिकोण का कोई औचित्य नहीं है, पर सरकार इसी रास्ते पर चल कर गलत संकेत दे रही है। किसान जानते हैं कि उनको सस्ती कीमत पर उर्वरक मिलता रहेगा, इसलिए वे इसके उचित उपयोग की चिन्ता नहीं करते हैं। निर्माता व आयातक जानते हैं कि उनको उर्वरक सप्लाई पर होने वाले अधिक खर्च की प्रतिपूर्ति होती रहेगी, इसलिए उनको भी इनकी कीमतें बढ़ने की चिन्ता नहीं है। वैश्विक सप्लायर भी जानते हैं कि उनको अधिक कीमत मिल सकती है क्योंकि केन्द्र सरकार इसका विरोध करने की स्थिति में नहीं है। इसके साथ ही, भारत के क्षेत्र में सस्ते कच्चे माल के संसाधन तलाशने के लिए कोई प्रोत्साहन भी नहीं है। जब केन्द्र आयात के लिए 'कोई भी कीमत' अदा करने की इच्छुक हो और यह सारा पैसा करदाताओं से वसूला जाना हो तो सप्लायर और किसान, दोनों परिणामों की चिन्ता नहीं करते हैं। ऐसे में भला कोई उर्वरकों को भारत के क्षेत्र में तलाशने का प्रयास क्यों करेगा?

एक और नीतिगत कमी की ओर संकेत करना जरूरी है। 1991 के पहले भारत एक बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। ऐसे में सभी उर्वरकों के प्रति समान व्यवहार किया गया और सप्लायरों को 'विशिष्ट फर्म' के आधार पर सब्सिडी मिलती रही। 1991 में आईएमएफ-विश्व बैंक की सहायता मांगने पर उन्होंने तीन साल के भीतर उर्वरक सब्सिडी समाप्त करने की शर्त लगाई जो सुधार की एक शर्त थी।

तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने 'पी' और 'के' पर सब्सिडी हटाने के लिए उनको गैर-यूरिया उर्वरकों के रूप में परिभाषित किया, जबकि यूरिया पर नियंत्रण व सब्सिडी बनी रही। इन निर्णयों को 25 अगस्त, 1992 से लागू किया गया। लेकिन एक महीने के भीतर ही 1 अक्टूबर, 1992 से इन पर सब्सिडी बहाल कर दी गई। नई व्यवस्था में सभी गैर-यूरिया उर्वरक सप्लायरों को एक 'समान' सब्सिडी दी गई, जबकि यूरिया पर 'विशिष्ट फर्म' आधारित सब्सिडी बनी रही। वर्तमान समय में सभी उर्वरकों को सब्सिडी मिलती है, लेकिन यूरिया पर नियंत्रण सभी राजनीतिक पार्टियों को पसंद आया है, जबकि गैर-यूरिया उर्वरकों को इसके कारण अधिकांश समय तक घाटा उठाना पड़ा है। इसका कारण 1992 के बाद लागू वि-नियंत्रण है। जहां सब्सिडी बढ़ाने से यूरिया का एमआरपी नहीं बढ़ रहा है, वहीं सरकार आमतौर से गैर-यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाने की इच्छुक नहीं होती है। इसके कारण गैर-यूरिया उर्वरकों की कीमतें काफी बढ़ी हैं।

इसके साथ ही गैर-यूरिया उर्वरकों के प्रति अन्य क्षेत्रों में भी सौतेला व्यवहार किया जाता है। उदाहरणार्थ, उनको केवल फैक्ट्री-बंदरगाह से रेलवे तक भाड़े का खर्च मिलता है, जबकि यूरिया के मामले में खुदरा बिक्री बिंदु तक सारे भाड़े का खर्च वहन किया जाता है। इसके कारण उर्वरकों के प्रयोग में असंतुलन आया है। इस प्रकार 'पी' और 'के' की तुलना में 'एन' का उपयोग बहुत बढ़ गया है। वर्तमान समय में एनपीके प्रयोग 6.7:2.4:1 है, जबकि इसे 4:2:1 होना चाहिए। इसके कारण फसल की उत्पादकता घटती है, मृदा स्वास्थ्य खराब होता है तथा पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

ऐसे में सवाल उठता है कि 'पी' और 'के' उर्वरक निर्माता इस नीति का विरोध कर रणनीतियों की समीक्षा के लिए क्यों नहीं कहते हैं? ऐसा सरकार द्वारा हस्तक्षेप करने तक नहीं होगा। यदि कोई सप्लायर कम खर्च पर एमओपी लाता है तो सरकार सब्सिडी घटा देगी जिससे उसे कोई प्रोत्साहन नहीं मिलेगा। इसके साथ ही मोदी सरकार ने 2021-22 से गैर-यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी काफी बढ़ा दी है ताकि यूक्रेन युद्ध के कारण अत्यधिक बढ़ी उनकी कीमतों को संतुलित किया जा सके। यूरिया के मामले में भी यही स्थिति है। इन कारणों से 2022-23 में कुल सब्सिडी 255,000 करोड़ थी जिसमें से 86,000 करोड़ इन उर्वरकों पर खर्च किया गया। इसके कारण सभी पक्षों में एक प्रकार की लापरवाही पैदा हुई है। उपरोक्त कानूनों के कारण पोटाश भंडारों में आकर्षक निवेश की संभावनायें बनी हैं।

इससे प्रमुख वैश्विक उर्वरक कंपनियां भी निवेश के लिए आकर्षित हो सकती हैं। खासकर राजस्थान में व्यापक निवेश की संभावना है जहां राक फास्फेट मिलने की अच्छी संभावना है। यह 'पी' पोषक के लिए कच्चा माल है जिस पर भारत की आयात निर्भरता 80-90 प्रतिशत है। इसके साथ ही समुद्र के नीचे भी खोज को प्रोत्साहन मिल सकता है। सरकार को उर्वरकों के कच्चे माल की सप्लाई के लिए स्वदेशी स्रोतों का पता लगाना चाहिए। इससे आयातों पर संपूर्ण निर्भरता के कारण भारत का जोखिम कम होगा। रूस और बेलारूस पोटाश आयातों का 50 प्रतिशत पूरा करते हैं और यूक्रेन युद्ध के कारण जोखिम बढ़ गया है। सरकार को उर्वरकों के लिए वर्तमान परिस्थितिकी में सुधार के लिए वर्तमान नियंत्रणों को हटा कर सप्लायरों को मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता देने के साथ ही किसानों को सीधे सब्सिडी देनी चाहिए। किसान इस पैसे का समुचित उपयोग कर उर्वरकों का दुरुपयोग रोकने का काम कर सकते हैं जो वर्तमान व्यवस्था में बहुत व्यापक हो गया है। इससे खनन में लगी फर्मों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मानव मस्तिष्क का रहस्य

मन अतीत और भविष्य के बीच झूलता रहता है और शायद ही कभी वर्तमान क्षण में रहता है

रवि वल्लूरी
(लेखक, भारतीय रेलवे से संबद्ध हैं)

तारीख है 8 जनवरी, रविवार. मौसम सुहावना था और शानदार भोजन के बाद, मैंने गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के योग निद्रा ध्यान को चालू किया और दोपहर की बहुत जरूरी नींद में चला गया।

मुझे इस बात का जरा भी अहसास नहीं था कि मैं न तो स्तब्धता या शोक की स्थिति में था, न ही शानदार भोजन के बाद मौज-मस्ती कर रहा था, बल्कि गहरे आराम की स्थिति में था। इसके तुरंत बाद मैं अपनी पुस्तक, द मैटर ऑफ द माइंड पर एक साक्षात्कार के लिए ऑल इंडिया रेडियो, रेनबो एफएम, हैदराबाद पर एक रेडियो शो के लिए रवाना हुआ। साक्षात्कार को जोरदार तालियाँ और प्रशंसा मिली। एक दोस्त ने व्हाट्सएप पर मैसेज किया, लगे रहो, मुन्ना भाई। जब मैं बधाई संदेशों के माध्यम से सर्फ कर रहा था, तो मेरा दिमाग फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई के एक किरदार पर केंद्रित हो गया।

वह किरदार खुराना था, जिसने एक भविष्यवक्ता की सलाह पर अपनी उंगलियों में कई अंगूठियां पहनी थीं; और जीवन में बाधाओं को दूर करने और ग्रहों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के लिए सरल खुराना उपनाम खुखुराना बन गया। उसके पास सतर्क या मजबूत दिमाग नहीं था। जब तक मन में इच्छाएं व्याप्त रहती हैं, तब तक उसे पूर्ण विश्राम या शांति का अनुभव नहीं हो सकता। भगवद गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, जब तक आप अपने अंदर की इच्छाओं या लालसाओं को नहीं छोड़ देते, तब तक आप योग में नहीं उतर सकते।

मन के 7सी के सिद्धांतों को लागू करके एक अटूट और निडर मन नकारात्मक भावनाओं और भावनाओं पर काबू पा सकता है। ये हैं मन को प्रशिक्षित करना, उसका चरित्र-चित्रण करना, मन में चेतना, प्रतिबद्धता और स्थिरता के साथ संचार करना, मन को शांत करना, इसके अलावा संक्रामक सकारात्मक ऊर्जा और आभा को बढ़ाना।

बाइबिल में एक कहावत है कि यदि हम प्रचुर मात्रा में धन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो यह बढ़ जाता है, हालांकि, यदि मन नकारात्मकता की ओर समय लगाता है, तो प्रकृति हाथ की सफाई से वह सब छीन लेती है जो प्रदान किया गया था और हम अभाव की स्थिति में हैं। यह और कुछ नहीं बल्कि कृतज्ञता के नियम का रहस्य है। मानव मन लगातार अतीत और भविष्य के बीच झूलता रहता है और शायद ही कभी वर्तमान क्षण में होता है। यह मन का आंतरिक चरित्र या चित्त है। हमेशा, मन आत्म-ग्लानि की ओर आकर्षित होता है और जीवन में पिछली घटनाओं की ओर बढ़ता है। जब यह स्वयं को भविष्य में स्थानांतरित कर लेता है तो यह चिड़चिड़ापन से घिर जाता है और चिंतित हो जाता है।

अब वर्तमान में बने रहने, अपनी चेतना को उन्नत करने के विभिन्न तरीके हैं। व्यक्ति अपने प्राण के स्तर को बढ़ाने के लिए लंबी सैर पर जा सकते हैं और प्रकृति के साथ संवाद कर सकते हैं, ट्रेडमिल पर पैर चला सकते हैं या व्यायाम करके पसीना बहा सकते हैं, प्रेरणादायक साहित्य पढ़ सकते हैं और सकारात्मक विचारों वाले लोगों की संगति में रह सकते हैं।

चीनी सैन्य रणनीतिकार सुन त्जु ने लिखा, शांति में युद्ध के लिए तैयार रहें, युद्ध में शांति के लिए तैयार रहें। युद्ध की कला राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शारीरिक रूप से फिट रहने के बजाय हम अस्थायी रूप से व्यायाम करते हैं, केवल तभी व्यायाम करते हैं जब हमारा वजन बढ़ता है, छात्र पढ़ाई में देरी करते हैं। सूची अंतहीन है और अंतिम विश्लेषण में, हम जीवन की बैलेंस शीट में देनदारियों को जोड़ते हैं।

परिवर्तन अपरिहार्य है, सब कुछ क्षणभंगुर है, और विचारधाराएं या विचार प्रक्रियाएं बदलती रहती हैं। हालांकि, परिवर्तन के महासागर मंथन में यह सर्वोपरि है कि मन जीवन के कुछ पहलुओं को सुसंगत बनाए रखता है। निर्भीक आकांक्षाओं और लालसा के इस युग में, ये सकारात्मक गुण हैं जैसे प्रकृति के प्रति आभारी होना या धन्यवाद का एक शब्द कहना, अनिवार्य रूप से अच्छे इंसान बने रहना। यदि हम पहले 6सी का धार्मिक अभ्यास करके मन की कला को मजबूत करने, उत्साह के साथ धूप और चमक को देखने के लिए खुद को प्रशिक्षित करते हैं, तो यह स्वचालित रूप से संक्रामक सकारात्मकता से भर जाएगा, जिससे अनुकूल और शुद्ध ऊर्जा की आभा पैदा होगी, जो चुंबकीय गुणों को ग्रहण करती है।

आप की बात

शिक्षक दिवस

प्रत्येक वर्ष की तरह आज भी देशभर में शिक्षक दिवस बड़े जोरशोर से मनाया जा रहा है। बहुत सी नीतिगत बातें स्कूलों में होंगी। हमारे कर्णधार भी भाषण-उपदेश देंगे। लेकिन सभी को मालूम है कि शिक्षक की वास्तविक स्थिति कैसी है। उनपर शिक्षा के अतिरिक्त अनेक तरह के कार्यभार डाल रहें हैं जो बारह महीने चलते ही रहते हैं। कभी मतदाता सूची बनाने तो कभी मतदान करने सम्बन्धी कभी जनगणना के लिए तो कभी कोई और चुनावी तैयारियों के लिए। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों के साथ शिक्षकों को अनेक कामों में लगा दिया जाता है। ऐसे में सवाल है कि शिक्षक बच्चों को बेहतर शिक्षा देने हेतु समय कैसे निकाल पायेगा। स्कूल में भी उसे बच्चों के पढ़ाने के अलावा अनेक अन्य काम करने पड़ते हैं। अत: शिक्षक दिवस पर शिक्षकों से अनावश्यक बोझ हटाने तथा समाज में उनका खोया हुआ सम्मान वापस दिलाने पर सबको बहुत गंभीरता पूर्वक विचार करना चाहिए। शिक्षकों पर थोपे गए तरह-तरह के इंस्पेक्टर राज को समाप्त करना भी जरूरी है। जब अंग्रेजी विरासत की तमाम चीजें समाप्त की जा रही हैं तब शिक्षक को भी अपने विभाग के नौकरशाहों व अधिकारियों की गुलामी से मुक्ति मिलनी ही चाहिए।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

उदयनिधि का बयान

उदयनिधि स्टालिन का बयान आजकल चर्चा में है। पेरियार से लेकर उदयनिधी स्टालिन तक अनेकों लोग सनातन धर्म के कट्टर विरोधी रहे हैं वे सनातन, सनातन के वेदों, पुराणों से लेकर रामायण व महाभारत तक सबको काल्पनिक कहानियाँ कहते बताते रहे हैं। वे रामायण महाभारत को काल्पनिक बताकर दलित समाज से सनातन धर्म का परित्याग करने को कहते रहे हैं। आश्चर्य है कि ऐसे लोगों की अमर्यादित भाषा पर दलित समाज के कुछ युवा भी बहुत खुश होते हैं। इस प्रकार वे रामायण व महाभारत को काल्पनिक मानने वाले आदिगुरु वाल्मीकि व मध्यकाल के महान संत श्री गुरु रविदास जी को अपमानित कर रहे होते हैं। रविदास की इन पंक्तियों पर गौर करना चाहिए- मैं नहिं दब्बू बाल गँवारा, गंग त्याग गहूँ ताल किनारा। प्राण तजूँ पर धर्म न देऊँ, तुमसे शाह सत्य कह देऊँ। चोटी शिखा कबहुँ नहिं त्यागूँ, वस्त्र समेत देह भल त्यागूँ। कंठ कृपाण का करौ प्रहारा, चाहे डुबावो सिन्धु मंझारा। भारतवर्ष में किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना कभी मुख्यधारा का हिस्सा नहीं हो सकता है। परंपराओं या विकृतियों की आलोचना सभ्य तरीके से ही संभव है।

– **परमवीर केसरी,** मेरठ

निशाचरी प्रवृत्ति

आजकल का युवा वर्ग निशाचर होता जा रहा है। वह देर रात तक जागता है और फिर दिन चढे तक सोता है। यह प्रवृत्ति पश्चिमी देशों से शुरू होकर भारत समेत पूरे विश्व में फैल गई है। सुबह जल्द उठना, फिर सैर पर निकलना, योगा करना, एक्सरसाइज करना सबके लिए पर्याप्त समय होता है। इससे दिन की शुरुआत व्यवस्थित होती है तो पूरा दिन व्यवस्थित रहता है। मगर स्मार्टफोन व वीडियो गेम जैसे मनोरंजन के संसाधनों ने आदमी की व्यस्तता बढ़ा दी है। वह इन्हीं में उलझा रहता है। कब आधी रात हो गई पता ही नहीं चलता और जब सुबह देर से जगता है तो सुबह के सुहाने प्राकृतिक नजारे, ताजी हवा के झौंके, चहकते हुए पक्षी और न जाने क्या-क्या उससे छूट जाता है। आज के समय में किसी के पास समय नहीं है और उसके पास समय न होने की सबसे बड़ी वजह सुबह देर तक सोना है। स्वस्थ मनुष्य के लिए 8 घंटे की नींद आवश्यक है। इससे वह इस संसार में रहते हुए भी किसी और परम सत्ता से जुड़ सकता है। जितनी गहरी नींद होगी सुबह उठने पर उतनी ही ताजगी महसूस होगी। यथासंभव निशाचरी वृत्ति का त्याग उचित है।

–**सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

एकसाथ चुनाव

एक देश एक चुनाव की संभावना पर विचार करना उचित है। प्राचीनतम लोकतंत्र वाले हमारे देश में चुनावों का एक समय था, लेकिन ऐसा वर्तमान समय में क्यों नहीं है। एक देश, एक चुनाव का यह प्रस्ताव देश के लोकतंत्र के एक नए चरण का सुझाव हो सकता है। इसके बावजूद इस परियोजना को कैसे पूरा किया जाएगा और इसके राजनीतिक व सामाजिक पहलू क्या होंगे? इसके बारे में साहसी सोच और सही योजना की जरूरत है। यह सही है कि हमारे देश में चुनावों का स्तर बहुत व्यापक होता है। ऐसे में पूरे देश में एकसाथ लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव कराना आसान नहीं है। इस प्रस्ताव को जनता के साथ साझा करने की जरूरत है ताकि जनता इस पर व्यापक रूप से विचार कर सके। राजनीतिक दलों को भी इस पर निष्पक्ष होकर विचार करना चाहिए। आखिरकार जब देश में 1967 तक सभी चुनाव एकसाथ होते थे तो अब क्यों नहीं हो सकते हैं, जबकि पहले की तुलना में आज व्यवस्थायें व तकनीक कई गुना बेहतर हो गई हैं तथा हमारा अनुभव बढ़ा है।

–**अवनीश कुमार गुप्ता,** आजमगढ़

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

सुरक्षा, सुशासन व विकास के मार्ग के बैरियर हैं माफियाः मुख्यमंत्री

● सीएम योगी ने अल्पसंख्यक व प्राविधिक शिक्षा विभाग के लिए कनिष्ठ सहायक व कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर कुल 240 अभ्यर्थियों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि हमारी मंशा व संवेदना गरीब, निराश्रित, वंचित, दलित और अति पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ है। पिछली सरकारों से विपरीत, हमारी संवेदना माफिया और किसी अपराधी के साथ नहीं हो सकती हैं क्योंकि वह सुरक्षा, सुशासन और विकास के मार्ग के बैरियर हैं। सरकार की कार्यप्रणाली स्पष्ट है, वह इन बैरियर्स को हटाती है मगर गरीबों को अपनी संवेदना का पात्र बनाती है। गरीबों की सेवा ही सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री सोमवार को लोकभवन सभागार में अल्पसंख्यक तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग के लिए कनिष्ठ सहायक व कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर नवचयनित कुल 240 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि माफिया व अपराध तंत्र पर नकेल कसने, भ्रष्टाचार मुक्त सुरक्षित व निष्पक्ष समाज की स्थापना पर प्रदेश सरकार का फोकस है जिससे गरीबों को बिना किसी भेदभाव के उनका हक और सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

मिशन रोजगार के अंतर्गत मानव संपदा पोर्टल से अल्पसंख्यक व प्रावधिक शिक्षा में 240 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते सीएम योगी के प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अभियर्थियों व उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को मिशन रोजगार के जरिए शासकीय सेवाओं के अतंर्गत निष्पक्ष व मानव हस्तक्षेप रहित प्रस्त्रि5या अपनाकर नियुक्ति दी जा रही है। पिछले 6 वर्षों में पीएम मोदी के विजन के अंतर्गत प्रदेश ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। जजेस की नियुक्ति को लेकर 6 महीने में हमने कर दिखाया। 60 जनपदों से अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। अब एक क्षेत्र नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लोगों को मंच मिल रहा है। प्रदेश सरकार की हर प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ रही है। कौन कहां नियुक्त होकर जाएगा यह न किसी मंत्री और न ही किसी सचिव को पता होता है।

सीएम योगी ने कहा कि कंप्यूटर सहायकों की भी एक बड़ी भूमिका होती है। आज लोगों की धारणाएं उत्तर प्रदेश के लिए बदली हैं। फाइलें अब लटकती नहीं हैं। आज प्रदेश ने सुरक्षा और ईज ऑफ लिविंग व ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लक्ष्यों को प्राप्त किया है। केंद्र की परियोजनाओं को हमने धरातल पर उतारा है। अब तीन दिन में फाइल फाइनल होनी चाहिए। अपने सीनियर्स से कंसल्ट करें, पेंडेंसी नहीं करें क्योंकि पेंडेंसी भ्रष्टाचार से जोड़ता है। आज जब भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया गया तब आप जैसे प्रतिभाशाली लोगों को स्थान मिल पाया है। अन्यथा 2017 के पहले यह सपना था। इससे पहले एक नियुक्ति के पीछे उच्च पदस्त नियुक्ति में लग जाते थे। ऐसे लोग नियुक्त हो जाते थे जिन्हें कंप्यूटर के बारे में कुछ आता नहीं थाए अकाउंटेंसी नहीं आती थी तो फाइल कैसे बढ़ती। सीएम ने कहा कि अब जब कोई आपसे पूछेगा कि आपकी नियुक्ति कब हुई तो आप कहेंगे कि 2023 में जब देश आजादी के अमृतकाल में प्रवेश किया था। आपके सामने अब 25 वर्षों की कार्य योजना होनी चाहिए।

सीएम योगी ने सरकार की कार्यप्रणाली के बारे में कहा कि सरकार की निगाह एक हैए कोई भेद नहीं है और वह है सबका साथ और सबका विकास। आप भी उसी विजन का हिस्सा बन रहे हैं। आपने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट पास किया होगाए तब 37 लाख लोगों ने परीक्षा दी थी। इसमें से गुजरकर आपने स्थान बनाया है जो हर्ष और बधाई का पात्र है। आप में से कोई नहीं कह सकता कि मेरा चयन किसी फेवर के आधार पर हुआ है। इसमें रिटायर्ड आर्मी सर्विसमैन से लेकर अल्पसंख्यकए दलितए पिछड़े व निराश्रितों समेत सभी को लाभ मिला है।

एटीएस ने किया अवैध टेलीफोन एक्सचेंज का पर्दाफाश, आधा दर्जन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालित करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के आधा दर्जन सदस्यों को एटीएस ने आजमगढ़ एवं मिर्जापुर से गिरफ्तार किया है। एटीएस के मुताबिक गिरोह के सदस्य आजमगढ़ एवं मिर्जापुर में अवैध टेलीफोन एक्सचेंज एवं वर्चुअल नम्बरों के माध्यम से इंटरनेशनल गेटवे को बाईपास कराकर विभिन्न देशों से अन्तरराष्ट्रीय कॉल्स कराकर न सिर्फ राजस्व की हानि पहुंचा रहे थे बल्कि देश के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रहे थे। छानबीन कर रही एटीएस की टीम को जानकारी प्राप्त हुई कि आजमगढ़ एवं मीरजापुर में अवैध टेलीफोन एक्सचेंज एवं वर्चुअल नम्बरों के माध्यम से इंटरनेशनल गेटवे को बाईपास कराकर विभिन्न देशों से अन्तरराष्ट्रीय कॉल्स कराई जा रही हैं, जिससे कॉलर की पहचान नहीं हो पाती एवं राजस्व की हानि भी होती है। एटीएस फील्ड इकाई वाराणसी, प्रयागराज एवं आजमगढ़ द्वारा जनपद मिर्जापुर के कोतवाली, जनपद आजमगढ़ के कोतवाली, सरायमीर, निजामाबाद व सिधारी थाना क्षेत्रों में पुलिस के सहयोग से दबिश देकर 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों नदीम अहमद, दीवान बसर खां, शमीम, कलीम अहमद, फारूख करीम निवासीगण आजमगढ़ और मुन्ना कुरैशी उर्फ आसिफ निवासी मिर्जापुर शामिल हैं।

अभियुक्तों द्वारा सिम बॉक्स के माध्यम से अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालित किया जा रहा था। ऐसे अवैध टेलीफोन एक्सचेंज द्वारा होने वाली कॉल्स इंटरनेशनल गेटवे को बाईपास करते हुए इंटरनेट के माध्यम से सिम बॉक्स में आती है, जहां पर अन्तरराष्ट्रीय कॉलर की पहचान नहीं हो पाती है। अभियुक्त नदीम पूर्व में भी अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालन में मऊ आईमा, प्रयागराज में गिरफ्तार हो चुका है। मुन्ना कुरैशी और फारूख करीम द्वारा भारत में प्रतिबंधित एप्लीकेशन्स को वीपीएन के माध्यम से अपने मोबाइल पर डाउनलोड किया जाता है। तत्पश्चात् भारतीय मोबाइल से वर्चुअल नम्बर जनरेट करते हैं। इन वर्चुअल नम्बरों के माध्यम से इंटरनेट के द्वारा अपने मोबाइल को नोड बनाकर अन्तर्राष्ट्रीय कॉल्स कराने की सेवा उपलब्ध करायी जाती है। इस प्रकार की गई अन्तरराष्ट्रीय कॉल किसी भी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर के गेटवे पर दर्ज नहीं होती है, जिससे कॉलर व कॉल्ड पार्टी की पहचान नहीं हो सकती है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। गिरफ्तार अभियुक्तगणों के पास टेक्नीकल योग्यता न होने के बावजूद भी, सभी तकनीकी रूप से टेलीफोन एक्सचेंज चलाने एवं वीपीएन के माध्यम से वर्चुअल नंबर बनाकर इंटरनेट कॉलिंग कराने में सक्षम हैं।

राष्ट्रपति से कराया जाना चाहिए भगवान श्रीराम के मंदिर का उद्घाटनः प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सासंद प्रमोद तिवारी ने अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर के उद्घाटन के कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी मंदिर का उद्घाटन सनातन धर्म की आस्था तथा विश्वास से जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर से हिन्दू समुदाय की पवित्र आस्था जुडी हुई है। अत: वहां भगवान श्रीराम के मंदिर का उद्घाटन भी सनातन धर्म की परम्परा के अनुसार वैदिक रीति रिवाज से शुद्ध वातावरण में किया जाना चाहिए।

तिवारी ने कहा है कि वैदिक परम्पराओं के अनुसार मंदिर के उद्घाटन के कार्यक्रम का सम्पूर्ण दारोमदार वहां पूजा करने वाले पुजारियों, पंडितों और ब्राह्मणों पर छोड़ा जाना चाहिए। वैदिक परम्परा के तहत होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में कोई भी शामिल हो यह विषय नहीं है। श्रीराम मंदिर का उद्घाटन किसी राजनैतिक दल के नेता से कराने पर सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में गलत इसका संदेश जाएगा।

तिवारी ने कहा कि यदि मंदिर के उद्घाटन के कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिया जाता है तो इसका उद्घाटन देश की राष्ट्रपति द्वारा कराया जाना चाहिए। उन्होनें उदाहरण देते हुए कहा कि सोमनाथ के भव्य मंदिर का भी उद्घाटन वर्ष 1951 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से कराया गया था, यही परम्परा अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम का भी सर्वमान्य स्वरूप जनता के सामने ले आएगा।

तिवारी ने भाजपा के प्रधानमंत्री को श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रण पर स्पष्ट रूप से कहा कि भाजपा शुरू से ही धर्म का राजनैतिक लाभ लेने के लिए दुरूपयोग करती आ रही है। उन्होंने केन्द्र सरकार के वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर गठित सरकारी कमेटी से लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी के अलग होने के निर्णय को सही ठहराते हुए कहा कि इस कमेटी का जो स्वरूप सामने आया है वह लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने वाला है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि दरअसल वन नेशन वन इलेक्शन की उसकी सोच चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की तरह वन पार्टी वन लीडर वन नेशन की देश पर तानाशाही थोपने का एक और घातक प्रयास है।

राज्यपाल ने शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों को बधाई दी

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 5 सितंबर को देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पूरे भारत में मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस की सभी शिक्षकों को बधाई दी। अपने संदेश में उन्होंने भारत में गुरु.शिष्य परंपरा को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थी को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अध्यापक का मार्गदर्शन बहुत जरूरी है।

डेंगू के ग्यारह नये रोगी मिले

लखनऊ। लखनऊ में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। सोमवार को राजधानी में डेंगू के 11 नये मरीज मिले हैं। इन मरीजों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदर नगर में 1, सरोजनी नगर में 2, इंदिरा नगर में 2, चिनहट में 1, अलीगंज में 3, काकोरी में 1 एवं टूडियागंज में 1 डेगू का मरीज शामिल है।

यूपी के एजुकेशन सिस्टम को देश में नंबर वन बनाने का लक्ष्य

● 2023-24 में शिक्षा पर 83 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी प्रदेश सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था को देश में नंबर एक बनाने को लेकर योगी सरकार ने बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। नीति आयोग द्वारा जारी स्कूल एजुकेशन क्वालिटी इंडेक्स (एसईक्यूआई) और परफ ॉर्मेंस ग्रेड इंडेक्स (पीजीआई) में प्रदेश को प्रथम स्थान पर लाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है। उत्तर प्रदेश में कुल 1.41 लाख परिषदीय व माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें तकरीबन 2.37 करोड़ विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। योगी सरकार की ओर से इस वित्तीय वर्ष में 83 हजार करोड़ रुपए शिक्षा पर खर्च किये जा रहे हैं। प्रति छात्र के हिसाब से देखें तो ये धनराशि 35 हजार रुपए सालाना है।

2017 में सीएम योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। कायाकल्प अभियान के तहत प्रदेश के जर्जर स्कूलों की दशा सुधारने का कार्य तेजी से हुआ है। बीते अगस्त माह में ही प्रदेश सरकार ने ऑपरेशन कायाकल्प के दूसरे चरण का शुभारंभ भी कर दिया है। प्रदेश सरकार की ओर से अबतक 1.36 लाख परिषदीय विद्यालयों का मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ कायाकल्प किया जा चुका है। वहीं 1.64 लाख शिक्षकों की पारदर्शितापरक नियुक्ति को सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। शिक्षकों से जुड़ी सेवाओं को ना सिर्फ मानव संपदा पोर्टल के जरिए डिजिटलीकरण किया गया है, बल्कि बच्चों की शिक्षा से जुड़ी सामग्रियों के लिए 1.91 करोड़ अभिभावकों के खाते में सीधे धनराशि हस्तांतरित की जा रही है। इसके अलावा विद्या समीक्षा केंद्र के रूप में रियल टाइम मॉनीटरिंग एवं ग्रीवांस रिड्रेसल मैकेनिज्म भी योगी सरकार ने विकसित किया है।

योगी सरकार का अगला बड़ा लक्ष्य 2026 तक प्रदेश के 5760 विद्यालयों को विश्वस्तरीय अध्ययन सुविधाओं से जोड़ते हुए यूपी को शिक्षा के क्षेत्र में निपुण प्रदेश घोषित करने पर है। हर कोई जानता है कि 6 साल पहले तक प्रदेश में नकलविहीन परीक्षाएं आयोजित करना एक सपना हुआ करता था। आज 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं ना सिर्फ पूरी तरह नकल मुक्त हुई हैंए बल्कि इसके लिए प्रदेश के विद्यालयों में अब तक 3 लाख से भी अधिक कैमरों को स्थापित की जा चुकी है। यही नहीं आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए भी 'शारदा' और दिव्यांग बच्चों के लिए 'समर्थ' कार्यक्रम संचालित किया गया है। साथ ही कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को भी कक्षा 12 तक उच्चीकृत किया गया। वहीं प्रदेश के 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालयों के शुभारंभ को भी शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

इन सबके साथ ही योगी सरकार का जोर प्रदेश के स्कूलों में जल्द से जल्द जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चरर को डेवलप करने पर है। इसके लिए प्रति विद्यालय 7.8 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। ये धनराशि विभिन्न वित्तीय स्रोतों एवं अंतर्विभागीय कन्वर्जेंस से विद्यालयों के लिए मुहैया कराने के निर्देश मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पहले ही दे दिया है। प्रदेश सरकार की ओर से स्कूलों के कायाकल्प के लिए 11 हजार करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की जानी है। इसमें से 5500 करोड़ रुपए राज्य/केंद्र वित्त आयोगए 3900 करोड़ रुपए राज्य निधि, 450 करोड़ रुपए जल जीवन मिशन, 415 करोड़ रुपए नगर निकाय, 250 करोड़ रुपए सीएसआर फंड और 20 करोड़ रुपए जिला खनिज निधि से प्राप्त किए जाएंगे।

एकेटीयू में सम्मानित होंगे शिक्षक

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा। विवि उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ एसएन कुरील होंगे। जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो जेपी पांडेय करेंगे। केआईईटी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन गाजियाबाद के वरूण गुप्ता, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के अरुण कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश टैक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट के मुकेश कुमार सिंह, केआईईटी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन गाजियाबाद के डॉ प्रवीण कुमार, केआईईटी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन गाजियाबाद के विनय कुमार, यूपीआईडी नोएडा की डॉक्टर रश्मि मिश्रा, डॉ राखी मिश्रा, डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मेसी मेरठ इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के नितिन कुमार, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के शशांक अवस्थी, गलगोटिया कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के रामलाल यादव शामिल हैं।

उपचुनाव में सपा अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहीः संजय राय

● भाजपा प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। भाजपा के प्रतिनिधि मण्डल ने सोमवार को घोसी विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अपील जारी कर मतदाताओं को बरगला कर मतदान को प्रभावित करने की कोशिश एवं सपा कार्यकर्ताओं द्वारा अराजकता पूर्ण माहौल बनाने के संदर्भ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शिकायत की गई और निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक प्रबन्ध करने की मांग की। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा घोसी विधानसभा के उपचुनाव में लगातार अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। सपा प्रत्याशी के पुत्र और उनके समर्थकों द्वारा प्रशासन व पुलिस बल को निशाना बनाकर क्षेत्र में दहशत का माहौल बनाया जा रहा है। सपा प्रमुख के द्वारा भी अपील जारी कर मतदाताओं को उकसाने के लिए उन्हें समूह में जाने और मुकाबला करने जैसी बातें कहकर भड़काया जा रहा है। साथ ही सपा द्वारा धनबलए बाहुबल का भी प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से निवेदन किया कि घोसी विधानसभा के उपचुनाव में पर्याप्त संख्या में पुलिस और सुरक्षा बल तैनात किया जाए। प्रत्येक मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने का प्रबंध किया जायए जिससे पूर्ण शुचिता एवं शान्ति के माहौल में मतदान सम्पन्न हो सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपने हेतु पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व प्रदेश महामंत्री संजय राय ने किया। प्रतिनिधि मण्डल में चुनाव आयोग सम्पर्क विभाग के प्रदेश संयोजक अखिलेश अवस्थी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव व अवनीश त्यागी शामिल थे।

भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है :अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है। भाजपा का आचरण संविधान विरोधी है। सत्ता के अहंकार में भाजपा मदान्ध है। भाजपा जनता के अधिकारों को छीन रही है। पूरा देश भाजपा के तानाशाही व्यवहार को देख रहा है। भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। घोसी में वह चुनाव हार रही है इसलिए समाजवादी पार्टी पर झूठे आरोप लगा रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में वोट का अधिकार जनता का सबसे बड़ा अधिकार है। भाजपा सरकार जनता के सर्वोच्च अधिकार को भी छीनकर तानाशाही सरकार की स्थापना करना चाहती है। इस बार घोसी की जनता एकजुट होकर अपने वोट के अधिकार से लोकतंत्र विरोधी भाजपा को हराकर जवाब देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा घोसी विधानसभा उपचुनाव में तांडव कर रही है। पुलिस प्रशासन को भाजपा कार्यकर्ता की तरह प्रयोग कर रही है। भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन समाजवादी पार्टी समर्थकों और कार्यकर्ताओं को फर्जी तरीके से गिरफ्तार कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा मतदान के पूर्व पुलिस प्रशासन के द्वारा मतदाताओं को डराने, धमकाने का काम कर सेवा नियमावली के विरूद्ध आचरण कर रही है। यादव ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि किसी के दबाव में न आए। अपना वोट जरूर डालें। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में समाजवादी पार्टी या समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुधाकर सिंह की जीत नहीं बल्कि असली जीत जनता की होगी। इसलिए साइकिल का बटन दबाएं और लोकतंत्र को जिताएं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से तत्काल संज्ञान लेकर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने की मांग की ताकि आदर्श आचार संहिता का पालन सम्भव हो सके।

चेस खिलाड़ियों ने सपा मुखिया से की मुलाकात

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से सोमवार को सपा मुख्यालय में इंटरनेशनल चेस टूर्नामेंट, नेपाल की अण्डर 7 विजेता अनुप्रिया यादव और अण्डर 16 विजेता प्रिया यादव दोनों पुत्री शिवशंकर यादव, अण्डर 17 विजेता संचिता यादव पुत्री प्रदीप कुमार यादव तथा अण्डर 14 विजेता आरोही यादव पुत्री शैलेश यादव ने भेंट कर अखिलेश यादव से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर 91 वर्षीय पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह तथा अण्डर 7 विजेता अनुप्रिया यादव के बीच चेस खेल को लेकर खूब बातें हुई। उदय प्रताप सिंह भी चेस के पुराने खिलाड़ी है। अखिलेश यादव ने चेस विजेता बेटियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस खेल में तात्कालिक निर्णय लेने की क्षमता के साथ धैर्य की भी बहुत जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि विजेता बेटियों को जन्मजात टैलेंट है। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षक दिवस आज- मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होंगे 19 शिक्षक

लखनऊ। मा. शिक्षा विभाग के अंतर्गत शिक्षक दिवस पर राज्य अध्यापक पुरस्कार व मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार से 19 शिक्षक सम्मानित होंगे। इन शिक्षकों का सम्मान मुख्यमंत्री योगी लोक भवन में करेंगे। मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होने वाली शिक्षकों की सूची में लखनऊ के अवध कालिजिएट की प्रधानाचार्य जतिंदर वालिया भी शामिल है। मुख्यमंत्री की तरफ से राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची में महात्मा गांधी इंटर कॉलेज गोरखपुर के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश सिंह इस्माइल गर्ल्स नेशनल इंटर कॉलेज मेरठ की प्रधानाचार्य डॉक्टर मृदुला शर्मा सुभाष इंटर कॉलेज सरैया अयोध्या के अध्यापक विनोद कुमार तिवारी एमजीएम इंटर कॉलेज जलेसर एटा के अध्यापक श्याम बिहारी बंद इंटर कॉलेज जड़ौदा पांडा सहारनपुर के सुशील कुमार त्यागी इंटर कॉलेज रामपुर के मुनीष चंद्र शर्मा श्री रतन मुनि जैन इंटर कॉलेज लोहा मंडी आगरा के प्रहलाद जवाहरलाल नेहरू स्मृति इंटर कॉलेज सठेडी मुजफ्फरनगर के डॉक्टर चंद्र मोहन शर्मा कैसे कुमार राज की बालिका इंटर कॉलेज सुल्तानपुर की डॉक्टर बबिता जैन बंगाली टोला इंटर कॉलेज वाराणसी के डॉक्टर जितेंद्र कुमार मिश्रा रा. इंटर कॉलेज बरेली के नईम अहमद कैसे कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के शैलेंद्र चतुर्वेदी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज विजयनगर गाजियाबाद की अध्यापिका डॉ. रेनू त्रिपाठी पंडित दीनदयाल उपाध्याय रा. मॉडल इंटर कॉलेज अमापुर कासगंज के अध्यापक मदन चंद्र राजपूत शामिल है। शिक्षकों की सूची में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज फतेहपुर के प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह अवध कालिजिएट कानपुर रोड लखनऊ की प्रधानाचार्य जतिंदर वालिया जय नारायण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बरेली के डॉक्टर रवि शरण चौहान चित्रगुप्त इंटर कॉलेज राठ हमीरपुर के डॉक्टर सत्यनारायण सिंह परिहार ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज कानपुर की प्रवक्ता पूजा अवस्थी शामिल है।

विकसित भारत बनाने का लक्ष्य गांव के विकास से ही संभवः केशव प्रसाद मौर्य

● 10 खंड विकास अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया गया सम्मानित

● हर ब्लॉक से एक, दो खंड विकास अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया जाएगा सम्मानित

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्राम उत्थान से ही देश का उत्थान सम्भव है। देश की खुशहाली का रास्ता गांवो से होकर जाता है। हम सबको मिलकर स्मार्ट सिटी की तरह स्मार्ट विलेज बनाना है। उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाना है । उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमतीनगर में आयोजित प्रदेश के समस्त खण्ड विकास अधिकारियों के सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों का आह्वान किया कि वह प्रधानों की बैठक कर गांवो के विकास का मास्टर प्लान बनाएं। प्रत्येक ब्लॉक की 10 पिछड़ी ग्राम पंचायत का चयन कर उनमें विकास कार्यों पर विशेष रूप से फोकस करें, मुख्य धारा में लायें। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आकांक्षात्मक जिलों, व आकांक्षात्मक विकास खण्डों में विशेष रूप से फोकस करके उनका सर्वांगीण विकास किया जा रहा है, उसी तरह से यह कार्य भी करना है, जिन ग्राम पंचायतों में अपेक्षाकृत विकास कम हो पाया है, वहां विभिन्न पैरामीटर्स पर अध्ययन, भ्रमण व विचार विमर्श कर ठोस व प्रभावी रणनीति बनाकर विकास कार्य कराये जाय। उन्होंने कहा कि खण्ड विकास अधिकारी विकास कार्यों के केन्द्र बिन्दु में रहते हैं, लगभग हर योजना के क्रियान्वयन में खण्ड विकास अधिकारियों की अहम भूमिका होती है और कई योजनाओं में विकास विभाग के अमले ने मिलकर देश व प्रदेश में नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक वर्ष 4 सितंबर को खंड विकास अधिकारियों का सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि ग्राम चौपाल के बहुत ही सार्थक परिणाम हासिल हो रहे हैं। गांव चौपाल से दो दिन पूर्व गांव में स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर व अमृत वाटिकाओं को ऐसे संवारें कि वह ऐतिहासिक बने। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य गांवों के विकास से ही संभव होगा । उन्होंने 10 खंड विकास अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और कहा कि हर ब्लॉक से एक दो खंड विकास अधिकारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को प्रत्येक विकासखण्ड की दो ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक शुक्रवार को प्रदेश में आयोजित ग्राम चौपालों में औसतन एक लाख ग्रामीण आ रहे हैं और औसतन 9हजार समस्याओं का समाधान ग्राम चौपालों में किया जा रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ग्राम चौपालो से दो दिन पूर्व वहां पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए और ग्राम चौपाल का व्यापक प्रचार प्रचार कराया जाए। ग्राम चौपालों के रोस्टर की प्रति जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराकर उन्हें चौपाल में आमन्त्रित किया जाए।कहा कि ग्राम चौपालों को इतना भव्य व सफल बनायें कि आने वाले समय में इसकी चर्चा मन की बात में हो।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कतिपय ऐसे प्रकरण संज्ञान में आते हैं कि आवास योजना में पहले लाभार्थी को पात्र दिखाया गया बाद में अपात्र दिखा दिया गया, उन्होंने कहा कि खण्ड विकास अधिकारी ऐसे मामलों को बहुत गंभीरता से लेंए स्वयं जांच करें, बिना किसी तथ्यपूर्ण कारण के पात्र को अपात्र या अपात्र को पात्र न किया जाए। लाभार्थियों की पात्रता सूची सार्वजनिक रखी जाय। उन्होंने कहा कि विकास खण्डों के जर्जर भवनों को सही कराने की कार्यवाही चरणबद्ध तरीके से की जायेगी।कहा कि खण्ड विकास अधिकारियों को स्टेनो देने व ग्राम विकास अधिकारी की तैनाती का अधिकार देने के मामले पर विचार किया जायेगा। पी डी एस संवर्ग की समस्यायोंध्मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया और कहा कि हर समस्या का हर सम्भव निदान करने का प्रयास किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण की किसी भी योजना में भ्रष्टाचार या लापरवाही किसी भी दशा में क्षम्य नहीं होगी। इस मौके पर राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विजयलक्ष्मी गौतम ने योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता व ईमानदारी के साथ करने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारियों को दिए। अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास हिमांशु कुमार ने कहा कि प्रदेश स्तर पर खण्ड विकास अधिकारियों का सम्मेलन कराना उप मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण पहल है, निश्चित रूप से इसके सार्थक परिणाम हासिल होगें। इससे ग्रास रूट पर समस्याओ के समझने का अवसर मिल रहा है और काफी हद तक संवादहीनता की स्थिति भी समाप्त होगी। कहा कि हम सब लोग इस सम्मेलन के माध्यम से ग्राम सेवा करते हुये राष्ट्र की सेवा करने में और अधिक सक्षम व दक्ष हों सकेंगे। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक तत्परता के साथ किया जायेगा।

अभियान चला कर करें अवैध चिकित्सालयों पर प्रभावी कार्रवाई

- डीएम ने ली जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक, दिए निर्देश
- उत्कृष्ट सेवाएं देने वालो को डीएम ने किया सम्मानित

लखीमपुर खीरी। स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु सोमवार की देर शाम को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुईए जिसमें मुख्य रुप से सीडीओ अनिल कुमार सिंहए सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता मौजूद रहे। बैठक के शुरू में सीएमओ डॉण् संतोष गुप्ता ने बैठक के एजेंडा बिंदु सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति बताई। बैठक में जिला स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमोंए स्वास्थ्य संकेतको की अद्यतन स्थितिए प्रगति पर बिंदुवार समीक्षा हुई। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि पूरे स्वास्थ्य महकमे को फील्ड में एक्टिवेट करें व स्वास्थ्य संकेतको में बेहतर परफॉर्मेंस दिखाएं। सभी अधीक्षक लीडरशिप रोल लेते हुए अपने.अपने ब्लॉक में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कराते हुए डेली मॉनिटरिंग करें। मरीज व उनके तीमारदारों से चिकित्सक बेहतर व्यवहार करें। मरीजों को दिया जाने वाला भोजन की गुणवत्ता एमओआईसी स्वयं चेक करें। सीएचसी व पीएचसी की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाए। निर्देश दिए कि सभी पोर्टल्स पर फीडिंग को अपडेट रखा जाएए वही आपरेटर का समयबद्ध भुगतान भी सुनिश्चित कराया जाए। समीक्षा के दौरान ब्लॉक रमियाबेहड़ए ईसानगरए बांकेगंजए धौरहरा शून्य नसबंदी होने पर गहरी नाराजगी जताई। चेतावनी देते हुए कहा कि पुनरावृति हुई कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जननी सुरक्षा योजना की भुगतान की समीक्षा में शिथिलता पर पलिया के ब्लॉक अकाउंट मैनेजर को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सभी आशा संगीनियों का नियमित समयबद्ध भुगतान हो इसे सुनिश्चित कराए। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने समीक्षा करते हुए कहा की जन्म मृत्यु पंजीकरणए आरसीएच सहित अन्य पोर्टल पर डाटा एंट्री ससमय शत.शत सुनिश्चित की जाए। आयुष्मान भारत.पीएम जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड वितरण, उसके सापेक्ष उपचारित लाभार्थियों की अद्यतन स्थितिए जन्म पंजीकरणए स्टिलबर्थ रेश्यो, जननी सुरक्षा योजनाए पीएम मातृत्व वंदना योजनाए संस्थागत प्रसव, राष्ट्रीय दृष्टिहीनता निवारण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रमए वेक्टर जनित रोगए न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिटए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, ईसंजीवनी आईपीडीए ओपीडीए संचारी रोग, कवच एप्लीकेशन से परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण सहित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की।

छह सितंबर को खीरी आएंगी कमिश्नर करेंगी जनता दर्शन

लखीमपुर खीरी। जनपद में आम जनमानस की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों का गुणवत्तापूर्वक प्रभावशाली ढंग से निराकरणए अनुश्रवण एवं समन्वय के लिए आयुक्त लखनऊ मंडल डॉ रोशन जैकब 6 सितंबर को प्रातः 11 बजे से लेकर अपरान्ह 02 बजे के मध्य कलेक्ट्रेट सभागार में जनता दर्शन कर जनता की समस्याओं को सुनेगी। आयुक्त के जनता दर्शन में आमजन की दैनिक जीवन से जुड़ी विभिन्न समस्याएं यथा बिजलीए पानीए सड़कए प्रधानमंत्रीधमुख्यमंत्री आवासए जल निकासीए दैवी आपदाए वरासतए सार्वजनिक भूमि पर अनधिकृत कब्जाए भूमि विवादए विभिन्न प्रकार की पेंशनए सार्वजनिक वितरण प्रणाली से मिलने वाले राशन आदि के मामलो की सुनवाई की जाएगी। इस दिवस का आयोजन प्रभावी ढंग से एवं उच्च कोटि की संवेदनशीलता के साथ आम जनमानस की मूलभूत समस्याओं के सफल समाधान के दृष्टिगत किया जाएगा। इस आयोजन में जिलाधिकारीए जनपद के सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वंय मौजूद रहेंगे।

उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ ने दिया धरना , 18 सूत्रीय ज्ञापन भी सौंपा

बरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने आज डॉ दिनेश शर्मा के नेतृत्व 18 सूत्रीय मांगो को लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को जल्द पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया मांग की उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रण अधीन स्कूल में शिक्षकों को 1 अप्रैल 2005 से कार्य कर रहे शिक्षकों को पुरानी पेंशन लागू की जाए राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेस चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए, बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में कार्य कर रहे हैं शिक्षकों को 10 लाख तक का बीमा कराया जाए, बेसिक शिक्षकों के अंतर्जनपदीय या गैर जनपदों में स्थानांतरण नीति में पारदर्शिता रखी जाए और न्यूनतम सेवा की शर्तों को समाप्त किया जाए उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में 1 अप्रैल 2005 से पूर्ण चयनित जिनकी नियुक्ति अप्रैल 2005 के बाद की है उनका पुरानी पेंशन दी जाए, उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में पढ़ाई 8रू00 से 2रू00 तक की जाती है जबकि सीबीएसई और एनसीईआरटी के विद्यालयों में 5 घंटे की पढ़ाई की जाती है बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय की पढ़ाई की जाए, उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय में पढ़ने वाले शिक्षकों का वेतनमान 48 सौ रुपए लेवल 8 है जबकि प्रोन्नति के समय 4600 रुपये और लेवल 7 दिया जाता है शिक्षकों ने कहा कि उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद में कार्य कर रहे हैं दिव्यांगों का अभी तक भुगतान नहीं किया गया है उनका भुगतान कराया जाए उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषदीय विद्यालयों में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति की जाए, उत्तर प्रदेश प्रदेशीय शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को यथा शीघ्र पूरा करने की मांग की है।

ग्राम जेठरा में आज लगेगी चकबंदी की विशेष ग्राम अदालत

लखीमपुर खीरी। चकबंदी ग्राम से सम्बन्धित निगरानी अपीलएआपत्तियों का स्थल पर ही निस्तारण कर ग्राम के कृषकों को त्वरित न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से 05 सितंबर को तहसील धौरहराए परगना फिरोजाबाद ग्राम जेठरा में विशेष ग्राम अदालत ;चकबन्दीद्ध का आयोजन होगा। बंदोबस्त अधिकारी ;चकबंदीद्ध ओपी अंजोर ने बताया कि उप्र के चकबन्दी आयुक्त से प्राप्त निर्देशों एवम् डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अनुमति के अनुपालन में 05 सितंबर को ग्राम जेठराए तहसील धौरहरा में विशेष ग्राम अदालत ;चकबन्दीद्ध का आयोजन होगाए जिससे ग्राम से सम्बन्धित निगरानी अपीलएआपत्तियों का स्थल पर ही निस्तारण कर ग्राम के कृषकों को त्वरित न्याय प्रदान करने का प्रयास किया जायेगा। चकबंदी की विशेष ग्राम अदालत में अभियान स्तर पर वादों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। ग्राम अदालत में जो आदेश पारित होगा।उसका तत्काल अनुपालन अभिलेख पर भी कराया जाएगाए ताकि कृषकों में इसके प्रति उत्साह उत्पन्न हो।

खेत पर फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

बरेली । संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक ने खेत पर ही फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली सुबह खेत में लगे पेड़ पर उसका शव लटका मिला सूचना पर पहुचीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।थाना फरीदपुर के गांव बिलारी का रहने वाला 42 वर्षीय गंगा साहब के रिश्तेदार ने बताया कि कल देर रात खाना खाकर खेत पर टहलने की बात कह कर घर से बाहर गए थे देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंछा तो परिवार के लोगों ने उनकी खोजें शुरू कर दी लेकिन उनका कोई पता नहीं लगा सुबह गांव के ही रहने वाले महिपाल के खेत में नीम के पेड़ से गमछे के सहारे उनकी लाश पेड़ से लटकी हुई मिली मौके पर पहुंचे परिवार बालों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया परिवार के लोगों ने किसी से भी रंजिश से इंकार किया मृतक अपने पीछे तीन बेटे और एक बेटी को छोड़ गया गया।

हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बरेली । अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया उपचार के दौरान उसने आज सुबह दम तोड़ दिया पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थाना क्योलड़िया के गांव अंबरपुर निवासी 45 वर्ष रामस्वरूप के घरवालों ने बताया की 29 अगस्त को वह बरेली से मजदूरी करके बाइक से घर को जा रहे थे तभी बाजार के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां आज सुबह उसकी मौत हो गई पुलिस ने शव की कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।

एसडीएम ने सीएचसी का किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र के विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह व उप जिलाधिकारी अवनीश कुमार ने संयुक्त रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदी का औचक निरीक्षण कियाए जिसमें ओपीडी महिला और पुरुष पर्चा काउंटर तथा मरीज भर्ती करने के कक्षो का भी निरीक्षण किया एतथा विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने मौजूद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बने 20 कक्ष के रूम को तत्काल प्रभाव से चालू करने के निर्देश दिएए उन्होंने आने वाले मरीजों को कोई दिक्कत न हो इसके लिए भी निर्देशित कियाए गौर तलब है कि वायरल बुखार के चलते भारी संख्या में मरीजों की संख्या अस्पताल में देखी जा रही है एनिरीक्षण के दौरान डॉक्टर कुलदीप सिंह एडॉक्टर सुशील शुक्ला सहित अन्य डॉक्टर भी मौजूद रहे

पूर्व प्रधान का शव खेत में मिला

संडीला(हरदोई)। पूर्व प्रधान का शव खून से लत पत एक खेत में पड़ा हुआ पाया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली मल्लावां के अंतर्गत ग्राम ठठिया जगदीशपुर में पूर्व प्रधान गंगाराम पुत्र गिरधर का शव खून से लतपत पड़ा हुआ पाया गया। परिजन का कहना है कि पूर्व प्रधान गंगाराम अपने पड़ोसी पप्पू के साथ पास के गांव करवा गए थे और उसके बाद वापस नहीं लौटे। सुबह उनका शव कल्याणी नदी के किनारे पड़ा हुआ पाया गया। इस घटना की सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक नर्पेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी सत्येन्द्र सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक शेषनाथ सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की।

दबंगों ने घर में घुसकर महिलाओं से की मारपीट

बरेली । मामूली विवाद के बाद दबंगो ने घर में मौजूद महिलाओं पर लाठी डंडों से हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गई ।शीशगढ़ थाने के गांव जाफरपुर निवासी आसिफकी मां छोटी पत्नी शमा और भांजी अर्शी को आज सुबह पड़ोस मे हीं रहने वाले सरताज, अफसरी और उसके दामाद फुरकान ने घर में घुसकर लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया आरसिफने बताया कि कल शाम को उसकी भांजी अर्शी का पड़ोस में रहने वाले सरताज की पत्नी से मामूली बात पर विवाद हो गया जिससे नाराज सरताज और उसके घर वालों ने आज सुबह उसके घर में घुसकर लाठी डंडों से हमला कर दिया।

विवाहिता को पति और ससुरालयों ने पीटा

बरेली । पति से हुए मामूली विवाद के बाद विवाहिता को उसके पति और ससुरालियो ने पीट कर घायल कर दिया ।किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला छावनी निवासी आशी को आज सुबह उसके पति जीशान सास सैयदा और नन्द ने पीट कर घायल कर दिया आशी ने बताया कि उसका विवाह 24 दिसंबर सन 2020 में जीशान से हुआ था उसका मायका भी किला क्षेत्र में है उसने बताया कि पति उससे उसका अक्सर झगड़ा करता है आज सुबह भी उसक पति से झगड़ा हो गया गुस्साए पति ने अपनी मां और बहन के साथ मिलकर उसकी जमकर पिटाई कर दी जिससे वह घायल हो गई घटना की सूचना मिलने पर मायके वाले मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटना की शिकायत पुलिस से कर दी ।

आर्थिक तंगी के चलते युवक ने क्या आत्महत्या का प्रयास

बरेली । आर्थिक तंगी के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया पत्नी ने उसे देख लिया और फंदे से उतार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है ।थाना बिथरी चौनपुर के गांव हरताल निवासी 35 वर्षीय शेखर अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया घर वालों ने बताया कि रोजगार न मिलने से वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा है उसकी पत्नी लक्ष्मी ने बताया वह इस बात को लेकर काफी परेशान था बीती रात उसने दुपट्टे को छत के कुंड से दुपट्टा बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया इस दौरान उसकी पत्नी ने उसे देख लिया और परिवार की मदद से फांसी से उतार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक बताई ।

पुलिस प्रशासन ने जताया आभार

लखीमपुर। मोहम्मदी कोतवाली में सावन माह और मोहर्रम त्योहार सकुशल निपट जाने पर उप जिलाधिकारी अवनीश कुमार एपुलिस उपाध्यक्ष अरविंद कुमार वर्मा एप्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह व कस्बा इंचार्ज दीपक राठौर ने मीडिया सहित अन्य प्रबुद्ध जनों की बैठक करके आपसी भाईचारे के साथ निपट जाने के लिऐ सहयोग के लिए धन्यवाद दिया एतथा उप जिलाधिकारी व पुलिस उपाधीक्षक ने संयुक्त रूप से आने वाले चेहलम जन्माष्टमी पर्वों पर भी इसी तरह सहयोग की अपील भी की एउन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण सहयोग मोहम्मदी की मीडिया सहित अन्य सभी वर्गों के प्रबुद्ध जनो का मिला है एऔर भविष्य में भी सकारात्मक रूप से पुलिस और प्रशासन को मिलने की उम्मीद हैए हम और आप एक दूसरे के पूरक हैएसभी त्यौहार आप ही भाईचारे के साथ मनाऐएयही उम्मीद शिया कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास नकवी ने पुलिसऔर प्रशासन के अधिकारियों की इस पहल का स्वागत और धन्यवाद दिया एतथा चेहलुम के बारे मे अवगत भी कराया,बैठक में प्रमुख रूप से पेशे इमाम असजद सिद्दीकी एलोक भारती के संयोजक अतुल रस्तोगी एप्रेस क्लब के अध्यक्ष शिवम राठौरए युवा प्रेस क्लब के महामंत्री आकाश सैनी ,विनोद तिवारी, इतेजार खा,आशाराम सैनी,उपाध्यक्ष शावेज मुन्ना एमनोज गुप्ता, दिनेश सोमबशी सहित काफी लोग मौजूद रहे।

खनन माफिया छलनी कर रहे हैं धरती का सीना

संडीला(हरदोई)। क्षेत्र मे बेलगाम खनन माफिया लगातार धरती का सीना छलनी कर रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक के विरोध करने के बावजूद भी इन खनन माफिया का अवैध खनन लगातार जारी है। क्षेत्र के नगर से सटे कई ग्रामों में भूमाफिया के लोग सरकारी, पशुचर, बंजर तथा ग्राम समाज की जमीनों में धुआंदार खनन कर रहे हैं।

उदाहरण के तौर पर ग्राम आलमपुर, शेमराखेड़ा, पंजाबीखेड़ा आदि में जमकर मिट्टी का खनन किया जा रहा है। मिट्टी खनन के माध्यम से खनन माफिया के लोग लंबी रकम कमा रहे हैं। एक ट्रॉली मिट्टी का मूल्य यह सात सौ रुपए वसूल करते हैं और दर्जन भर लेबर और आधा दर्जन ट्रैक्टर ट्रॉलियां लगाकर यह खनन का कार्य दिन और रात जारी रहता है। रात के समय अक्सर जेसीबी मशीन का प्रयोग किया जाता है। खनन माफिया के लोग दिन के समय मिट्टी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉलियों को शहर के अंदर नहीं जाते बल्कि उनकी मिट्टी की यह सप्लाई अन्य नए बस रहे क्षेत्रों में पटान के लिए होती है। खनन माफिया के लोग रात के समय ही नगर के मुख्य स्थानों पर मिट्टी की सप्लाई करते हैं। क्षेत्र में मिट्टी के अवैध मिट्टी के खनन को लेकर पूर्व में क्षेत्रीय विधायक अलका अर्कवंशी ने भी प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा जिलाधिकारी को पत्र लिखे। लेकिन खनन माफियाओं पर इसका कोई असर नहीं हुआ और खबर लिखे जाने तक यह खनन अबाध रूप से जारी है।

दबंगो की पिटाई से भाजपा नेता की पत्नी का हुआ गर्भपात

बरेली । जमीनी विवाद के चलते दबंगों ने एक भाजपा नेता पर हमला कर दिया शोर सुनकर बचाने पहुंची उसकी गर्भवती पत्नी के साथ भी मारपीट की गई जिससे वह घायल हो गई और इलाज के दौरान उसका गर्भपात हो गया पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी ।बारादरी थाना क्षेत्र के मोहल्ला चक्र मोहम्मद निवासी भाजपा नेता सारिक पुत्र साबिर की पत्नी फिज्जा का दबंग की पिटाई से गर्भपात हो गया उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया भाजपा नेता ने सारिक ने बताया कि उसका मोहल्ले के ही रहने वाले साजिद से जमीनी विवाद चल रहा है इसी रंजिश के चलते साजिद ने अपने साथी सकलानी, रईस, सब्बीर, इदरीस, भूरा, नजीब के साथ मिलकर उसे रास्ते में घेर लिया ।

नगर पालिका अध्यक्ष के साथ सीएमओ ने किया संक्रमित वार्डों का पैदल भ्रमण

स्वास्थ्य टीमों द्वारा कराई गई जांचए नहीं मिले डेंगू और मलेरिया के मरीज

लखीमपुर खीरी। नगर पंचायत मैलानी में डेंगू मलेरिया फैलने की सूचना के बाद सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने अध्यक्ष नगर पंचायत मैलानी कीर्ति महेश्वरी के साथ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ एसीएमओ डॉ अनिल कुमार गुप्ता और डीएमओ मौजूद रहे।सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि समाचार पत्रों व अन्य माध्यमों से मैलानी क्षेत्र के कई वार्ड में डेंगू और मलेरिया के फैलने और उनसे मृत्यु होने की खबरें संज्ञान में आई हैं। इसके बाद तत्काल स्वास्थ्य टीमों को प्रबंधन हेतु निर्देशित कर दिया गया है। इसके बाद उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी के साथ वार्ड नंबर 1 व 2 और वार्ड नंबर 6 का पैदल भ्रमण किया। उनके द्वारा क्षेत्र में 6 घरों में पहुंच कर जांच की गई। जहां पर पांच टाइफाइड से पीड़ित बच्चे मिले। उन्होंने बताया कि अभी तक वार्ड नंबर 9 में 70 मरीज देखे गए हैं। जिनमें 20 की जांच की गई है और पांच टाइफाइड से पीड़ित मिले हैं। इसमें एक भी डेंगू और मलेरिया से पीड़ित मरीज नहीं मिला है। वहीं वार्ड नंबर 1 व 2 और 5 में स्वास्थ्य टीमों द्वारा 86 मरीज देखे गए हैंए जिनमें 20 की जांच की गई है। इसमें डेंगू और मलेरिया से पीड़ित एक भी मरीज नहीं मिला है। वहीं संदिग्ध डेंगू के मरीजों की एलाइजा टेस्ट कराने के आदेश दिए। साथ ही उन्होंने बताया कि क्षेत्र में टाइफाइड व वायरल फीवर के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिसको लेकर स्वास्थ्य टीमों को तैनात कर दिया गया है। साथ ही क्षेत्र में जांच कराई जा रही है।

साबरी झंडे का जोरदार तरीके से किया स्वागत, पुलिस रही मौजूद

बरेली । फतेहगंज पश्चिमी में साबिर पाक के 755वें सालाना उर्स के सिलसिले में हर साल की तरह इस साल भी बरेली से साबरी झंडे का काफिला उत्तराखंड कलियर के लिए रवाना हुआ। पहले की तरह इस साल भी साबरी झंडे का स्वागत और रात्रि विश्राम का इंतजाम कस्बे मे किया गया। पिरान कलियर स्थित दरगाह साबिर पाक के सालाना उर्स में हर साल सैकड़ों लोग जत्थे के रूप में बरेली से पैदल झंडा लेकर आते है। यह जत्था सूफी वसीम मियां साबरी की सरपरस्ती में बरेली से रवाना हुआ जोकि कलियर पहुंचेगा। फतेहगंज पश्चिमी पहुंचने पर झंडे के साथ आए अकीदतमंदों का फूल मालाओं के साथ शेखू साबरी, इरफान साबरी, आकिब साबरी,शाकिर साबरी, शाहिद साबरी, मोइनउद्दीन साबरी, आबिद साबरी असद अंसारी आदि लोगों ने स्वागत किया।

105 वें उर्से रजवी के अवसर पर 105 छात्र छात्रों को फ्री शिक्षा दी जाएंगी

लखीमपुर। कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के 105 छात्र छात्रों की पढ़ाई और एडमिशन फ्री होगी,ठिरिया निजावत खाँ स्थित मास्टर बन्ने खाँ इंटर कॉलेज के प्रबंधक हाजी फैजान खाँ कादरी ने बताया कि जिन बच्चों को कक्षा 6 से कक्षा 12 तक कि शिक्षा और एडमिशन फ्री दी जाएगी,एडमिशन कराने कराने की अंतिम तिथि 10 सितम्बर 2023 तक हैं, जिन बच्चों को एडमिशन चाहिये है वह समय रहते इसका लाभ ले सकते हैं।बिहार कलां स्थित मदरसा तालीमुल इस्लाम गरीब नवाज में आज शहर के जिम्मेदार लोगों की बैठक की गई,बैठक में 105 बच्चो को फ्री एजुकेशन देने का फैसला लिया गया।इस मौके पर हाफिज इमरान रजा बरकाती ने कहा कि आला हजरत इल्म का समुद्र हैं,हर बच्चा पढ़े लिखे हमारा यह ही लक्ष्य है।बैठक में जनसेवा टीम के अध्यक्ष पम्मी खान वारसी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि कामयाबी को हासिल करने के लिये शिक्षा हासिल करना जरूरी हैं, फजूल खर्चो से बचो,अपने बच्चों को पढ़ाओ।बैठक में पम्मी खान वारसी,हाफिज इमरान रजा बरकाती,हाजी फैजान खाँ कादरी,प्रधानाचार्य मोहम्मद सलीम अजहरी,रजा ए मदीना के एमडी मुशाहिद रजा,शादाब रजवी,मोहम्मद यासीन,सलीम,हसीन,हाजी साकिब रजा खाँ, हाजी यासीन कुरैशी,हाफिज अरशद रजा, आदि मौजूद रहे।

उर्स-ए-अमीन-ए-शरीअत पर सुविधाएं उपलब्ध कराने, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की

बरेली ।- 10,11और 12 सितंबर को बरेली शरीफमें 105 वें उर्स-ए-रजवी की महफिल सजेगी। इस मुबारक मौके पर देश-विदेश से भारी तादाद में जायरीन बरेली शरीफपहुँचेंगे, लिहाजा उनकी संख्या को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार की सुविधाएँ दुरुस्त रखने और बढ़ाने की व्यवस्था की जाए। इस संबंध में ऑल इंडिया रजा एक्शन के नबीरा-ए-आला हजरत नायब सदर मौलाना अदनान रजा कादरी के निर्देश पर जिला अध्यक्ष इमरान रजा बरकाती और कमेटी के प्रवक्ता अब्दुल हलीम खा के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया । बरेली में स्मार्ट सिटी का काम चल रहा है और उसके कारण जगह-जगह सड़कें और चौराहे खुदे पड़े हैं इसलिए ऐसी सभी जगहों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं।बिजली सप्लाई का बुरा हाल है। कई सबस्टेशनों पर बड़े ट्रांसफॉर्मरों की हालत जर्जर है। उर्स के तीनों दिन बिजली व्यवस्था दुरुस्त रहे । दरगाह तथा उर्स स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था, इस्लामिया मैदान और जामियातुर्रजा स्थित उर्स स्थलों के पास उपयुक्त संख्या में अस्थायी शौचालय बनवाए , उर्स स्थल व बरेली के आसपास के जिलों को जोड़ने वाली सड़कों को दुरुस्त रखा जाए ताकि जायरीन को किसी तरह की परेशानी न हो।जिला अस्पताल में विशेष प्रबंध किए जाएं ताकि चिकित्सा सेवाएं प्रभावित न हों। मथुरापुर में भी उर्स-ए-आला हजरत मनाया जाता है, जिसमें भारी संख्या में जायरीन शामिल होते हैं। वहाँ भी बिजली, पानी, साफसफाई, मेडिकल कैम्प, सुरक्षा आदि की व्यवस्था की जाए। कांकर टोला स्थित ख़ानकाहे अमीन-ए-शरीअत में मनाया जाता है जिसमे बड़ी तादाद में जायरीन शिरकत करते हैं ख़ानकाहे अमीन- ए- शरीअत के पास रोड व ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए , जंक्शन से सुभाषनगर थाने के सामने से जो रोड चौपुला होते हुए उर्स स्थल इस्लामिया की तरफआ रहा है, वहाँ रात के समय लाइट न होने से दुर्घटना और आपराधिक घटनाओं का अंदेशा रहता है। इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की विशेष व्यवस्था की जाए।

अधिवक्तओं ने धरना देकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संडीला(हरदोई)। जनपद हापुड़ में अधिवक्ताओं पर बर्बतापूर्ण लाठी चार्ज के विरोध में स्थानीय अधिवक्ताओं ने कई घण्टों धरना देकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ता समिति अध्यक्ष हरीशचन्द्र एडवोकेट, मंत्री देवीशरण सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने नवीन तहसील परिसर में धरना दिया। इस अवसर पर अधिवक्तओं ने जनपद हापुड़ में पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं के साथ की गयी बरबर मारपीट और लीठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पुलिसकृत्य का हर स्तर पर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने की घोषणा की। साथ ही साथ यह चेतावनी दी कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं होती तब तक सारे प्रदेश में अधिवक्ताओं में कलमबंद हड़ताल जारी रहेगी। इसके बाद अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधि मण्डल ने एसडीएम तान्या सिंह से भेंट की और उन्हें पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग की गयी है कि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक हापुड़ का स्थानांतत्र किया जाए। दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए। प्रदेश भर में अधिवक्तओं के विरुद्ध फर्जी कहानी बनाकर जो मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाए। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पारित कर लागू किया जाए। हापुड़ के घायल अधिवक्ताओं को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए।

शिक्षा के प्रति समर्पण ने दिलाया ओमप्रकाश को राज्य शिक्षक पुरस्कार

निःस्वार्थ भाव से छात्र हित में किये गये कार्यों का परिणाम

लखीमपुर-खीरी। जनपद के दूरस्थ एवं आकांक्षी ब्लाक रमियाबेहड़ के शिक्षक को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।इसके लिए शिक्षक ओमप्रकाश की अटूट मेहनतए ईमानदारी, निष्ठा और निःस्वार्थ भाव से छात्र हित में किये गये कार्यों का परिणाम है।ओमप्रकाश बताते हैं कि राज्य अध्यापक पुरस्कार 2022 प्राप्त होने की वास्तव में बहुत खुशी है। विद्यालय में बहुत चुनौतियां थीं।विद्यालय जिस गांव दुलही में स्थित हैएवहां लड़के और लड़कियों को एक साथ बैठाना अथवा कोई कार्य कराया जा सकनाए कोई गतिविधि करना वास्तव में बहुत टेढ़ी खीर थी।वह बताते हैं कि अन्य लोगों के साथ.साथ विशेष रूप से पत्नी गीतांजलि जो स्वयं भी प्रधान अध्यापक है उनके द्वारा किया जा रहा लगन से कार्य बच्चों और समाज के प्रति जिम्मेदारियां और अध्यापक होने का पवित्र अहसास बार.बार मुझे प्रेरित करता रहा।सर्वप्रथम समुदाय को प्रेरित कियाए शिक्षा के महत्व को बताना शुरू किया।गांव में पांच मान्यता प्राप्तएगैर मान्यता प्राप्त विद्यालय और मदरसे संचालित हो रहे थे जिनमें से पूरी मेहनत के कारण एक मदरसा एक मान्यता प्राप्त और एक गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय बंद हो गए। अभिभावकों का भी खूब साथ और सहयोग मिला।इसी वजह से काफी हद तक ग्रामीणों को रूढ़िवादी सोच से निकालने में भी कामयाब हुए।इसके लिए मैं लगातार अभिभावकों से संपर्क एपंपलेट बैनर होल्डिंगए विद्यालय प्रबंध समिति का सहयोगए अध्यापक अभिभावक संघ का सहयोग प्राप्त किया।उनकी मीटिंग में लगातार अभिभावकों को प्रेरणादाई वीडियो तो दिखाए ही साथ ही साथ उन्हें प्रेरित करने का पूरा प्रयास भी किया।इस वजह से लगातार विद्यालय में छात्र नामांकन बढ़ता गया।जहां विद्यालय में औसत उपस्थिति बहुत न्यून रहती थी एवह बढ़ करके 60 से 75: के करीब आ गई।इसके लिए संगीतमय प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाने लगा।शनिवारीय बालसभा में जहां विज्ञान एगणितए सामान्य ज्ञान आदि से संबंधित जानकारियां होती थीएवहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीतए संगीतए अंताक्षरीए नृत्य के भी कार्यक्रम प्रारंभ किए गए।बच्चों की उपस्थिति के लिए अटेंडेंस स्क्वायडएबाल संसद एमीना मंच से सहयोग मिला वहीं नियमित आने वाले और अनुशासित बच्चों को स्टार ऑफ द मंथ एस्टार ऑफ द ईयर एसितारे जो बने ध्रुव तारे जैसे नवाचार प्रारंभ किए गए।ऐसे बच्चों और अभिभावकों के फोटो फ्लेक्स और दीवारों पर चस्पा किए गए।किसी भी प्रकार के बैनर इत्यादि में विद्यालय के बच्चों को ही स्थान दिया जाने लगा।मिशन शक्तिएसेल्फ एस्टीम जैसे कार्यक्रमों के कारण बालिकाओं और उनकी मांओं में विश्वास जगाया।बच्चे ब्लॉक एजनपद और मंडल स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने लगे।न केवल खेल बल्कि एकेडमिक रूप से भी उन्होंने स्वयं को सिद्ध किया।स्वयं मेरे द्वारा आदर्श पाठ योजनाए कहानी सुनाओ प्रतियोगिता एटीएलएम निर्माण आदि में कई बार जनपद लेवल पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में राज्य स्तर का पुरस्कार भी प्राप्त किया।लगातार 3 वर्ष तक 5 सितंबर और उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। अपने नवाचारों के कारण जिलाधिकारी के अभिनव नवाचार ष्ब्रेकफास्ट विद डीएमष् कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रेकफास्ट पर आमंत्रण प्राप्त हुआ और जिलाधिकारी के साथ ब्रेकफास्ट करने का अवसर प्राप्त हुआ।विद्यालय को 2022.23 में बेस्ट स्कूल ऑफ द वीक के रूप में भी चुना गया।राज्य हिंदी संस्थान बनारस के द्वारा बाल कहानी लेखन प्रतियोगिता में भी जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। शिक्षक ओम प्रकाश अपनी इस सफलता हेतु ईश्वर ए अपनी पत्नीए माता.पिताए परिवार के साथ.साथ एअपने वरिष्ठ शिक्षकोंए साथी शिक्षकोंए बच्चों तथा खंड शिक्षा अधिकारी रमियाबेहड ए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लखीमपुर एडायट प्राचार्य लखीमपुर और उनकी टीमए तथा जिलाधिकारी के नेतृत्व के साथ साथ बच्चों और मित्रों को श्रेय देते हैं ।

हापुड़ घटना पर सरकार के मौन से वकीलों में भड़का आक्रोश

- **एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की उठाई मांग**
- **वकीलों ने विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन**
- **न्याय न मिलने पर सत्याग्रह की दी चेतावनी**

संवाददाता। चित्रकूट

उप्र बार काउंसिल के आह्वान पर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। अधिवक्ता एकता जिंदाबाद, हापुड़ पुलिस मुर्दाबाद के नारों से ट्रैफिक चौराहा गूंज उठा। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यहरन यादव की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर हापुड़ घटना की निन्दा की।

सोमवार को हापुड घटना पर बार एसोसिएशन के महासचिव मान सिंह ने कहा कि हापुड़ घटना पर सरकार की दोहरी नीति है। दोषियों के खिलाफ सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। एडवोकेट काउंसिल के जिला प्रभारी रामप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि सरकार को जल्द एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करना चाहिए, क्योंकि अधिवक्ता लगातार साजिशों के शिकार हो रहे हैं। अधिवक्ताओं की हत्याओ पर रोष जताया। फौजदारी के अधिवक्ता आनन्द मिश्रा ने कहा कि हापुड़ में निहत्थे अधिवक्ताओं पर हुआ हमला कानून पर कालिख है। सचिन श्रीवास्तव ने कड़े शब्दों में घटना की निन्दा की। अधिवक्ताओं का समूह कचेहरी परिसर से ट्रैफिक चौराहा होता हुआ तहसील परिसर पहुंचा।

उत्तर प्रदेश बार काउन्सिल प्रयागराज के आवाहन पर जनपद हापुड़ में पुलिस की बर्बरता पूर्ण अधिवक्ताओं व महिला अधिवक्ताओं के ऊपर किए गए लाठी चार्ज के विरोध में राजापुर तहसील के अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन के साथ हापुड़ के पुलिस अधीक्षक का पुतला तहसील परिसर के बाहर जलाया गया। साथ ही पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद नारे लगाते आक्रोश व्यक्त किया।

तहसील अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी सचिव देवकीनंदन मिश्रा के द्वारा एक प्रस्ताव पारित कर उत्तर प्रदेश पुलिस की बर्बरता पर विरोध जताते हुए उपजिलाधिकारी राजापुर प्रमोद झा को ज्ञापन सौंपकर न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया गया है।

हापुड़ में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुंदेलखंड एडवोकेट बार एसोसिएशन मुंसिफ कोर्ट और नवीन बार एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय हड़ताल के पहले दिन अधिवक्ता न्यायायिक कार्य से से विरत रहे। अधिवक्ताओं ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार व सीओ को सौंपा।

हापुड़ घटना को लेकर अधिवक्ताओं का आंदोलन जारी

कालपी, जालौन। हापुड़ की घटना को लेकर बार काउंसिल के आह्वान पर आज कालपी बार एसोशिएशन के अध्यक्ष एड. जय किशोर कुल श्रेष्ठ और बार महामंत्री एड. राजेश यादव के नेतृत्व में अधिवक्ता साथी बार एकता जिंदाबाद और पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचे जहां क्षेत्राधिकारी डा. देवेंद्र पचौरी एवं भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में मांग को लेकर पांच सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम कालपी को सौंपा गया।

बांदा में वकीलों का उग्र प्रदर्शन, सीएम को भेजा ज्ञापन

बांदा। अदालत से चलकर जिला कलेक्टर चेंबर में पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद, जो सरकार निकम्मी है उसे हमें बदलना है, के नारे लगाते हुए बेबाक होकर प्रवेश कर गए जिला अध्यक्ष बार एसोसिएशन ओम प्रकाश सिंह ने जिला अधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ को भेजकर कत्ल किए गए अधिवक्ता के परिवार को मुआवजा देने की की मांग की तथा पुलिस द्वारा किए गए बर्बर लाठी चार्ज को ध्यान में रखते हुए घायल व्यक्तियों के इलाज तथा उनको मुआवजा देने की मांग की। साथ ही वकीलों ने अधिववता सुरक्षा बिल भी लागू करने की बात कही और कहा कि वकीलों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम सरकार को करने होंगे।

राम की तपोभूमि चित्रकूट में इस्कॉन मनायेगा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

- **7 व 8 सितम्बर को होगा भव्य श्रीकृष्ण जन्मोत्सव**

संवाददाता। चित्रकूट

पत्रकार रतन पटेल को सम्मानित करते इस्कॉन के प्रभारी

अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा 7 व 8 सितंबर को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसमें 7 सितंबर को कृष्ण कुंज मैरिज गार्डन अमानपुर में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। वहीं 8 सितंबर को इस्कॉन के संस्थापकाचार्य कृष्णकृपामूर्ति स्वामी श्रील प्रभुपाद जी का 127वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

सोमवार को इस्कॉन चित्रकूट के प्रभारी अनंत बल्देव अरविंद दास ने बताया अन्तर्राष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है। जिसके पूरे देश में एक हजार से ज्यादा मंदिर हैं तथा इसका अंतराष्ट्रीय मुख्यालय कोलकाता के पास मायापुर में है। बताया कि भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में इस्कॉन ने दो वर्ष पूरे कर लिये है। चित्रकूट जिले के सीतापुर में एक शाखा खुली हुई हैं। इसके साथ ही इस्कॉन ने रामशैय्या खोही में 3.5 बीघा जमीन भी खरीदी है। जिस पर जल्द ही भव्य श्री श्री चित्रकूट चंद्रोदय मंदिर का निर्माण प्रारंभ होगा। जहां श्री श्री राम जानकी तथा श्री श्री राधा माधव जी की भव्य पूजन एवं नित्य सेवा होगा।

उन्होने बताया कि इस्कॉन चित्रकूट में कल से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का शुभारंभ हो गया है, इसी क्रम में आज भगवान बलराम जिनको जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में हरे कृष्ण संकीर्तन तथा भगवान बलराम जी की कथा का आयोजन हुआ तथा सभी के लिए सभी के लिए भोजन महाप्रसाद दिया गया। उन्होंने बताया कि इस्कॉन चित्रकूट हर रविवार को प्रीतिभोज कार्यक्रम करके हरिनाम संकीर्तन, योग तथा भगवदगीता की शिक्षाओं का प्रचार कर रहा है। साथ ही प्रतिदिन इस्कॉन द्वारा नगर में हरिनाम संकीर्तन एवं अन्नदान होता है। कार्यक्रम में इस्कॉन द्वारा जिले के प्रमुख पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का करें निस्तारण: जिला जज

चित्रकूट। अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फारुख ईनाम सिद्दीकी ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नौ सितम्बर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को प्रभावी ढंग से सफल बनाने को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विष्णु कुमार शर्मा की अध्यक्षता में न्यायिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुयी।

सोमवार को जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मौजूद न्यायिक अधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को ज्यादा से ज्यादा वादों को चिन्हित कर निस्तारण को तैयार करने पर जोर दिया। जिला जज ने न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी चिन्हित वादों को नौ सितम्बर की तिथि नियत की जाये। नौ सितम्बर को वादों के निस्तारण के बाद सीआईएस पोर्टल पर उसी दिन निस्तारण करें।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फारुख ईनाम सिद्दीकी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत जिला न्यायालय परिसर, बाह्य न्यायालय परिसर मऊ, ग्राम न्यायालय परिसर मानिकपुर तथा जिले की कर्वी, मऊ, मानिकपुर, राजापुर तहसीलों में होगी।

साहित्य सुरभि सम्मान से अलंकृत हुए साहित्यकार सुरेश चंद्र त्रिपाठी

उरई, जालौन। रविवार को संवेदना साहित्य समिति ने जनपद के मुर्धन साहित्यकार पंडित सुरेश चंद्र त्रिपाठी को साहित्य सुरभि सम्मान देकर उन्हें अलंकृत किया। इस मौके पर पूर्व कमिश्नर इनकम टैक्स बतौर मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य शिरोमणि पंडित यज्ञ त्रिपाठी जी ने की। काव्य गोष्ठी के साथ आयोजित हुए सम्मान समारोह एवं गोष्ठी का संचालन सुप्रसिद्ध कवित्री डॉ. माया सिंह माया ने किया देर शाम तक कवियों और कवित्रियों ने श्रेष्ठ रचना पाठ कर कई सामाजिक तस्वीर प्रस्तुत कर साहित्य सृजन को सामाजिक चेतना बढ़ाने का सशक्त माध्यम साबित कर दिया। बताते चलें कि यहां नगर के बैंक कॉलोनी स्थित सहज सदन सभागार में रविवार की दोपहर जिले की अग्रणी साहित्यिक संस्था संवेदना के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम कवित्री प्रियंका शर्मा ने सरस्वती वंदना का पाठ बेहद ही प्रभावशाली ढंग से किया तत्पश्चात संस्था ने उपस्थित अतिथियों और कवियों को माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया।

समस्याओं को लेकर शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय पर किया विशाल धरना प्रदर्शन

- **बीएसए की कार्यशैली पर सवाल उठा दी चेतावनी**
- **बीएसए के माध्यम से सीएम को भेजा ज्ञापन**

संवाददाता। उरई, जालौन

सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जालौन स्थान उरई के कार्यालय पर जनपद के समस्त शिक्षकों द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आवाह्न पर जिलाध्यक्ष विद्यासागर मिश्र एवं जिला मंत्री नरेश निरंजन के नेतृत्व में एवं महेंद्र सिंह भाटिया, संजय दुबे के संरक्षण में 18 सूत्रीय ज्ञापन बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया।

धरना सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विद्यासागर मिश्र ने कहा कि सरकार शिक्षकों की लंबित मांगों के निस्तारण में कोई रुचि नहीं ले रही है इसलिए आज शिक्षकों को विवश होकर धरने पर बैठना पड़ा हमारी प्रमुख मांगे पुरानी पेंशन की बहाली, राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेस इलाज, उपार्जित अवकाश, प्रतिकर अवकाश, 10 लाख रुपए का सामूहिक बीमा, म्युचुअल ट्रांसफर पूरे वर्ष भर किया जाए, प्रत्येक विद्यालय में प्रधानाध्यापक का पद होना चाहिए एवं पदोन्नति शीघ्र की जाए, बिना ढांचा उपलब्ध कराये शिक्षकों को ऑनलाइन कार्य हेतु बाध्य ना किया जाए प्रदेश में बीएड डिग्री धारियों को ब्रिज कोर्स के लिए कहा गया तत्काल ब्रिज कोर्स कराया जाए सहित सभी 18 मांगों को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

संगठन के संरक्षक महेंद्र भाटिया ने संबोधित करते हुए कहा कि यह सरकार शिक्षकों की मांगों की अनदेखी कर रही है और यह अनदेखी ठीक नहीं है यदि मांगों को पूरा न किया गया तो प्रदेश स्तर पर एक विशाल धरना का आयोजन किया जाएगा।

अधिवक्ता की शिकायत से उजागर होते तहसील न्यायालयों के बड़े गड़बड़झाले

- **डीएम से मिल अधिवक्ता अभिषेक यादव ने लगाए गंभीर आरोप**

फतेहपुर। सूबे की तहसील न्यायालयों में बड़े गड़बड़झाले की मिलती रहीं शिकायतों को बल मिला है। ताजा मामला खागा तहसील न्यायालय के पीठासीन अधिकारी का प्रकाश में आया है। अधिवक्ता अभिषेक सिंह द्वारा आज जिला अधिकारी को दिए गए एक शिकायतीपत्र में खागा तहसीलदार रविशंकर यादव (पीठासीन अधिकारी) पर आर्डरशीट (फर्देकाम) में प्रतिवादी एवं अधिवक्ता के फर्जी हस्ताक्षर करने का गंभीर आरोप लगाया है और डीएम से एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। बकौल शिकायतीपत्र, अधिवक्ता अभिषेक सिंह ने बताया कि वरासत के मुकदमे की प्रतिवादिनी छेद्दी द्वारा तहसीलदार खागा के न्यायालय में विगत आठ फरवरी को नियत तिथि पर उपस्थित होकर आपत्ति दाखिल की थी, जिस पर न्यायालय द्वारा निस्तारण न किए जाने पर उच्च न्यायालय इलाहाबाद जानें हेतु विगत 27 अगस्त को जरिए अधिवक्ता नकल सवाल डाला, नकल सवाल नहीं दिए जाने पर उन्होंने डीएम से उपरोक्त के सम्बन्ध में विगत 11, 14 एवं 21 अगस्त को प्रार्थनापत्र देकर उपरोक्त नकलें दिलवाने की मांग की थी, जिसपर डीएम ने एसडीएम खागा को इस बाबत निर्देशित किया। इस बीच तहसील खागा के पीठासीन अधिकारी (तहसीलदार) रविशंकर यादव ने 8 फरवरी 23 के आर्डर शीट को हटवाकर नई आर्डर शीट बनवा दी और आपत्तिकर्ता के फर्जी हस्ताक्षर 24 फरवरी 23 को दिखाते हुए उपस्थिती दर्ज कर दी। इसके बाद की तारीखों में अधिवक्ता अभिषेक सिंह के भी फर्जी हस्ताक्षर बनाकर आर्डरशीट तैयार कर दी गई। उन्होंने बताया कि नियत तिथि 23 अगस्त 23 को जब वह न्यायालय पहुंचे और उपरोक्त पत्रावली का अवलोकन किया तो उस पर आठ फरवरी का फर्देकाम गायब था।

घाटमपुर में डेंगू और मलेरिया का प्रकोप अस्पतालों में बढ़ रही है मरीजों की भीड़

- **मरीजों को बाहर से करानी पड़ रही जांच**
- **सीएचसी में बदहाल हैं जांच की सुविधाएं**

संवाददाता। घाटमपुर

डेंगू व मलेरिया के लक्षण वाले बुखार से क्षेत्र में कोहराम मचा हुआ है, लेकिन स्वास्थ्य सेवायें नाकाफी साबित हो रही हैं। जिसका फायदा उठा कर झोल छाप डाक्टर व नर्सिंग होम वाले इलाज के नाम पर बुखार पीड़ितों को लूट रहे हैं। तहसील मुख्यालय स्तरीय इस कस्बे में बेनीसिंह अवस्थी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावा पतारा, भीतरगांव और यमुना तट वर्ती गांव बरीपाल में सीएचसी स्तर के अस्पताल हैं पर कहीं भी डेंगू और चिकिनगुनियां जैसे जान लेवा बुखार की जांच की व्यवस्था नही है, गांव गड़ाथा, कटरी, काटर, मोहटा, अमिरतेपुर, मऊनखत, दहिलर और महुआ पुरवा आदि गांवों में बुखार और उल्टी दस्त की बीमारी का प्रकोप से लोग बेहाल है। जबकि बिकास खण्ड पतारा के बरौरी, सयोढ़ारी, पतरसा नंदना सरखेलपुर, अरखरी, घटवा, बरौली, तिलसड़ा, रतनपुर, बरनाँव, मोमिनपुर, तरगांव आदि तमाम गांवों में डेंगू और मलेरिया बुखार जैसे लक्षण वाले बुखार की चपेट में लोग हैं, निजी अस्पतालों और झोला छापों के दवा खानों में उमड़ रही भीड़ बुखार का फैले होने की चुगली कर रहा है।

घाटमपुर-तहसील मुख्यालय की सीएचसी घाटमपुर में निशुल्क जाँच की सुविधा बीते कई माह से बद्हाल जैसी है, मरीजों की माने तो जाँच के नाम पर केवल खून जाँच की ही सुविधा है बाकी जाँचे कागजों तक सीमित है जिसके चलते यहाँ आने वाले मराजों को बाहर जाँच करानी पड़ रही है। बाहर की पैथोलाजी से जांच काराने में अक्षम मरीज बिना जाँच के ही दवा लेने को मजबूर है, जब कि सीएचसी में दो ढ़ाई सौ मरीज प्रतिदिन इलाज कराने ओपीड़ी में पंहुच रहे है।

घाटमपुर-जिले की महत्व पूर्ण तहसील घाटमपुर जिसका ज्यादा तर भाग बुन्देलखंण्ड की सीमा से जुड़ा हुआ है में स्वास्थ्य सेवाओं का जाल बिछा होने के बाद भी लोगों को झोला छापा डाक्टरों व बैध-अवैध नर्सिंग होमों की शरण में जाना पड़ता है जहाँ मरीज भले न ठीक हो पर उसकी जेवर-खेती तक बिक जाती है। क्षेत्र में घाटमपुर के अलावा पतारा, भीतर गांव (अब नर्वल तहसील) और बरीपाल में सीएचसी कायम हैं इसके अलावा रेवना, कोटरा मकरंन्दपुर, बीबीपुर, कोरियाँ, स्योढ़ारी, पडरी लालपुर, कैथा तथा भीतरगांव सीएचसी के आधीन अमौर, कुढ़नी, बरईगढ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं लेकिन अस्पताल खुद बीमार नजर आ रहे हैं।

कार्रवाई न होने पर महिला ने दी आत्मदाह की धमकी

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र की विवाहिता ने सीओ को बताया एक युवक ने झूठी शादी रचाकर शारीरिक शोषण एवं मानसिक उत्पीड़न करता रहा शिकायत के बाद भी बावजूद पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने से आहत पीडिता ने न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। महिला ने क्षेत्राधिकारी विवेक यादव से महिला ने शारीरिक शोषण व झूठे विवाह के विरुद्ध आरोपी अमन के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। आरोप है कि पति पत्नी की तरह गोवा में रह रहे थे जिस पर पिता की तहरीर पर पुलिस हम दोनों को लेकर ले आई थी और थाने में समझौते के बाद नगर के एक कमरा लेकर छह माह से रह रहे थे युवक 10 दिनों से गायब है। पुलिस से शिकायत की मगर कोई कार्यवाही नही की है उसका कहना है कि यदि मामले में कार्यवाही नही हुई तो वह आत्मदाह कर लेगी। सीओ विवेक कुमार यादव ने कहा कि बहुत पुराना मामला होने के कारण उच्चाधिकारियों से संपर्क व जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बार एसोसिएशन की निर्वाचित कार्यकारिणी ने ग्रहण की शपथ

फतेहपुर। डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष राकेश वर्मा, महामंत्री बचानी लाल समेत सभी पदाधिकारियों को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई गई। इस दौरान डीबीए अध्यक्ष राकेश वर्मा ने बार व बेंच को एक दूसरे का पूरक बताते हुए विश्वास की कड़ी को और भी मज़बूत बनाने की दिशा में कार्य करने, बार को ऊंचाइयों तक पहुंचाने व अधिवक्ताओं के मान सम्मान गरिमा के लिये कार्य करने का भरोसा दिलाया। प्रेक्षागृह में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की नवीन कार्यकरिणी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश रणंजय वर्मा, विशिष्ट अतिथि डीएम श्रुति, एसपी उदय शंकर सिंह, न्यायिक अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण धनेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात मुख्य निर्वाचन अधिकारी बाबू सिंह यादव द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश वर्मा, महामंत्री बचानी लाल व सहायक निर्वाचन अधिकारी अनिल श्रीवस्तव द्वारा एसो. के अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।

पुलिस पर गंभीर आरोप लगा चैयरमैन ने पीस कमेटी बैठक का किया बहिष्कार

- **बैठक में आमंत्रित न किए जाने से नाराज़ हुए चेयरमैन**
- **थानों में दलालों की मौजूदगी पर उठाये सवाल**

रूरा, कानपुर देहात। आगामी त्यौहारों को लेकर थाने पर बुलायी गयी पीस कमेटी की बैठक मजाक बन कर तब रह गयी, जब चैयरमैन रामजी गुप्ता ने बैठक में आमंत्रित न करने पर अपमानित करने का आरोप लगाया। प्रोटोकाल के उल्लंघन पर खफा दिखे चैयरमैन के फैसले से सनसनी फैल गयी।

कस्बे के प्रथम नागरिक रामजी गुप्ता ने बताया कि उन्हें पीस कमेटी की बैठक में आमॅंत्रित न कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अपमान किया गया है। रूरा कस्बा प्रभारी को लक्ष्य बनाते हुये उसकी कार्यप्रणाली व हिटलरशाही की शिकायत उच्चाधिकारियों से करने की चेतावनी दी। पुलिस पर दलाली का गंभीर आरोप लगाते हुये चैयरमैन रामजी गुप्ता ने थाने में हर समय दलालों की उपस्थित पर प्रश्न उठाये जिस पर पुलिस अधिकारी मौन रहे। बैठक के समय ही एक फरियादी भानुप्रताप पहुंचा और उसने अपने मकान के घेरे की दीवार तोड़कर 30 ट्राली मिट्टी चोरी करने की शिकायत पर पुलिस की लीपापोती पर सवाल उठाये। पुलिस पर आरोपी के साथ साठगांठ का आरोप लगाते हुये पीड़ित ने न्याय न मिलने पर आईजी की शरण में जाने की चेतावनी दी। बैठक में बारिश के चलते सीमित संख्या में ही लोग पहुंचे थे, चैयरमैन के सख्त तेवरों का असर पुलिस अधिकारियों पर कितना पड़ा यह तो भविष्य में पता चलेगा, परन्तु कस्बे के प्रथम नागरिक को सूचना व आमंत्रण न भेजने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होना शुरू हो गये हैं। इस दौरान कस्बा चौंकी इंर्चाज मन्जीत दयाल, एसआई अशोक श्रीवास्तव, एसआई अनूप पाण्डेय, सभासद अॅंशुल बाजपेई, सुरेश कुमार सहित मुस्लिम वर्ग के कुछ लोग मौजूद रहे।

पेज एक का शेष

धर्म पर...

'**कांग्रेस** नेता ने एक तरह से द्रमुक का समर्थन करते हुए कहा, 'हम हर किसी की आस्था का सम्मान कर रहे हैं।' हालांकि, कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्ण सिंह ने द्रमुक नेता के बयान को 'बेतुका' और 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया। सिंह ने एक बयान में कहा, 'इस देश में करोड़ों लोग कम या ज्यादा किसी हद तक सनातन धर्म के सिद्धांतों का पालन करते हैं। इसके अलावा, दुनिया में सबसे महान सनातन धर्म मंदिर तमिलनाडु में हैं - तंजावुर में, श्रीरंगम में, तिरुवन्नामलाई में, चिदंबरम में, मदुरै में , सुचिन्द्रम में, रामेश्वरम में और कई अन्य स्थानों में। टीएमसी सुप्रीमो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हर धर्म की अलग-अलग भावनाएं होती हैं और भारत विविधता में एकता के बारे में है। 'तमिलनाडु और दक्षिण भारत के लोगों के प्रति मेरे मन में बहुत आदर और सम्मान है। लेकिन मेरा विनम्र अनुरोध है कि सभी का सम्मान करें, क्योंकि हर धर्म की अलग-अलग भावनाएँ होती हैं। भारत एक धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक देश है।' स्टालिन की टिप्पणी के बारे में ममता ने उन्हें जूनियर बताया और हो सकता है कि उन्हें इसके बारे में पता न हो। 'मेरी ओर से, मैं इस बारे में स्पष्ट नहीं हूँ कि उन्होंने टिप्पणियाँ क्यों और किस आधार पर की हैं। मुझे लगता है कि प्रत्येक धर्म का समान रूप से सम्मान किया जाना चाहिए... मैं सनातन धर्म का सम्मान करती हूं और हमारा झुकाव वेदों से है।' ममता ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार हिंदू पुजारियों को पेंशन देती है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'देश भर में हमारे बहुत सारे मंदिर हैं। हम मंदिरों, मस्जिदों और चर्चों में जाते हैं। हमें ऐसे किसी भी मामले में शामिल नहीं होना चाहिए जिससे लोगों के एक वर्ग को ठेस पहुंचे।' शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा पर हमला करते हुए उस पर अपनी राजनीति के लिए सनातन धर्म पर 'नकली चिंता' दिखाने का आरोप लगाया और इसे पाखंड करार दिया।

जी-20...

टर्मिनल-1 और कार्गो टर्मिनल पर पार्किंग स्थलों की पहचान की गई है और लगभग 20 विमानों को पालम बेस स्टेशन खड़ा किया जाएगा। डॉयल के एक अधिकारी ने कहा, उन्हें अब तक लगभग 80 आगमन और 80 प्रस्थान रद्द करने के लिए एयरलाइंस से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। हालांकि वह यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइंस के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत यात्रा...

जी20 समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किए, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

सात विस...

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश से किसी भी घुसपैठ को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील कर दिया गया है क्योंकि दोनों निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा पड़ोसी देश के साथ लगती है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त किए गए हैं। झारखंड की डुमरी सीट पर विपक्षी गठबंधन इंडिया की उम्मीदवार बेबी देवी का सीधा मुकाबला राजग प्रत्याशी यशोदा देवी से है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने दावा किया है कि इंडिया गठबंधन डुमरी से अपनी जीत की शुरूआत करेगा। यह सीट दोनों गठबंधनों के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गई है। राजग ने विश्वास जताया कि वह झामुमो से सीट छीनने के लिए पूरी तरह तैयार है। विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना(यूबीटी), तृणमूल कांग्रेस, झामुमो, आम आदमी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, नेशनल कांफ्रेंस,पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, माकपा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, सपा और राष्ट्रीय लोकदल सहित कुल 28 दल शामिल हैं। अप्रैल में पूर्व शिक्षा मंत्री और झामुमो विधायक जगरनाथ महतो की मृत्यु के बाद उपचुनाव आवश्यक हो गया था। महतो 2004 से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। हालांकि, कांग्रेस और सत्तारूढ़ वाम दल केरल के पुथुप्पल्ली उपचुनाव में एक-दूसरे का मुकाबला करेंगें। राज्य में विपक्षी दल कांग्रेस सत्ता-विरोधी लहर और दिवंगत ओमन चांडी की विरासत पर निर्भर है।

कांग्रेस की...

इस विशाल रैली के बाद कांग्रेस अध्यक्ष कार्य समिति के सभी सदस्यों, आमंत्रित नेताओं, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के प्रमुखों और विधायक दल नेताओं के काफिले को तेलंगाना के 119 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्एक का दौरा करने के लिए हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 18 सितंबर को मौजूदा सांसदों के अलावा सभी नेता कार्यकर्ता बैठक करेंगे और सुबह घर-घर जाकर बीआरएस सरकार के खिलाफ आरोपपत्र बांटेंगे। उस दिन दोपहर के भोजन के बाद वे स्थानीय प्रभावशाली लोगों से बातचीत करेंगे। हर निर्वाचन क्षेत्र में महात्मा गांधी, बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के निकट मार्च का समापन होगा। माना जा रहा है कि कार्य समिति की बैठक, जनसभा और मार्च के जरिए कांग्रेस तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान का विधिवत आगाज करेगी। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। कांग्रेस ने गत 20 अगस्त को अपनी नई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का गठन किया था जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं। कार्य समिति में 39 सदस्य, 32 स्थाई आमंत्रित सदस्य और 13 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं।

आक्रोशित वकीलों ने नारेबाजी कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पुखरायां, कानपुर देहात। जनपद हापुड़ के न्यायालय परिसर में पुलिस के द्वारा अधिवक्ताओं के साथ किये गए दुर्व्यवहार व मारपीट की घटना से गुस्साए बार एसोसिएशन भोगनीपुर के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने सोमवार को स्थानीय तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। बाद में प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी भोगनीपुर को सौंपा। वकीलों का कहना है कि दोषियों के कार्रवाई नहीं तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

बार एसोसिएशन भोगनीपुर कानपुर देहात के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बताया की पुलिस की बर्बरतापूर्ण कार्यवाही में जनपद गाजियाबाद मोदीनगर एवं हापुड़ जिले के कई अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनका इलाज कई अस्पतालों में अलग-अलग चल रहा है। उन्होंने बताया की उक्त अधिवक्तागण अपना न्यायिक कार्य सुचारू रूप से कर रहे थे।

जबकि कुछ अधिवक्ता एक शांतिपूर्ण धरने में शामिल होकर अपने न्यायिक कार्य में लौट रहे थे। इसी बीच पुलिस के द्वारा उन अधिवक्ताओं पर बर्बरतापूर्ण कार्रवाई करते हुए लाठी चार्ज किया गया। इस घटना के बाद पूरे प्रदेश के अधिवक्ता आक्रोशित हैं। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अखिलेश यादव, महामंत्री एडवोकेट अनुराग यादव, एडवोकेट सुनील यादव, एडवोकेट अनादि मिश्रा, आदि मौजूद रहे।

ढुलाई के लिए कोई नया समझौता नहीं होगा : पुतिन

● रूस की मांगें पूरी होने तक अनाज की निर्यात की अनुमति नहीं

भाषा। मास्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि पश्चिमी देश जब तक रूसी कृषि निर्यात की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं करते हैं, तब तक यूक्रेन को काला सागर के रास्ते अनाज के सुरक्षित निर्यात की अनुमति के लिए समझौते को बहाल नहीं किया जाएगा। पुतिन ने तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के साथ सोमवार को हुई वार्ता के बाद यह घोषणा की। एर्दोआन ने यूक्रेन को अपने अनाज का सुरक्षित तरीके से निर्यात करने की अनुमति देने वाले मूल समझौते में रूस और यूक्रेन के साथ मध्यस्थता की थी। इस समझौते को वैश्विक खाद्यान्न आपूर्ति, विशेष रूप से अफ्रीका, पश्चिम एशिया और एशिया में आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा था। यूक्रेन और रूस गेहूं, जौ, सूरजमुखी तेय और अन्य उत्पादों के बड़े आपूर्तिकर्ता हैं। रूस ने जुलाई में समझौते को आगे बढ़ाने से मना कर दिया था। उसने शिकायत की थी कि खाद्य और उर्वरक के रूसी निर्यात में बाधाओं को दूर करने का वादा करने वाले समानांतर समझौते का सम्मान नहीं किया गया है। रूस ने कहा कि पोत परिवहन और बीमा पर प्रतिबंध के कारण उसके कृषि व्यापार में बाधा आई है, हालांकि उसने पिछले साल से रिकॉर्ड मात्रा में गेहूं की आपूर्ति की है। पुतिन ने कहा कि अगर इन प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया जाता है तो रूस आने वाले दिनों में समझौते में शामिल हो सकता है। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस छह अफ्रीकी देशों को मुफ्त अनाज मुहैया करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि रूस 10 लाख मीट्रिक टन सस्ता अनाज प्रसंस्करण के लिए और गरीब देशों में आपूर्ति के लिए तुर्किए को भेजेगा। इससे पहले तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने पुतिन को इस बात के लिए मनाने का प्रयास किया कि यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध के बावजूद काला सागर के तीन बंदरगाहों से खाद्यान्न और अन्य सामग्री का निर्यात करने की अनुमति देने के समझौते को फिर से लागू किया जाए। एर्दोआन ने कहा कि रूस के काला सागर रिसॉर्ट शहर सोच्चि में दोनों नेताओं के बीच दिनभर चली बातचीत में खाद्यान्न समझौता प्रमुख रहा। चाथम हाउस थिंकटैंक के खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञ टिम बेन्टन ने कहा, मुझे आभास हो रहा है कि पुतिन खाद्यान्न को आर्थिक हथियार के रूप में उपयोग करने के लाभ को पहचानते हैं, और इस प्रकार वह अपनी इच्छा-सूची में रियायतों के संदर्भ में जो कुछ भी प्राप्त कर सकते हैं उसके लिए लड़ेंगे।

यूक्रेन अनाज निर्यात समझौता बहाल कराने के मकसद से पुतिन और एर्दोआन ने बातचीत की

सोच्चि। तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को इस बात के लिए मनाने का प्रयास किया कि यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध के बावजूद काला सागर के तीन बंदरगाहों से खाद्यान्न और अन्य सामग्री का निर्यात करने की अनुमति देने के समझौते को फिर से लागू किया जाए। पुतिन ने जुलाई में समझौते को आगे बढ़ाने से मना कर दिया था। एक साल पहले तुर्किए और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में यह समझौता हुआ था। इसे वैश्विक खाद्य आपूर्तियों, खासकर अफ्रीका, पश्चिम एशिया और एशिया के लिए महत्वपूर्ण माना गया था। यूक्रेन और रूस गेहूं, जौ, सूरजमुखी तेल और अन्य उत्पादों के बड़े आपूर्तिकर्ता हैं। एर्दोआन ने कहा कि रूस के काला सागर रिसॉर्ट शहर सोच्चि में दोनों नेताओं के बीच दिनभर चली बातचीत में खाद्यान्न समझौता प्रमुख रहा। उन्होंने बैठक में प्रारंभिक भाषण में कहा, सभी अनाज कॉरिडोर मुद्दे पर नजर लगाए है। पुतिन ने स्वीकार किया था कि वे यूक्रेन संकट से जुड़े मुद्दे पर चर्चा करेंगे। उन्होंने एर्दोआन से कहा, मुझे पता है कि आप अनाज समझौते के बारे में सवाल पूछने के इच्छुक है। हम इस विषय पर बातचीत के तैयार है। रूस ने समझौता रद्द करते हुए शिकायत की थी कि खाद्य और उर्वरक के रूसी निर्यात में बाधाओं को दूर करने का वादा करने वाले समानांतर समझौते का सम्मान नहीं किया गया है। उसने कहा कि पोत परिवहन और बीमा पर प्रतिबंध के कारण उसके कृषि व्यापार में बाधा आई है।

रूस ने संभवतः उ. कोरिया को सैन्य अभ्यास में भाग लेने का प्रस्ताव दिया : खुफिया एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया की शीर्ष खुफिया एजेंसी के निदेशक के साथ सोमवार को एक बैठक के बाद एक सांसद ने दावा किया कि रूस ने संभवतः उत्तर कोरिया को चीन के साथ त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने का प्रस्ताव दिया है। कुछ दिन पहले उत्तर कोरिया में रूसी राजदूत अलेक्जेंडर मत्सेगोरा ने रूसी मीडिया से कहा था कि रूस और चीन के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास में उत्तर कोरिया को शामिल करना उचित प्रतीत होता है। मत्सेगोरा ने कहा था कि यह उनका अपना नजरिया है और उन्हें अभ्यास को लेकर किसी भी योजना की जानकारी नहीं है। सांसद यू सॉन्ग-बम के अनुसार, जब दक्षिण कोरियाई राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के निदेशक किम क्यू-ह्यून से इस तरह के अभ्यास की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि जुलाई में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन से मुलाकात के दौरान रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने संभवतः उत्तर कोरिया और चीन के साथ त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास करने का प्रस्ताव रखा था।

क्विक न्यूज

सूडान के शीर्ष जनरल दक्षिण सूडान के राष्ट्रपति से युद्ध पर वार्ता के लिए जुबा पहुंचे

काहिरा। सूडान की सेना के शीर्ष जनरल दक्षिण सूडान के राष्ट्रपति से युद्ध पर वार्ता के लिए सोमवार को जुबा पहुंचे। सूडान में इस साल युद्ध शुरू होने के बाद से जनरल अब्देल फतह बुरहान की यह दूसरी विदेश यात्रा है। सत्तारूढ़ संप्रभु परिषद के अध्यक्ष जनरल अब्देल-फतह बुरहान दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में हवाई अड्डे पर उतरे तो खुद दक्षिण सूडान के राष्ट्रपति साल्वा कीर ने उनका स्वागत किया। दक्षिण सूडान वर्ष 2011 में लंबे संघर्ष के बाद आजाद हुआ था। सूडान में जारी लड़ाई के मद्देनजर पहले भी दक्षिण सूडान के राष्ट्रपति ने युद्धरत जनरलों के बीच मध्यस्थता करने की पेशकश की थी। परिषद के अनुसार, दोनों नेताओं ने सलामी गारद का निरीक्षण किया और फिर वार्ता के लिए रवाना हुए जो सूडान में संघर्ष पर केंद्रित होगी। सूडान में अप्रैल में बुरहान के नेतृत्व वाली सेना और मोहम्मद हमदान दागालो के नेतृत्व वाले शक्तिशाली अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच बढ़ते तनाव के बाद राजधानी और अन्य जगहों पर लड़ाई शुरू हो गई। इस लड़ाई से राजधानी खार्तूम एक शहरी युद्धक्षेत्र में तब्दील हो गई, लेकिन अभी कोई भी पक्ष शहर पर नियंत्रण हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाया है। अधिकार समूहों और संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, संघर्ष जातीय हिंसा में बदल गया है। फिलहाल आरएसएफ और सहयोगी अरब मिलिशिया जातीय अफ्रीकी समूहों पर हमला कर रहे है।

मलेशिया की अदालत ने उप प्रधानमंत्री हमीदी के खिलाफ भ्रष्टाचार के दर्जनों आरोप खारिज किए

कुआलालंपुर। मलेशिया के उप प्रधानमंत्री अहमद जाहिद हमीदी के खिलाफ एक अदालत ने भ्रष्टाचार के 47 आरोप सोमवार को खारिज कर दिए। सुनवाई के अंतिम चरण में अभियोजकों द्वारा उनके खिलाफ अप्रत्याशित रूप से आरोप हटाए जाने के बाद अदालत ने यह निर्णय लिया। हमीदी (70) ने कहा कि उच्च न्यायालय ने आरोप खारिज करने के लिए अभियोजकों की अर्जी स्वीकार कर ली, लेकिन उन्हें पूरी तरह से आरोपमुक्त करने से इनकार कर दिया, जिसका यह मतलब है कि उन्हें अब भी आरोपित किया जा सकता है। वह खुश है कि उनके खिलाफ राजनीति से प्रेरित आरोप हट गए। हमीदी यूनाइटेड मलय नेशनल आर्गेनाइजेशन के प्रमुख है, और पिछले साल के आम चुनाव के बाद त्रिशंकु संसद की स्थिति में प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की सरकार गठन करने में उनके समर्थन ने एक अहम भूमिका निभाई थी। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि हमीदी ने अनवर का समर्थन किया, ताकि उनके (हमीदी के) खिलाफ आरोप हटाया जा सके। मुख्य अभियोजक अहमद दुसुकी मुख्तार को उद्धृत करते हुए न्यू स्ट्रेट्स टाइम्स की खबर में कहा गया है कि न्यायिक प्रणाली को नाकाम होने से रोकने के लिए हमीदी के खिलाफ आरोप अस्थाई रूप से स्थगित किया गया है।

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज दौड़ लगाने के दौरान चोटिल

बर्लिन। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज दौड़ लगाने के दौरान चोटिल हो गए है। ओलाफ शोल्ज ने सोमवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक तस्वीर पोस्ट कर यह जानकारी दी। तस्वीर मे वह एक समुद्री लुटेरे की तरह एक आंख पर काली पट्टी बांधे हुए नजर आ रहे है और उनके चेहरे के दाईं ओर गहरे खरोंच के निशान है। ओलाफ शोल्ज (65) इस सप्ताहांत धीमी गति से दौड़ लगाने (जॉगिंग) के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गए थे और चोटिल हो गए थे। जर्मनी के चांसलर ने तस्वीर के साथ लिखा, मै इस तस्वीर पर मीम्स देखने के लिए उत्सुक हूं। शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, यह पहले से भी बदतर लग रहा है।

यूक्रेन के रक्षामंत्री ओलेक्सी ने दिया इस्तीफा, उमेरोव होंगे उनके उत्तराधिकारी

कीव। यूक्रेन के रक्षामंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होने यह कदम राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा उन्हे हटाने और किसी अन्य को नियुक्त करने की मंशा जताए जाने के बाद उठाया। रक्षा मंत्रालय के सैन्य जैकेट की खरीद मे घोटाले के आरोपों से घिरने के बाद ओलेक्सी रेजनिकोव को हटाया गया है। रूस से युद्ध शुरू होने के बाद किसी को पद से हटाने का यह पहला मामला नही है। ज़ेलेंस्की ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम अकाउंट पर यह घोषणा करते हुए लिखा कि रेजनिकोव ने 550 दिनों से अधिक समय तक युद्ध की कमान संभाली और अब नए नेतृत्व की आवश्यकता है।

दुनिया भर के लोग मौज पर जन्माष्टमी का अनुभव करेंगे

मुंबई। भारत का सबसे बड़ा लघु वीडियो ऐप मौज अपने यूजर्स के लिए कृष्ण जन्माष्टमी की खुशी और उत्साह लाने के लिए देशव्यापी मनमौजी गोविंदा ऑन मौज अभियान शुरू कर रहा है। 2 से 7 सितंबर तक उत्सव की भावना में डूब जाएं मौज यूजर्स के पास उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने पसंदीदा रचनाकारों को सराहना के वर्चुअल टोकन उपहार में देकर उनके प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करने का अवसर है। इस विशेष अवसर के जश्न में और यूजर्स की व्यस्तता को बढ़ाने के लिए मौज ने चार अद्वितीय वर्चुअल उपहार पेश किए हैं, कंटेंट क्रिएटर्स और दर्शक दोनों को नकद पुरस्कार जीतने का अवसर है। अभियान के बारे में मौज और शेयरचैट के वरिष्ठ निदेशक कंटेंट स्ट्रैटेजी एवं ऑपरेशंस शशांक शेखर ने जानकारी दी।

इमरान, कुरैशी की जमानत अर्जियों पर सुनवाई कर रहे न्यायाधीश छुट्टी पर

इस्लामाबाद। सरकारी गोपनीय तथ्यो के कथित खुलासे के एक मामले मे जेल मे बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे एक विशेष न्यायाधीश आठ सितंबर तक छुट्टी पर चले गए है। मीडिया मे आई खबरों मे यह जानकारी दी। विशेष अदालत के न्यायाधीश अबुअल हसनत जुल्करनैन ने शनिवार को मामले मे खान और कुरैशी की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार तक स्थगित कर दी थी, क्योंकि विशेष अदालत की वैधता की इस्लामाबाद उच्च न्यायालय पड़ताल कर रहा है। जियो न्यूज ने बताया कि जब खान (70) के वकीलों की टीम सोमवार को अदालत परिसर पहुंची, तो उन्हे पता चला कि न्यायाधीश जुल्करनैन अपनी पत्नी के बीमार होने की वजह से एक सप्ताह के लिए छुट्टी पर है। खान के वकील नईम हैदर पांजोथा ने बताया कि इसके बाद वकीलों की टीम न्यायाधीश राजा जवाद अब्बास के कक्ष मे पहुंची।

जी–20 सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे चीनी राष्ट्रपति

● प्रधानमंत्री ली करेंगे प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

भाषा। बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग इस सप्ताह नई दिल्ली में होने जा रहे जी20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे और चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रधानमंत्री ली क्विंग करेंगे। यहां विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह घोषणा की। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि भारत सरकार के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री ली क्विंग नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में हो रहे 18वें जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। बाद में एक नियमित प्रेस वार्ता में, माओ ने भारत की मेजबानी में पहली बार आयोजित हो रहे इस शिखर सम्मेलन से शी की अनुपस्थिति का कोई कारण नहीं बताया। माओ ने जी20 शिखर सम्मेलन में शी के शामिल नहीं होने का कारण पूछे जाने पर कहा, मैंने अभी ही यह घोषणा की है और मेरे पास जो कुछ सूचना थी, आपके साथ साझा किया है। राष्ट्रपति शी के शिखर सम्मेलन से दूर रहने के बारे में पूछे गए एक और सवाल का जवाब देते हुए माओ ने कहा, मैं यह पहले ही बता चुकी हूं। जी20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए एक प्रमुख मंच है। चीन इसे काफी महत्व देता है और जी20 गतिविधियों में सक्रियता से भागीदारी करता है। माओ ने कहा, इस साल के जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ली जी20 सहयोग पर चीन के विचार साझा करेंगे, और जी20 देशों के बीच व्यापक एकजुटता एवं सहयोग को बढ़ावा देने तथा वैश्विक आर्थिक और विकास चुनौतियों से संयुक्त रूप से निपटने पर जोर देंगे। उन्होंने कहा, जी20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने और वैश्विक अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने तथा सतत विकास में योगदान देने के लिए हम सभी पक्षों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। चीन की आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए माओ ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के अधिक दबाव का सामना करने और वैश्विक सतत विकास के लिए चुनौतियां बढ़ने के मद्देनजर यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए शीर्ष मंच होने के नाते जी20 साझेदारी मजबूत करे। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा, हमें उम्मीद है कि नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में इस पर आम सहमति बनेगी, और यह विश्वास का संदेश देगा तथा साझा समृद्धि व विकास को बढ़ावा देगा। राष्ट्रपति शी इस हफ्ते जकार्ता में आसियान (दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों के समूह) और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भी शामिल नहीं हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ली पांच से आठ सितंबर तक इंडोनेशिया में आयोजित आसियान शिखर सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रधानमंत्री ली के जकार्ता में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद भारत की यात्रा करने की उम्मीद है।

आसियान : म्यांमा की हिंसा, विवादित दक्षिण चीन सागर से जुड़ी घटनाओं का मुद्दा छाया रहेगा

जकार्ता। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो की अगुवाई मे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशो के नेता इस साल जब अपने आखिरी शिखर सम्मेलन के लिए एकत्रित होंगे, तो वे म्यांमा के हिसक गृह युद्ध, विवादित दक्षिण चीन सागर मे नई घटनाओ और अमेरिका-चीन के बीच लंबे समय से चल रही शत्रुता जैसे मुद्दो से घिरे हुए होगे, जिसका निकट भविष्य मे कोई समाधान नजर नही आ रहा है।दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) की बैठक इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार से शुरू होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इसमे हिस्सा नही लेगे, जबकि आमतौर पर वह आसियान शिखर सम्मेलन मे भाग लेते आए है। उनके स्थान पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस इसमे शामिल होंगी।आसियान के विदेश मंत्री राष्ट्राध्यक्षो के शिखर सम्मेलन से पहले सोमवार को एकत्रित हुए इंडोनेशिया के राजनीतिक, कानूनी और सुरक्षा मामलो के प्रभारी मंत्री ने क्षेत्र के शीर्ष राजनयिको से कहा कि एक के बाद एक संकट से समुदाय की ताकत को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा कि म्यांमा संकट को हल करने के प्रयासो मे प्रगति के अभाव ने आसियान पर नकारात्मक चिह्न छोड़ा है और उन्होने आगाह किया कि भूराजनीतिक तनाव और प्रतिद्वंद्विता बढ़ने से एक खुला संघर्ष बढ़ सकता है जिसका हमारे क्षेत्र को मजबूरन सामना करना पड़ेगा। इंडोनेशिया की विदेश मंत्री रेत्नो मार्सुडी ने कहा कि म्यांमा मे फिर से शांति स्थापित करने मे मदद के लिए 2021 मे नेताओ द्वारा बनाई गई पांच सूत्री योजना की समीक्षा की जाएगी। मंगलवार को चर्चा के बाद आसियान देशो के नेता बुधवार से बृहस्पतिवार तक एशियाई और पश्चिमी देशो के अपने समकक्षो के साथ बैठक करेगे। अमेरिका और चीन तथा उनके सहयोगी देशो ने इस बैठक का इस्तेमाल मुक्त व्यापार, जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक सुरक्षा पर व्यापक बातचीत के लिए किया है। यह उनकी प्रतिद्वंद्विता के लिए युद्ध का मैदान भी बनी है। चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग के पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के साथ-साथ इन बैठको मे भाग लेने की संभावना है। वह अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव से मुलाकात करेगे। आसियान सम्मेलन मे शामिल होने की जगह बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन मे हिस्सा लेने के लिए भारत जाएंगे और फिर संबंधो को मजबूत करने के लिए वियतनाम की यात्रा करेंगे। वाशिंगटन ने स्पष्ट किया है कि बाइडन भूराजनीतिक प्राथमिकताओ के आधार पर इस समूह को निचले पायदान पर नही धकेल रहे है और वह क्षेत्र के साथ अमेरिकी भागीदारी को और मजबूत करने के प्रयास कर रहे है।

इंडोनेशिया ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध की निगरानी के किफायती तरीके का परीक्षण किया

बांडुंग। इंडोनेशिया के शोधकर्ताओं ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध की निगरानी के एक किफायती तरीके का परीक्षण किया है जो विकासशील देशों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण हो सकता है। इंडोनेशिया के शोधकर्ताओं ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध में परिवर्तन को मापने के लिए एक किफायती, प्रभावी, अपेक्षाकृत त्वरित विधि प्रणाली का परीक्षण किया है जो विकासशील देशों को वैश्विक खतरे के रूप में देखी जाने वाली समस्या से लड़ने में मदद कर सकता है। गहन प्रयोगशाला परीक्षण की आवश्यकता पर जोर देना कई देशों के लिए व्यावहारिक नहीं हो सकता है, ऐसे में इस तरह के दृष्टिकोण पर टिके रहने के बजाय उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण की विधि के रूप में विकसित लॉट क्वालिटी एश्योरेंस सैंपलिंग का आकलन किया। इस प्रणाली में छोटे नमूना आकारों का उपयोग करके जनसंख्या के रोगाणुरोधी प्रतिरोध का आकलन किया जा सकता है। पिछले महीने स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में इस खतरे से व्यापक रूप से निपटने की प्रतिबद्धता के बाद जी20 के लिए यह अच्छी खबर है। रोगाणुरोधी प्रतिरोध रोगाणुओं में उन दवाओं के प्रभाव को रोकने की क्षमता है जो उन्हें मारने के लिए होती हैं। इससे संक्रमण का इलाज करना कठिन हो जाता है और लंबे समय तक अस्पताल में रहना, अधिक महंगी देखभाल और मृत्यु का खतरा बढ़ सकता है। इंडोनेशिया में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का उच्च स्तर अब एक मूक महामारी बनता जा रहा है।

कुरान जलाए जाने पर स्वीडन में झड़प

● तीन लोग हिरासत में लिए गए

भाषा। स्टॉकहोम

स्वीडन के तीसरे सबसे बड़े शहर माल्मो में इस्लाम विरोधी प्रदर्शनकारी ने मुस्लिम धर्म ग्रंथ कुरान की एक प्रति जला दी, जिसके बाद झड़पें हुई हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और दर्जनों कारों को आग के हवाले कर दिया। उसने बताया कि यह घटनाक्रम रविवार को शुरू हुआ और हिंसक झड़पें बीती रात तक जारी रहीं। पुलिस ने बताया कि इस्लाम विरोधी एक कार्यकर्ता ने रविवार को कुरान की एक प्रति जला दी, जिसके बाद झड़पें शुरू हुईं। गुस्साई भीड़ ने उसे (कार्यकर्ता को) रोकने की कोशिश की। उसने बताया कि कम से कम तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोमवार तड़के एक भीड़ ने टायर जलाए और उनमें से कुछ युवाओं को माल्मो के रोजेनगार्द इलाके में उपद्रव करते देखा गया, जहां पहले भी इस तरह की झड़पें हुई हैं। वहां कुरान की प्रति जलाए जाने से संबंधित कई बैनर लगे हुए थे। मालमो के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पेत्रा स्तेंकुला ने कहा, मैं समझता हूं कि इस तरह की भीड़ भावना में बह जाती है, लेकिन हम उपद्रव और रविवार को हुई हिंसा जैसे कृत्यों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, रोजेनगार्द में एक बार फिर से हिंसा और तोड़फोड़ की गतिविधियां देखना अफसोसजनक है। मोमिका नाम के इराकी शरणार्थी ने इस्लाम विरोधी सिलसिलेवार प्रदर्शनों के दौरान कई बार कुरान की बेअदबी की है। इस तरह के ज्यादातर कृत्य स्टॉकहोम में किए गए।

भविष्य के आहार में आयरन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होगी

● खान-पान पर विचार करना जरूरी

वेलिंगटन। आयरन की कमी दुनिया भर में पोषक तत्वों की कमी के सबसे आम रूपों में से एक है। सूक्ष्म पोषक तत्व आयरन की गंभीर कमी एनीमिया कहलाती है तथा दक्षिण एशिया, मध्य अफ्रीका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में प्रजनन आयु की लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं इससे प्रभावित हैं, जबकि उच्च आय वाले देशों में एनीमिया प्रभावित महिलाओं की संख्या 16 फीसदी है।न्यूज़ीलैंड में 15 से 18 वर्ष की आयु की 10.6 फीसदी महिलाएं और 31 से 50 वर्ष की आयु की 12.1 प्रतिशत महिलाएं आयरन की कमी से पीड़ित हैं। गर्भावस्था की तीसरी तिमाही के दौरान एनीमिया का जोखिम बढ़ जाता है। अत: मां और बच्चे दोनों का अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए आयरन के स्तर की सावधानीपूर्वक निगरानी की जानी चाहिए। जैसे-जैसे लोग वनस्पति आधारित आहार अपनाने पर विचार करेंगे, आयरन की कमी का खतरा बढ़ने की संभावना होगी।हम वर्तमान और भविष्य की वैश्विक खाद्य प्रणालियों में पोषक तत्वों की उपलब्धता का अनुमान लगाने के लिए सस्टेनेबल न्यूट्रिशन इनिशिएटिव ग्लोबल फूड मास बैलेंस मॉडल के नवीनतम संस्करण का उपयोग करते हैं। इससे पता चलता है कि अगर खाद्य उत्पादन और आपूर्ति के वैश्विक पैटर्न नहीं बदले, तो 2040 तक आहार में आयरन की कमी हो सकती है। इसका मतलब है कि हमें अपने आहार में आयरन की कमी को दूर करना होगा, खासकर किशोरों और महिलाओं में। हमारा तर्क है कि आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ कम पौष्टिक आहार के सेवन के कारण होने वाली पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान कर सकते हैं। खाद्य सुदृढ़ीकरण या फूड फोर्टिफिकेशन ब्रेड और अनाज जैसे सामान्य खाद्य पदार्थ सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ में पहले से ही अतिरिक्त पोषक तत्व हैं।ेड में आयोडीन और फोलिक एसिड शामिल करने की अनिवार्यता की तरह वर्तमान में न्यूज़ीलैंड में आयरन पोषण को प्रोत्साहित करने या अनिवार्य करने के लिए कोई सरकारी पहल नहीं है।चूंकि, आयरन-पोषण रणनीतियों में न्यूज़ीलैंड सहित कई देशों में इसकी कमी को रोकने की क्षमता है, इसलिए हमारा तर्क है कि हमारे खाद्य पदार्थों में आयरन को शामिल करना आहार में आयरन का स्रोत प्रदान करने का एक सुविधाजनक और लागत प्रभावी तरीका हो सकता है।

एक्सीड ग्रीन फ्यूचर अवार्ड में सम्मानित

मुंबई। टाटा केमिकल्स लिमिटेड के मांबडू यूनिट को लखनऊ में आयोजित किए गए 14वें एक्सीड ग्रीन फ्यूचर अवार्ड एंड कॉन्फ्रेंस 2023 में गोल्ड अवार्ड् से सम्मानित किया गया। यह सम्मान खाद्य और पेय पदार्थ क्षेत्र में जल प्रबंधन और ऊर्जा दक्षता श्रेणी में प्रदान किया गया है। मांबडू प्लांट में जल और ऊर्जा दक्षता प्रथाओं के ज़रिए किए जा रहे कंपनी के प्रयासों की सराहना के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट ईटीपी में पैदा होने वाले खतरनाक कचरे के निपटान के लिए दो सौर ड्रायर का इंस्टॉलेशन टाटा केमिकल्स की उल्लेखनीय पहलों में से एक हैए जिसकी वजह से जमा होने वाले कचरे में 53 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अतिरिक्तए विनिर्माण प्रक्रिया से स्टीम कंडेनसेट को रिक्लेम करने के लिए एक कंडेनसेट रिकवरी प्रणाली लागू की गई है। कंपनी ने बिजली की खपत को कम करने के लिए बॉयलर सिस्टम में वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव्स वीएफडी भी लगाए हैं। टाटा केमिकल्स टाटा समूह के प्रोजेक्ट आलिंगन में उल्लिखित विज़न को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ऐसा विज़न, जो हमारी पृथ्वी के हरितए टिकाऊ और न्यायसंगत भविष्य को बढ़ावा देता है। हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध निजी क्षेत्र की संस्थाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से यह कार्यकम एक काम देश के नाम् की एक शाखाए सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था।

ईरान ने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को धीमा किया : परमाणु ऊर्जा संस्था की रिपोर्ट

वियना। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु ऊर्जा संस्था की एक रिपोर्ट को देखने के बाद एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने सोमवार को कहा कि ईरान ने अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को धीमा कर दिया है। यह गोपनीय रिपोर्ट तब सामने आई है जब ईरान और अमेरिका एक कैदी की अदला-बदली और दक्षिण कोरिया में अरबों डॉलर की ईरानी संपत्ति को मुक्त कराने को लेकर बातचीत कर रहे हैं। यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम धीमा करने को एक संकेत के रूप में देखा जा सकता है कि ईरान 2015 में परमाणु समझौते के उल्लंघन के बाद अमेरिका के साथ वर्षों से चल रहे तनाव को कम करना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संस्थान (आईएईए) की रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान के पास 121.6 किलोग्राम यूरेनियम है जो 60ͨ तक संवर्धित है। यह पिछली गणनाओं की तुलना में बहुत धीमी वृद्धि है। रिपोर्ट के अनुसार, मई में 114 किलोग्राम और फरवरी में 87.5 किलोग्राम का भंडार था।

गैबॉन : निर्वाचित राष्ट्रपति को अपदस्थ करने के बाद सैन्य नेता ने राष्ट्र प्रमुख की शपथ ली

लिबरेविले। मध्य अफ्रीकी देश गैबॉन पर पांच दशक तक शासन करने वाले परिवार के सदस्य और निर्वाचित राष्ट्रपति अली बोंगो ओडिम्बा को अपदस्थ करने के एक सप्ताह के भीतर सैन्य नेता जनरल ब्राइस क्लोटायर ओलिगुई नगुएमा ने सोमवार को राष्ट्र प्रमुख की शपथ ले ली। जनरल नगुएमा ने गैबॉन की राजधानी लिबरेविले स्थित राष्ट्रपति प्रासाद मे सरकारी अधिकारियो, सैन्य अधिकारियो और स्थानीय नेताओं की उपस्थिति मे पद की शपथ ली। नगुएमा अपदस्थ राष्ट्रपति ओडिम्बा के रिश्ते के भाई है। वह ओडिम्बा के दिवंगत पिता के अंगरक्षक और देश की शीर्ष सैन्य इकाई रिपब्लिकन गार्ड के प्रमुख की जिम्मेदारी निभा चुके है। नगुएमा ने तालियों के बीच सोमवार को कहा कि सेना ने बिना खूनखराबे के सत्ता पर कब्जा किया है। उन्होने वादा किया कि स्वतंत्र, पारदर्शी और विश्वसनीय चुनाव के जरिए सत्ता वापस लोगों को सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा, नई सरकार अनुभवी लोगो के साथ बनाई है और हम सभी लोगों को अपनी उम्मीदों को पूरा करने का मौका देंगे।

पहला अफ्रीका जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू

नैरोबी। केन्या की राजधानी नैरोबी मे सोमवार को पहले अफ्रीका जलवायु शिखर सम्मेलन का आगाज राष्ट्राध्यक्षो और अन्य लोगो के साथ हुआ जो एक वैश्विक मुद्दे पर मजबूत आवाज उठा रहे है जिसने 130 करोड़ लोगो के महाद्वीप (अफ्रीका) को सबसे अधिक प्रभावित किया है, भले ही इसमे इस महाद्वीप का योगदान सबसे कम है। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो की सरकार और अफ्रीकी संघ ने मंत्रिस्तरीय सत्र की शुरुआत की जिसमे दर्जन भर से अधिक देशो के राष्ट्राध्यक्षो का आगमन हो रहा है, जो जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर ज्यादा सहयोग एवं वित्तपोषण हासिल करने को लेकर प्रतिबद्ध है। रूटो ने जलवायु संकट, अरबो डॉलर की आर्थिक संभावनाओ, नए वित्तीय ढांचे, अफ्रीका के विशाल खनिज भंडार और साझा समृद्धि के सिद्धांत का जिक्र करते हुए कहा, हमने लंबे समय से इसे एक समस्या के रूप मे देखा है। लेकिन, इसमे अपार संभावनाएं भी है। हम यहां शिकायतो को सूचीबद्ध करने के लिए एकत्रित नही हो रहे है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी नौसेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्तअ तीन सैनिकों की मौत

कराची। पाकिस्तानी नौसेना का एक हेलिकॉप्टर सोमवार को देश के अशांत बलूचिस्तान प्रांत मे नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमे दो अधिकारियो सहित तीन लोगो की मौत हो गई। नौसेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार ने अपनी खबर मे बताया कि यह दुर्घटना प्रांत के शहर ग्वादर मे हेलिकॉप्टर मे तकनीकी समस्या आने के कारण हुई जिससे पाकिस्तानी नौसेना के दो अधिकारी और एक नाविक की मौत हो गई।अखबार की खबर मे एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, संभावित तकनीकी खराबी के कारण प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमे तीन नौसैनिको (दो अधिकारी और एक नाविक) की मौत हो गई। प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है।पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने हेलिकॉप्टर दुर्घटना पर दुख जताया और शोकसंतप्त लोगो के लिए संवेदनाएं व्यक्त की। पिछले साल सितंबर मे ही बलूचिस्तान प्रांत मे हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो मेजर समेत छह पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियो की मौत हो गई (

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that **Mrs. Sunneeta Devi Gupta D/o Chhaki Lal Gupta** who is purchasing the Property No. J- 3/1, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 672, situated at village Ghonda Gujran, Khadar, in the abadi of J-Block, Jai Prakash Nagar, Ghonda, Illaqa, Shahdara, Delhi-110053; from **Mrs. Beena Sharma** W/o Mr. Pramod Kumar, who is owner of the aforesaid property vide Notarized Agreement to Gift dated 16.01.2023 & Notarized Family Will Deed dated 16.01.2023, which is executed by Mr. Tushar Sharma S/o Mr. Pramod Kumar; and same to be finance & mortgage by **Ummeed Housing Finance Private Limited**. That the 1) Death Certificate of Mr. Saudagar Mal S/o Mr. Shyam Dass, expired 24.05.2020 & 2) Surviving Member Certificate (SMC) of Late Mr. Saudagar Mal; is Lost/ Misplaced/Not available. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/ creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **7 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Lucem Legal LLP
Plot no.136, (Basement) Uday Park, New Delhi-110049, Contact# 011-40046316

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that **Sunaina Magan & Priyanka Magan** claims to be owner and in possession of Prop. No. 77, in Block-B, Sector-92, Noida, U.P. (hereinafter called the said property) by virtue of Mutation Letter dt 23.05.2023 issued by Noida on basis of NOC from Radhika Magon, K. Anhita Magor, K Sanvi Magon, being the surviving legal heir/s of late Harish Magan & said Harish Magan was the owner of said property by virtue of Transfer Deed Dated 07.07.2011 bearing Doc No. 5390 & said Sunaina Magan & Priyanka Maganhas agreed to sell the said Property to **PREETI SINGH ARORA** & Said **PREETI SINGH ARORA** has agreed to create a mortgage in favour of our clients Axis Bank Limited, Axis House, Sector 128, Noida, U.P., any person/s having claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within **14 days** from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and /or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
Advocates and Solicitors
H. No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi-19
Mobile No. 9818399999

NATIONAL CONSUMER DISPUTES REDRESSAL COMMISSION
Under the Consumer Protection Act, 2019
Upbhokta Nyay Bhawan
'F'- Block, General Pool Office Complex, INA, New Delhi-110023
Telephone No.: 011-24608801-04
Fax No.: 011-24651505
Email: ncdrc[at]nic[dot]in
Website: www.ncdrc.nic.in

Consumer Case No. 78 of 2022
PRADEEP VERMA & ORS. ....Petitioner/Appellant
Versus
COLORS HOUSING SOCIETY & ORS. ....Opposite Party/Respondent(s)

To
Opposite Party / Respondent Name:
1 COLORS HOUSING SOCIETY
Through its Government Body, Reg. number: S/RS/SW/1128/2014, Office at: Plot No. 49B, Pocket-7, Sector-29B, Dwarka. New Delhi-110075
1(a) COLORS HOUSING SOCIETY
Office at: 303, Third Floor, ABW Tower, IFFCO Chowk, M.G. Raod, Gurugram, Haryana-122002
2 ISHI BUILDWELL PVT. LTD.
Regd. Office at: Flat No. EWS-053, Second Floor, Raheja Atlantis, Gurugram, Haryana-122001.
3 VANSHI BUILDTECH PVT. LTD.
Regd. Office at: 1/33, Basement Space, B-4, Old Rajinder Nagar, Central Delhi-110060

NOTICE
(Service By way of Publication of Notice)

Whereas, a Consumer Complaint No. 78 of 2022 has been filed by the Complainants namely Pradeep Verma & Ors. through its Counsel Mr. Atul Kumar Singh, Advocate, Office at: KS Law Office, F-150, GF, Sector-22, Noida, Uttar Pradesh. Mobile-9555526556., before the Hon'ble National Consumer Disputes Redressal Commission, New Delhi.

The Consumer Complaint relates to allegations of deficiency in services coupled with unfair trade practices and negligence acts of the Opposite Parties to act/perform in terms of housing scheme and welcome/allotment letter duly executed between the parties from year 2014 to 2017.

The above mentioned parties have been arraigned as Opposite Party(ies) in the Consumer Complaint, and, it has been brought to the notice of the Hon'ble National Commission by the Complainants that the above mentioned Opposite Parties have remained unserved.

And whereas, the Hon'ble National Commission vide its order dated 27.07.2023 has, inter alia, posted the case for hearing on 03.01.2024 directing for substituted service of the hearing notice to the Opposite Party by way of publication in two Newspapers one in English language and the other in Local Language.

Accordingly, take Notice that the above captioned Opposite Parties are hereby directed to attend the hearing in the above Consumer Complaint listed on **03.01.2024** at **10:30 AM**, in-person or through an authorized representative / counsel, failing which, the case will be heard and determined ex-parte by the Hon'ble National Commission.

Dated New Delhi, on this 09th August, 2023
(Seal) **Assistant Registrar**

20 साल से लांच ही नहीं हो रहा कांग्रेस का राहुल यान : राजनाथ

भाषा। नीमच

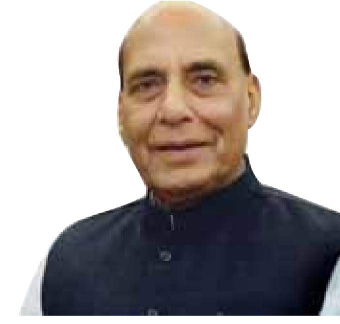

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का राहुल यान 20 साल से लांच ही नहीं हो पाया है। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा का नीमच से हरी झंडी दिखाने आए सिंह ने कहा, कांग्रेसी समझ गए हैं कि अकेले भाजपा को हरा नहीं सकते, इसलिए उन्होंने कई पार्टियों को मिलकर एक कुनबा (विपक्षी गठबंधन) बना लिया है और उसका नाम रख दिया इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस)। उन्होंने कहा, आज भारत चांद पर पहुँच गया है, मंगल ग्रह की यात्रा कर रहा है, हम सूर्य के नजदीक पहुँच रहे हैं। आज सारे विश्व में इसकी सराहना हो रही है। हम चांद और सूर्य तक पहुँच रहे हैं लेकिन कांग्रेस का राहुल यान 20 साल से आज तक लांच ही नहीं हो रहा है।

सिंह ने कहा, ये लोग सनातन को समाप्त करने की बात कर रहे हैं। हमारे यहां सर्प को भी दूध पिलाकर उसके दीर्घजीवी होने की कामना करते हैं। सनातन धर्म में जात, पंथ एवं धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है, लेकिन कांग्रेस के एक घटक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के नेता ने सनातन धर्म के खिलाफ जो टिप्पणी की है क्या कांग्रेस को ऐसे घटक से अलग नहीं हो जाना चाहिए? उन्होंने देश की जनता से कहा, सनातन धर्म का विरोध करने वालों को वोट के माध्यम से मुँह तोड़ जवाब देना चाहिए।

विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया रखे जाने पर सिंह ने कहा, हम लोगों ने भी एक बार शाइनिंग इंडिया का नारा दिया था.. हम लोग (लोकसभा चुनाव) हार गए थे और आपने (विपक्षी दल) यदि इंडिया का गठन कर लिया है, तो आपकी हार तय है। हाल ही में बना विपक्षी गठबंधन इंडिया 28 दलों का समूह है। उन्होंने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के बारे में अपमानजनक टिप्पणी किए जाने के बाद कांग्रेस को इस पार्टी से नाता तोड़ लेना चाहिए या उसकी टिप्पणी के लिए लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस ने एक कुनबा जोड़ा है, जिनके नेता सनातन धर्म को खत्म करने की बात कहकर हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं। क्या इस तरह के गठबंधन देश का भला कर सकते हैं। सोनिया गांधी जी क्या सनातन को खत्म करने के लिए ही आपने गठबंधन बनाया है? चौहान ने आगे कहा, सनातन को कोई खत्म नहीं कर सकता, लेकिन सनातन को समाप्त करने वाले जरूर समाप्त हो जाएंगे। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री चौहान की खूब तारीफ भी की। सिंह ने कहा, जन आशीर्वाद यात्रा आज नीमच से प्रारंभ हो रही है। मेरे भाइयों बहनों, हमारे प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री चौहान को आपका आशीर्वाद चाहिए। उन्होंने कहा, शिवराज राजनीति के धोनी हैं यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। शुरुआत कैसी भी हो लेकिन अच्छा फिनिश देकर वह मैदान जीतना जानते हैं। शिवराज ने लोगों की सेवा की है, इसलिए उन्हें जनता का विश्वास प्राप्त होता है। सिंह ने कहा, कभी बीमारू राज्य के रूप में पहचान रखने वाले मध्य प्रदेश को विकसित राज्य बनाने का काम मुख्यमंत्री चौहान ने किया। राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है, इसमें मध्य प्रदेश का भी बहुत बड़ा योगदान है। 2003 से पहले मध्य प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद 71,594 करोड़ थी, जो आज 13.82 लाख करोड़ हो गई है, जबकि देश की अर्थव्यवस्था में मध्य प्रदेश का योगदान लगभग 3 प्रतिशत था, जो आज बढ़कर 4.8 प्रतिशत हुआ है। उन्होंने कहा कि जो भारत पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था के आकार में 10 नंबर पर था वो भारत आज 5वें स्थान पर आ गया है, मोदी जी के नेतृत्व में ए करिश्मा हुआ है। सिंह ने मध्य प्रदेश में डेढ़ साल के लिए बीच में आए कमलनाथ ने भाजपा सरकार की जनहित की योजनाओं को बंद कर दिया और केन्द्र की योजनाओं को बाधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर चुनाव में गरीबी हटाओ का नारा देती रही, लेकिन गरीब गरीब रहता चला गया। लेकिन नीति आयोग की रिपोर्ट आई है जिसमें कहा गया है कि मोदी के प्रधानमंत्री रहते हुए 13.50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए हैं।

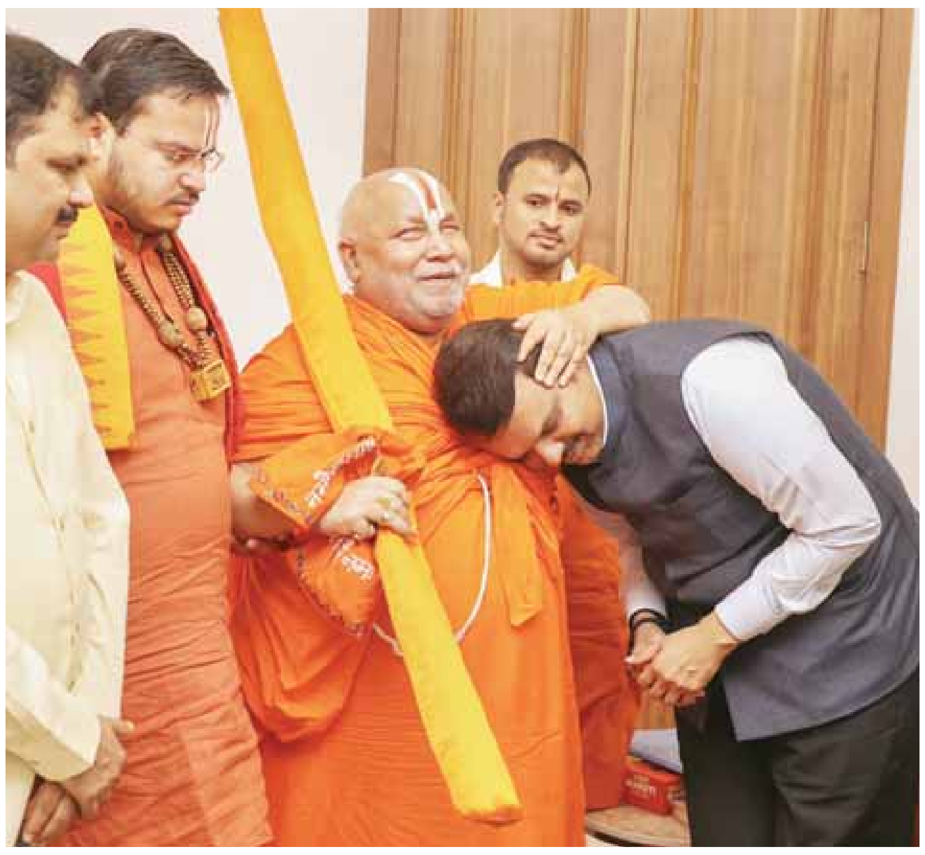

मुंबई में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस को आशीर्वाद देते स्वामी रामभद्राचार्य

उपहार खरीद घोटाले में आईआरएफसी के पूर्व प्रमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोने के सिक्के जैसे उपहारों की खरीद एवं वितरण में कथित अनियमितता को लेकर भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमिताभ बनर्जी के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ए सिक्के उपहार के तौर पर बांटने के लिए खरीदे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि सीएमडी के रूप में पदोन्नत होने से पहले, 2019 में सार्वजनिक उपक्रम में प्रबंध निदेशक पद पर नियुक्त बनर्जी को वित्तीय अनियमितता और पद के दुरुपयोग के आरोपों में पिछले साल बर्खास्त कर दिया गया था।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मंजूरी मिलने के बाद सीबीआई को यह जांच सौंपी गई। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे के सतर्कता विभाग को जब आईआरएफसी द्वारा सोने के सिक्कों और अन्य वस्तुओं की खरीद एवं वितरण में कथित अनियमितता किए जाने की सूचना मिली, तब जांच शुरू की गई। उन्होंने बताया कि दो फाइल की जांच की गई और सोने के सिक्के तथा अन्य उपहार की खरीद एवं वितरण में शामिल व्यक्तियों के बयान दर्ज किए गए। अब प्राथमिकी का हिस्सा बन चुकी सतर्कता विभाग की शिकायत में कहा गया है, सारे प्रयासों के बावजूद, तत्कालीन सीएमडी अमिताभ बनर्जी के नेतृत्व में आईआरएफसी अधिकारियों ने सोने के सिक्कों और कॉरपोरेट उपहार की वस्तुओं के लाभार्थियों की सूची नहीं मुहैया की। इसमें कहा गया है, इस तरह की कीमती वस्तुओं की खरीद एवं वितरण के लिए कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) या निर्धारित प्रक्रिया की जानकारी आईआरएफएसी अधिकारियों ने नहीं दी।

अब न्योता मिलने पर भी जन आशीर्वाद यात्रा में नहीं जाऊंगी

भोपाल (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने सोमवार को मध्य प्रदेश में एक दिन पहले शुरू की गई पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा में आमंत्रित नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने एक्स पर लिखा है, मुझे जन आशीर्वाद यात्रा के प्रारंभ में निमंत्रण नहीं मिला। यह सच्चाई है मैंने ऐसा कहा है। लेकिन निमंत्रण मिलने या ना मिलने से मैं छोटी या बड़ी नहीं हो जाउंगी। हां अब यदि मुझे निमंत्रण दिया गया तो मैं कहीं नहीं जाऊंगी। ना प्रारंभ में, ना 25 सितंबर के समापन समारोह में। ?

भाजपा नेता ने हालांकि यह भी कहा, मेरे मन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति सम्मान एवं उनके मन में मेरे प्रति स्नेह की डोर अटूट मजबूत है। शिवराज जी जब और जहाँ मुझे चुनाव प्रचार करने के लिए कहेंगे मैं उनका मान रखते हुए उनकी बात मानकर चुनाव प्रचार कर सकती हूँ। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को चित्रकूट से पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया है। भाजपा मध्य प्रदेश में पांच अलग-अलग स्थानों से यात्राएं निकाल रही है, जिसका समापन 25 सितंबर को राज्य की राजधानी भोपाल में कार्यकर्ता महाकुंभ के साथ होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हो सकते हैं। जन आशीर्वाद यात्राओं के दौरान भाजपा विशाल जनसभाओं के माध्यम से लोगों तक पहुंचेगी और केंद्र तथा राज्य की कल्याणकारी योजनाओं और उनकी उपलब्धियों को बताएगी।

भारती ने कहा, जिनके खून पसीने से यह भाजपा बनी है मैं उन लोगों में से हूँ। पार्टी का कभी नुकसान नहीं करूँगी। उन्होंने कहा, जो मैंने कल कही, यह (बात) किसी ठेस या आक्रोश से नहीं निकली। जब भोपाल के बंसल अस्पताल में मेरे चेकअप हुए और तब मैंने सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों में जमीन-आसमान का अंतर पाया तथा सरकारी एवं निजी शिक्षा में भी यही अंतर है और तभी से मैंने कहना शुरू किया। भारती ने कहा, हम सब नेताओं को, विधायकों, सांसदों, मंत्रियों, मुख्यमंत्रिओं एवं सभी अधिकारियों को सरकारी अस्पताल में इलाज कराना चाहिए और बच्चों को पढ़ने के लिए सरकारी स्कूल में भेजना चाहिए। तभी इन व्यवस्थाओं में सुधार हो पाएगा और यह अभियान का स्वरूप ले सकेगा। उन्होंने कहा, शादियों की फ़िज़ूलखर्ची और हमारे नेताओं का पांच सितारा होटलों में रुकना इसको मैं शुरू से ही गलत मानती हूँ। मोदी जी भी इस तरह की जीवनशैली को सख्त नापसंद करते है। मैं आगे भी यह बातें कहती रहूँगी। हम गाँधी जी, दीनदयाल जी एवं मोदी जी की सीखों की अनदेखी नहीं कर सकते।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और उनके बेटे के खिलाफ अदालत में याचिका

मुजफ्फरपुर (बिहार)। चार सितंबर (भाषा) सनातन धर्म के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां करने को लेकर सोमवार को एक अदालत में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ एक याचिका दायर की गई। मुजफ्फरपुर में एक अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पंकज कुमार लाल की अदालत के समक्ष उक्त याचिका दायर की है जिसमें आरोप लगाया गया कि उदयनिधि ने अपनी टिप्पणियों से हिन्दुओं की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। पहले भी कई लोगों के खिलाफ याचिकाएं दायर कर चुके ओझा ने स्टालिन और उनके पुत्र उदयनिधि के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई की अगली तिथि 14 सितंबर तय की है। उदयनिधि ने सनातन को नष्ट करने की बात कही थी।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान समर्थक नारा : न्यायालय ने नेकां नेता से संविधान के प्रति निष्ठा का शपथपत्र देने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता मोहम्मद अकबर लोन से भारत के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेते और देश की संप्रभुत्ता को स्वीकार करते हुए एक हलफनामा दाखिल करने को कहा। न्यायालय ने 2018 में जम्मू कश्मीर विधानसभा में लोन द्वारा कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाए जाने से पैदा हुए विवाद के बाद यह निर्देश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच सदस्ईय पीठ से कहा कि लोन मंगलवार तक हलफनामा दाखिल करेंगे। लोन, पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाले प्रमुख याचिकाकर्ता हैं। सिब्बल ने कहा कि अगर लोन यह हलफनामा दाखिल नहीं करते हैं तो वह उनकी पैरवी नहीं करेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, वह लोकसभा सांसद हैं। वह भारत के नागरिक हैं और उन्होंने संविधान द्वारा अपने पद की शपथ ली है। वह भारत की संप्रभुत्ता को स्वीकार करते हैं। इससे पहले, केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि केंद्र सरकार चाहती है कि लोन वर्ष 2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के लिए माफी मांगें। उन्होंने कहा कि लोन को यह बताना होगा कि वह संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं, साथ ही जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नारा लगाने के लिए उन्हें माफी मांगनी होगी। कश्मीरी पंडितों के एक समूह ने एक सितंबर को उच्चतम न्यायालय में नेकां नेता लोन की साख पर सवाल उठाते हुए दावा किया था कि वह अलगाववादी ताकतों के समर्थक हैं।

कांग्रेस में अपनी पार्टी का विलय कर सकती हैं शर्मिला

नई दिल्ली। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की नेता वाईएस शर्मिला जल्द ही अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर सकती हैं। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों का यह भी कहना है कि शर्मिला 17 सितंबर को तेलंगाना में होने वाली कांग्रेस की विशाल रैली में भी शामिल हो सकती हैं। शर्मिला से संबंधित सवाल पर कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, शर्मिला जी ने कांग्रेस संसदीय दल प्रमुख सोनिया गांधी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की है। यह एक बहुत ही सौहार्दपूर्ण बैठक थी, बहुत अच्छी बैठक थी। मुझे लगता है कि उन्होंने खुद मीडिया से इस बारे में बात की थी। बाकी प्रतीक्षा करें और देखें। शर्मिला ने दो सितंबर को कहा था कि एक साथ काम करने या संभावित विलय पर कांग्रेस पार्टी के साथ उनकी बातचीत अंतिम चरण में है। देश की सबसे पुरानी पार्टी में वाईएसआरटीपी के विलय की अटकलों के बीच शर्मिला ने दिल्ली में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पिछले दिनों मुलाकात की थी।

पीसीएस-जे में बजा मेधावियों का डंका

बाराबंकी। श्रीरामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज में डायरेक्टर डॉ. रोहित पी साबरन के कुशल शिक्षा संचालन के फलस्वरूप संस्थान का नाम पुन: बुलन्दी पर पहुंचा है। इस उपलब्धि के लिए डॉ. साबरन ने चांसलर पंकज अग्रवाल एवं प्रो चांसलर पूजा अग्रवाल के कुशल व्यवस्थापन एवं मार्गदर्शन को कोटि-कोटि धन्यवाद दिया। उन्होंने कहाकि ऐसे ही सहयोग एवं विश्वास की शृंखला को आगे बढ़ाते हुए नित नयी ऊंचाइयों की और संस्था को ले जाना है। वहीं बाइस चांसलर प्रो. डीके शर्मा ने उद्बोधन में इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्ता युक्त फैकल्टी की नियुक्ति ही ऐसे सुखद निष्कर्ष का कारण है। हमारे संस्थान में एक से बढ़कर एक ज्ञानी और रचनात्मक शिक्षक हैं जिनके अनुभव और ज्ञान का सदुपयोग यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को मिलता रहता है। यूपी पीसीएस-जे में चयनित होने वाले यहां के विद्यार्थियों में सृष्टि शुक्ला, आरुष, रोली तिवारी, सिद्धांत सोलंकी, प्रगति, शर्मिष्ठा साहू शामिल हैं। वहीं दिल्ली ज्यूडिशियरी में संस्थान के छात्र अक्षय प्रकाश ने सफलता प्राप्त की है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर यहां के शिक्षकों एवं मैनेजमेंट के सम्मानित पदाधिकारियों ने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

मध्य प्रदेश में चल रही मोदी लहर: शिवराज सिंह चौहान

दीपक के उप्रेती। भोपाल

● **कहा-विधानसभा चुनाव में स्पष्ट जनादेश मिलेगा, कांग्रेस को दिख रही हार**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं को कई वित्तीय लाभ और नौकरी में आरक्षण दिया जाना 'रेवड़ी' नहीं है, बल्कि राज्य में 'महिला सशक्तीकरण' को संस्थागत बनाने के वास्तविक प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को आगामी विधानसभा चुनाव में 'स्पष्ट जनादेश' की प्रतीक्षा है, क्योंकि कांग्रेस के पास कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) नहीं है। इस सवाल पर कि क्या राज्य में मुख्यमंत्री का चेहरा पेश करने के बजाय 'सामूहिक नेतृत्व' के साथ चुनाव हो सकता है, उन्होंने कहा, 'क्यों नहीं (सामूहिक नेतृत्व)?' भोपाल में अपने सुरम्य 'श्यामला हिल्स' आवास पर पायनियर से बात करते हुए, चौहान ने कहा, 'कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह है और राज्य में मोदी लहर चल रही है तथा कांग्रेस को हार दिख रही है।' राज्य विधानसभा चुनाव में 18 दिवसीय 'जन आशीर्वाद यात्रा' में व्यस्त मुख्यमंत्री ने कहा, 'विकास और जन कल्याण ही एक मुद्दा भाजपा का है चुनाव में'।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के साथ मध्य प्रदेश में अगले दो महीनों में चुनाव होने जा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों में विधानसभाएं 17 दिसंबर तक अपना कार्यकाल पूरा कर लेंगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस का विकास मॉडल और कर्नाटक में फ्रीबी मॉडल मध्य प्रदेश में भी विपक्षी पार्टी के लिए काम कर सकता है, चौहान ने कहा, 'कोई मॉडल काम नहीं करेगा...कांग्रेस के पास कोई सीएमपी नहीं है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने चुनाव अभियान में 'बहुत नीचे गिर रही है' और अनर्गल आरोप (भ्रष्टाचार) लगा रही है 'क्योंकि वे जानते हैं कि वे

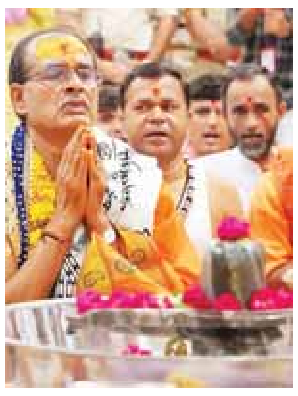

उज्जैन में भगवान शिव की पूजा करते मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

चुनाव नहीं जीतेंगे।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस दलालों का अड्डा बन गया है..आयकर और प्रवर्तन निदेशालय ने उनके नेताओं से कई करोड़ रुपये बरामद किए हैं।' भाजपा में मुख्यमंत्री पद के चेहरे के सवाल पर और क्या पार्टी कर्नाटक की तरह मध्य प्रदेश में भी 'सामूहिक नेतृत्व' अपनाएगी, इस सवाल पर चौहान ने कहा, 'हां, क्यों नहीं... हम मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चिंतित नहीं हैं, हमारा ध्यान इस पर है लोगों की सेवा करना।' कई कांग्रेस नेताओं के भाजपा में चले जाने और भगवा पार्टी में कई लोगों के इस कारण असुरक्षित महसूस करने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस ने बहुत सारे वादे नहीं निभाए, इसलिए सिंधिया और भी नेता हमारे पास हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी इस बार ग्वालियर-चंबल क्षेत्र सहित पूरे क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा बालिका शिक्षा से संबंधित महिला-उन्मुख योजनाओं की घोषणा की गई, जिसमें 'कन्या विवाह' के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना, राज्य में स्थानीय चुनाव इकाइयों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, शिक्षण नौकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण और संपत्ति का अधिकार देना शामिल है। उन्होंने कहा, 'ये रेवड़ियां मुफ्त चीजें नहीं हैं, बल्कि महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण और पुरुषों के बराबर महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने का एक प्रामाणिक कदम है।'उन्होंने सवाल करते हुए कहा, ' महिलाओं को और अधिक अधिकार क्यों नहीं दिए जाते...क्या वे ऊंचाइयों तक पहुंचने के लायक नहीं हैं?' उन्होंने कहा, 'मैंने 30 फीसदी आरक्षण महिलाओं को दिया...आज बेटियां कमांड कर रही हैं, सरकार चला रही हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज हमने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है कि टोल टैक्स काउंटर महिलाएं चलायेंगी।'

महिला केंद्रित योजनाओं का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि महिला के नाम पर संपत्ति का पंजीकरण कराने के लिए स्टांप शुल्क में एक प्रतिशत की कटौती के परिणाम सामने आए हैं और राज्य में 45 प्रतिशत महिलाएं संपत्तियों की मालिक हैं। उन्होंने कहा कि इन कल्याणकारी उपायों से लिंगानुपात में सुधार हुआ है और 'राज्य में 956/1000 बेटियों का पंजीकरण हुआ है।' राज्य के चार बार के मुख्यमंत्री 64 वर्षीय शिवराज सिंह ने कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि महिलाएं कम से कम 10000 रुपये मासिक कमाएं और हम इस लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं...और यह कोई रेवड़ी नहीं है।'

मोहन भागवत का बयान निरर्थक, हम भारतीय हैं, हिंदू नहीं: जमीयत प्रमुख

नई दिल्ली (भाषा)। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने हर भारतीय के हिंदू होने संबंधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के बयान को निरर्थक करार देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि संघ देश में शांति, सद्भाव और भाईचारे को लेकर अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हट गया है। जमीयत की ओर से जारी बयान मुताबिक, मदनी ने संवाददाताओं से बातचीत में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) का समर्थन भी किया और कहा कि देश में नफरत का माहौल खत्म करने के लिए राजनीतिक बदलाव जरूरी है। भागवत ने पिछले दिनों कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और सभी भारतीय हिंदू हैं तथा हिंदू सभी भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने लोगों की अपेक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा था कि संघ को इस सबके बारे में सोचना चाहिए।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने सात विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति की

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस द्वारा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति करने के फैसले पर सोमवार को शिक्षामंत्री ब्रत्य बसु ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राजभवन पर तानाशाही पूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि इस कदम से विश्वविद्यालय प्रणाली नष्ट हो सकती है। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्यपाल का कदम राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयक का उल्लंघन है, जो कुलाधिपति के तौर पर राज्यपाल और राज्य सरकार की विश्वविद्यालयों में भूमिका और कार्यों से संबंधित है। राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के तौर पर राज्यपाल ने रविवार रात को सात विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति की जिनमें प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, मौलाना अबुल कलाम आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्द्धवान भी शामिल हैं। बसु ने कहा, राज्यपाल के हालिया कदम का उद्देश्य उच्च शिक्षा प्रणाली को नष्ट करना है। वह संबंधित राज्य विश्वविद्यालयों की कानूनी स्थिति को नष्ट कर रहे हैं। ऐसी नियुक्तियां बिना किसी से सलाह के की गई हैं। वह तानाशाही पूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्यपाल कानून के तहत राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं लेकिन वह सीमा का उल्लंघन नहीं कर सकते। हम राज्यपाल की ऐसी कार्रवाई पर मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे।

राज्य विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपतियों सहित शिक्षाविदों के एक समूह ने राज्यपाल द्वारा कई विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति को मनमाना और अवैध बताया। शिक्षाविदों के एक मंच ने यह भी कहा कि ऐसी नियुक्तियों से राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को कोई लाभ नहीं होगा। प्रोफेसर राजकुमार कोठारी को पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय का अंतरिम कुलपति नियुक्त किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति सुभ्राकमल मुखर्जी को प्रेसीडेंसी विवि का अंतरिम कुलपति बनाया गया है। उनके पास रबींद्र भारती विवि का अंतरिम प्रभार भी है। प्रो. देबब्रत बसु को उत्तर बंग कृषि विवि का अंतरिम कुलपति नियुक्त किया गया है, जबकि प्रोफेसर तपन चंदा को मौलाना अबुल कमाल आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी का अंतरिम कुलपति बनाया गया है। प्रोफेसर गौतम चक्रवर्ती को बर्द्धवान विश्वविद्यालय का प्रभार दिया गया है और प्रोफेसर इंद्रजीत लाहिड़ी को नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी का अंतरिम कुलपति बनाया गया है। प्रोफेसर श्याम सुंदर दाना को पश्चिम बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय का अंतरिम कुलपति नियुक्त किया गया है।

आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक अगले सप्ताह पुणे में होगी

● **देश के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य पर भी होगी चर्चा**

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय समन्वय बैठक अगले सप्ताह पुणे में आयोजित होगी, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा की स्थिति से लेकर देश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक 14 सितंबर को शुरू होगी, जिसमें सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले तथा सभी पांच सह सरकार्यवाह.. डॉ. मनमोहन वैद्य, डॉ. कृष्ण गोपाल, सी.आर. मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी शामिल होंगे। इसमें भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और संघ प्रेरित 35 विविध संगठनों के प्रमुख भी हिस्सा लेंगे। इन संगठनों में राष्ट्र सेविका समिति, विश्व हिन्दू परिषद, वनवासी कल्याण आश्रम, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ, संस्कार भारती, संस्कृति भारती, सेवा भारती आदि शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, बैठक 16 सितंबर को समाप्त होगी। बैठक में वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य के साथ ही सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, सेवा कार्य, सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। इसमें सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न क्षेत्रों में करणीय कार्यों पर भी चर्चा होगी। पिछले वर्ष आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक छत्तीसगढ़ में हुई थी।

मराठवाड़ा के मराठों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने पर समिति एक महीने में रिपोर्ट देगी : शिंदे

भाषा। मुंबई

मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शन के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठों को कैसे कुनबी जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाए, इसे लेकर समिति एक महीने के भीतर रिपोर्ट देगी। कुनबी जाति कृषि से जुड़ी है और महाराष्ट्र में इसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अंतर्गत रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र जारी करने के तरीके पर विचार करने के लिए समिति गठित की गई है और एक महीने के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है। राज्य सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है और सौहार्दपूर्ण समधान तलाशने के लिए काम कर रही है। मराठा समुदाय शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग कर रहा है। महाराष्ट्र सरकर ने 2018 में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के तहत मराठा समुदाय को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की व्यवस्था की थी लेकिन मई 2021 में उच्चतम न्यायालय ने अन्य आधारों के साथ-साथ कुल आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा पार होने का हवाला देते हुए राज्य सरकार के फैसले को रद्द कर दिया। शिंदे ने कहा, मैंने अधिकारियों को मराठा आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का अध्ययन करने और समाधान सुझाने का निर्देश दिया है। हमें यह स्थापित करने की जरूरत है कि मराठा समुदाय पिछड़ा हुआ है।

हालांकि, जालना जिलें में भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जारांगे पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि जब तक मराठा समुदाय को शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण देने का सरकारी आदेश (जीआर) जारी नहीं किया जाता है, तब तक वह अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त नहीं करेंगे। जालना जिले के अंतरवाली सारथी गांव में शुक्रवार को पुलिस ने हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। मराठा आरक्षण के लिए भूख हड़ताल पर बैठे जारंगे को अधिकारियों अस्पताल ले जाना चाहते थे किंतु प्रदर्शनकारियों ने ऐसा नहीं होने दिया, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्वाई की। हिंसा में 40 पुलिसकर्मी सहित कई लोग घायल हो गए और राज्य परिवहन की 15 बसें आग के हवाले कर दी गईं। दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को कहा कि मराठा समुदाय को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के प्रावधानों को प्रभावित किए बिना नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण दिया जाना चाहिए।

भारत ने सुपर चार में जगह बनाई

एशिया कप : डकवर्थ लुईस से नेपाल को 10 विकेट से हराया

भाषा। पालेकल (श्रीलंका)

भारत ने नेपाल को बारिश से प्रभावित मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 10 विकेट से हराकर एशिया कप एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार में जगह बनाई। नेपाल ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर 48.2 ओवर में 230 रन बनाए। भारत ने जब 2.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के 17 रन बनाए थे, तब बारिश के कारण लगभग दो घंटे तक खेल रुका रहा। इसके बाद भारत को डकवर्थ लुईस पद्धति से 23 ओवर में 145 रन का लक्ष्य मिला। भारत ने 20.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के 147 रन बनाकर जीत दर्ज की। इससे पहले सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख के अर्धशतक और सोमपाल कामी की आकर्षक पारी की मदद से नेपाल ने एशिया कप एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में सोमवार को यहां भारत के खिलाफ 48.2 ओवर में 230 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। नेपाल को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आसिफ शेख (97 गेंदों पर 58 रन) और कुशाल भुर्तेल (25 गेंदों पर 38 रन) ने शुरू में मिले जीवनदान का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। निचले क्रम में सोमपाल ने 56 गेंदों पर 48 रन का उपयोगी योगदान किया।भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए, लेकिन दूसरे स्पिनर कुलदीप यादव (10 ओवर में 34 रन) को कोई सफलता नहीं मिली। तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज ने 61 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर और हार्दिक पंड्या को एक-एक विकेट मिला। भारत के पास मैच की पहली सात गेंदों पर ही नेपाल के दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने का मौका था लेकिन शमी की पारी के पहले ओवर की अंतिम गेंद पर श्रेयस अय्यर ने भुर्तेल का कैच छोड़ा जबकि सिराज की पहली गेंद पर विराट कोहली ने आसिफ का आसान कैच टपकाया। भुर्तेल को इशान किशन ने भी जीवनदान दिया। नेपाल के बल्लेबाजों ने इसके बाद नियमित अंतराल में गेंद को सीमा रेखा तक पहुंचाकर भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश की। नेपाल ने पहले पावरप्ले के 10 ओवरों में एक विकेट पर 65 रन बनाए जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल हैं। भारत को पहली सफलता 10वें ओवर में ठाकुर ने भुर्तेल को विकेट के पीछे कैच कराकर दिलाई, जिन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद भारतीय गेंदबाज हावी हो गए। नेपाल ने अगले पांच ओवरों में केवल 12 रन बनाए और इस बीच भीम शर्की (07) का विकेट गंवाया जिन्होंने जडेजा की गेंद अपने विकेटों में खेली। जडेजा ने कप्तान रोहित पॉडेल (05) और कुशाल मल्ला (02) को भी नहीं टिकने दिया। आसिफ ने एक छोर संभाले रखा और 88 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके बाद सिराज ने उन्हें शार्ट कवर पर कैच देने के लिए मजबूर किया और इस बार कोहली ने भी कोई गलती नहीं की। आसिफ ने अपनी पारी में आठ चौके लगाए। गुलशन झा (23) दोहरे अंक में पहुंचने वाले तीसरे बल्लेबाज थे। सिराज ने उन्हें किशन के हाथों कैच कराया।

स्कोरबोर्ड

नेपाल पारीः भुर्तेल क इशान बो शार्दुल 38 शेख क कोहली बो सिराज 58 शर्की बो जडेजा 07, पौडेल क शेटी बो जडेजा 05, मल्ला क सिराज बो जडेजा 02, झा क इशान बो सिराज 23, ऐरी पगबाधा पंड्या 29,कामी क इशान बो शमी 48, लामिछाने रन आउट 09, के सी नाबाद 02, राजबंशी बो सिराज 00,अतिरिक्त : (लेग बाई-03 , वाइड: 06) 09,कुल योग: (48. ओवर में सभी आउट) 230, विकेट पतनः1-65 , 2-77, 3-93 , 4-101 , 5-132, 6-144, 7-194, 8-228, 9-230,गेंदबाजीःशमी 7-0-29-1,सिराज 9.2-1-61-3,पंड्या 8-3-34-1,शार्दुल4-0-26-1,जडेजा 10-0-40-3, कुलदीप 10-2-34-0

टीमों की सुपर फोर पर होंगी नजरें

श्रीलंका को हराने के इरादे से उतरेगा अफगानिस्तान

भाषा। लाहौर

अफगानिस्तान को एशिया कप सुपर फोर की दौड़ में अपना दावा पुख्ता करने के लिए श्रीलंका के खिलाफ गेंदबाजी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है। उसे ग्रुप बी में शीर्ष दो में रहने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। रविवार की रात को मिली हार के बाद अफगानिस्तान का रनरेट नेगेटिव में है जबकि पहले मैच में बांग्लादेश को हराने वाली श्रीलंका का रनरेट पॉजिटिव 0.951 है। अफगानिस्तान के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाने के बाद बांग्लादेश का रनरेट काफी बेहतर है और उसका सुपर फोर में जाना लगभग तय है। गद्दाफी स्टेडियम पर यह दूसरा मैच है और इसमें भी रनों का अंबार लगने की उम्मीद है। तेज गेंदबाजों के अभाव में अफगानिस्तान की गेंदबाजी का दारोमदार स्पिनर राशिद खान और मुजीब जदरान पर है। राशिद को एक भी विकेट नहीं मिल सका और उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अफगानिस्तान की फील्डिंग में भी काफी सुधार की जरूरत है। उनके लिए हालांकि सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान का फॉर्म अच्छा संकेत है। दूसरी ओर श्रीलंका को उम्मीद होगी कि बांग्लादेश के खिलाफ नाकाम रहा उनका शीर्षक्रम तेजी से रन बनाए। तीन चोटिल तेज गेंदबाजों की गैर मौजूदगी में युवा मथीशा पथिराना ने पहले मैच में चार विकेट लिए और एक बार फिर उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ नई गेंद संभालने वाले पथिराना को फिर यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। अफगान कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने रविवार की हार के बाद कहा था , हमें सभी विभागों में सुधार करना होगा। हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं थी और ना ही क्षेत्ररक्षण। लाहौर हमारे देश के पास है लिहाजा हमारे प्रशंसक इसका इंतजार कर रहे होंगे। उम्मीद है कि वे अगले मैच में हमारी हौसलाअफजाई के लिए आएंगे।

दीक्षा आयरिश ओपन में सातवें स्थान पर रही

डबलिन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने अच्छी शुरूआत के बाद लय खो दी और आखिरी दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में सातवें स्थान पर रही। वह इस साल छठी बार शीर्ष दस में रही है। इसके साथ ही वह लेडीज यूरोपीय टूर के आर्डर आफ मेरिट में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने अदिति अशोक की जगह ली जो एलईटी और अमेरिका मे लेडीज पीजीए दोनों खेल रही है। सत्र के आखिर में शीर्ष चार में रहने वालों को लेडीज पीजीए टूर कार्ड मिलेगा। स्मिला टार्निंग सोडरबाय दस अंडर 62 का स्कोर करके शीर्ष पर रही।

मेस्सी ने दो गोल करने में मदद की, इंटर मियामी 3-1 से जीता

लास एंजिलिस। इंटर मियामी को जुलाई के मध्य में सुपरस्टार लियोनल मेस्सी के जुड़ने के बाद से हार का सामना नही करना पड़ा है और रविवार रात उसने सत्र का सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हुए गत लास एंजिलिस फुटबॉल क्लब को 3-1 से पराजित किया। मेस्सी ने इस मैच के दौरान दो गोल करने में मदद की। इंटर मियामी के लिए फाकुंडो फारियास, जोर्डी अल्बा और लियोनार्डो कैम्पाना ने गोल किए। इंटर मियामी को पिछले 11 मैचों (सभी प्रतियोगिताओं) में हार का सामना नही करना पड़ा है। लास एंजिलिस के लिए रेयान होलिंगशेड ने एकमात्र गोल दागा।

अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशु खिलाड़ियों को एक्रिडिटेशन मिला: सूत्र

नई दिल्ली। हांगझोउ एशियाई खेलो के आयोजकों ने अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशु खिलाड़ियों को एक्रिडिटेशन (मान्यता कार्ड) दे दिया है जिन्हे जुलाई मे चेंगदू मे हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों के लिए चीन के दूतावास ने नत्थी वीजा जारी किया था। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। अरुणाचल के नेमान वांगसु, ओनिलु तेगा और मेपुंग लेम्गु को चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलो के लिए भारत की 10 सदस्ईय वुशु टीम मे शामिल किया गया है।

एशियाड के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम चीन में ट्रेनिंग करेगी

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी टीम एशियाई खेलो की तैयारी के लिए चीन के वुयिशान मे 17 दिन के ट्रेनिंग शिविर मे हिस्सा लेगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी। महासंघ ने एक ट्वीट मे कहा, 13 मुक्केबाज और 11 सहयोगी स्टाफ सदस्य रविवार को चीन के लिए रवाना हुए। यह ट्रेनिंग शिविर 20 सितंबर तक चलेगा। बीएफआई ने कहा, इसके बाद टीम एशियाई खेलो मे भाग लेने लिए हांगझोउ के लिए रवाना होगी।

ताइक्वांडो प्रीमियर लीग के पहले सत्र का दूसरा चरण पांच से सात दिसंबर तक

नई दिल्ली। ताइक्वांडो प्रीमियर लीग के शुरुआती सत्र का दूसरा चरण पांच से सात दिसंबर तक मुंबई में खेला जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो दिवस के मौके पर यह घोषणा की। खेल के इतिहास में पहली बार पुरुष और महिलाओं की मिश्रित टीम भी खेलती नजर आएगी।

चांगवन के उल्लंघन के बाद, एनआरएआई ने जूनियर निशानेबाजों के चयन में देरी की

नई दिल्ली। जूनियर विश्व कप के दौरान चांगवन में भारतीय निशानेबाजी टीम की अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण आगामी एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम के चयन में देरी हो रही है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ जूनियर खिलाडियों के चयन से पहले अपनी अनुशासनात्मक समिति से मंजूरी का इंतजार कर रहा है। महासंघ के सचिव राजीव भाटिया ने पीटीआई को बताया, एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश सिंहदेव की अध्यक्षता वाली समिति अगले कुछ दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी और उसके बाद ही टीम की घोषणा की जाएगी। एनआरएआई आमतौर पर प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए सीनियर टीम के साथ जूनियर दल की भी घोषणा करता है। उसने हालांकि शनिवार को केवल सीनियर टीम की घोषणा की, जिसके बाद जूनियर वर्ग के कई निशानेबाज चिंतित हो गए। भारतीय जूनियर निशानेबाजों ने जुलाई में चांगवन में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप से 17 पदक (छह स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य) हासिल किए थे।

जोकोविच और कोको गॉ क्वार्टर फाइनल में

स्वियातेक हारी

भाषा। न्यूयॉर्क

पिछले दो दशक से अधिक समय में सेरेना विलियम्स के बाद कोको गॉ लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली अपने देश की सबसे युवा खिलाड़ी बन गई जबकि पुरूष वर्ग में नोवाक जोकोविच ने भी अंतिम आठ में जगह बनाई। उन्नीस वर्ष की गॉ ने पूर्व आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन 33 वर्ष की कैरोलिन वोज्नियाकी को 6-3, 3-6, 6-1 से हराया। अब उनका सामना 20वीं वरीयता प्राप्त 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको से होगा जिसने गत चैम्पियन इगा स्वियातेक को 3-6, 6-3, 6-1 से हराया। इस हार के साथ ही स्वियातेक अपनी नंबर एक रैंकिंग भी गंवा देंगी और एरिना सबालेंका पहली बार दुनिया की चोटी की खिलाड़ी बनेंगी। वहीं 23 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन जोकोविच ने क्वालीफायर बोरना गोजो को 6-2, 7-5, 6-4 से मात दी। अब उनका सामना अमेरिका के नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज से होगा जिन्होंने स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर डोमिनिक स्टिकर को 7-6, 6-4, 6-4 से हराया। यह जोकोविच का अमेरिकी ओपन में 13वां और फ्रिट्ज का पहला क्वार्टर फाइनल होगा। जोकोविच का उनके खिलाफ रिकॉर्ड 7 -0 का है। जोकोविच का अगली एटीपी रैंकिंग में कार्लोस अल्काराज की जगह नंबर एक पर काबिज होना तय हो गया है।

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने जूलियन कैश और हेनरी पाटेन की जोड़ी को कड़े मुकाबले में तीन सेटों में हराकर अमेरिकी ओपन पुरूष युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने ब्रिटिश जोड़ी के खिलाफ 6-4, 6- 7, 7-6 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब दो घंटे 22 मिनट तक चला। इस साल विम्बलडन सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले बोपन्ना और एबडेन ने 13 ऐस लगाए। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त नीदरलैंड के वेसली कूलहोफ और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की तथा अमेरिका के नाथनियल लामोंस और जैकसन विथ्रो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। एकल वर्ग के पहले दौर में युकी भांबरी और साकेत माइनेनी के बाहर होने के बाद 43 वर्ष के बोपन्ना टूर्नामेंट मे अकेले भारतीय बचे हैं। वह मिश्रित युगल में इंडोनेशिया की अल्डिला एस के साथ दूसरे दौर में ही अमेरिका के बेन शेल्टन और टेलर टाउनसेंड से 2-6 , 5-7 से हारकर बाहर हो गए।

परेशानियों से जूझने के बाद उड़ान भरने लगी है नेपाल की क्रिकेट टीम

पालेकल (श्रीलंका)। आम तौर पर सुर्खियो के आदी नही होने के कारण नेपाल के क्रिकेटर यहां इंडोर नेट सत्र के बाद कुछ खेल प्रशसंकों, पत्रकारों और कैमरामैन को देखकर थोड़े चकित दिख रहे थे। नेपाल के खिलाड़ियों को थोड़ा संकोच भी हो रहा था क्योंकि घरेलू मैदानो पर या फिर एसोसिएट देशों के टूर्नामेंट के दौरान इस स्तर की चकाचौंध नही दिखती। अब नेपाल एशिया कप 2023 मे खेल रही है जिसमें वह ग्रुप ए मे भारत और पाकिस्तान जैसी बड़ी टीमों के साथ है। नेपाल के कप्तान रोहित पौदेल ने पीटीआई से कहा, यह हमारे लिए अद्भुत अनुभव है। मै अब महसूस कर सकता हूं कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के इतने सारे प्रशंसक कैसे अनुकरण करते है और मीडिया उनके पीछे क्यूं रहता है। इस साल के शुरु मे एसीसी प्रीमियर कप में फाइनल मे संयुक्त अरब अमीरात पर जीत के बाद उन्हें ताकतवर टीमों के साथ कंधे से कंधा मिलाने का मौका मिला। नेपाल के पुयुथान गांव के इस आल राउंडर ने कहा, हमारे पास अपने देश मे इतनी सारी सुविधाएं नही हैं। हमें अगर उचित क्रिकेट ट्रेनिंग करनी होती है तो अपने गांवों से काठमांडू आना पड़ता है। यह मुश्किल होता है लेकिन मैचो से पहले हमें ऐसा करना होता है। संदीप लामिछाने नेपाल के एकमात्र क्रिकेटर हैं जिन्हें शीर्ष स्तर पर पेशेवर क्रिकेट खेलने का थोड़ा अनुभव है। यह लेग स्पिनर इंडियन प्रीमियर लीग मे दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा रह चुका है। इसके अलावा वह अन्य लीग जैसे सीपीएल, बीबीएल और पीएसएल आदि मे खेल चुके है। लामिछाने ने कहा, हर कोई अब देख सकता है कि हम एशिया कप मे खेल रहे है। लेकिन किसी को नही पता कि हम कितनी मुश्किलों से यहां तक पहुंचे है। टीम के ज्यादातर खिलाड़ी काठमांडू से बाहर रहते है। उन्हे ट्रेनिंग के लिए शहर आना पड़ता है, किराए के घर मे परिवार से दूर रहना पड़ता है। यह उनके लिए कठिन होता है। लेकिन वे इस बात से वाकिफ है कि उन्हें खुद के लिए दास्तान लिखने के लिए बलिदान देने ही होंगे। क्रिकेट के प्रति लगाव ही उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है। लामिछाने को लगता है कि नेपाल क्रिकेट ने जिस तरह की उड़ान भरनी शुरु की है, उसे बरकरार रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा धनराशि की जरूरत है। टीम के मैनेजर बिनोद कुमार को लगता है कि नेपाल को भविष्य में खिलाड़ियों को लाने के लिए घरेलू क्रिकेट सर्किट में सुधार करने की आवश्यकता है। उन्होने कहा, दुखद है कि हमारा घरेलू ढांचा अच्छा नही है। यह तीन विभागिय टीम - नेपाल पुलिस, नेपाल सेना और नेपाल सैन्य बलों - और सात टीम के प्रांतीय टूर्नामेंट के इर्द गिर्द ही घूमता रहता है।

यह क्रिकेट से जुड़ा आमंत्रण है, इसे राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिएः बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला

अमृतसर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दो वरिष्ठ पदाधिकारी (अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला) 17 साल मे पहली बार सोमवार को पाकिस्तान के दौरे पर गए। एशिया कप देखने के लिए पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के निमंत्रण का सम्मान करते हुए भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी बिन्नी और कांग्रेस नेता शुक्ला सोमवार को अटारी-वाघा पार करने के बाद लाहौर पहुंचे। भारतीय टीम ने पिछली बार 2008 मे एशिया कप के लिए पाकिस्तान की यात्रा की थी। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2006 मे द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए भारत की मेजबानी की थी। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था, जिसके कारण इसका आयोजन हाइब्रिड मॉडल मे दो देशो (पाकिस्तान और श्रीलंका) मे हो रहा है। बीसीसीआई ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गवर्नर द्वारा आयोजित रात्रिभोज मे बिन्नी और शुक्ला की भागीदारी को मंजूरी दे दी। शुक्ला ने यहां मीडियाकर्मियो से कहा, पाकिस्तान एशिया कप का मेजबान है। इस प्रतिनिधिमंडल का दौरा पूरी तरह से क्रिकेट से जुड़ा है और इसमे कोई राजनीति शामिल नही है। यह दो दिवसीय यात्रा है और पंजाब (पाकिस्तान) के गवर्नर रात्रिभोज के लिए हमारी मेजबानी कर रहे है। इस मौके पर वहां बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान तीनो टीमे मौजूद रहेंगी। हमे क्रिकेट को राजनीति के साथ नही जोड़ना चाहिए। पिछले दो दशक से बीसीसीआई से जुड़े शुक्ला 2004 में ऐतिहासिक फ्रेंडशिप सीरीज के लिए बीसीसीआई प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। द्विपक्षीय क्रिकेट प्रतियोगिताओ को फिर से शुरू करने की संभावनाओ के बारे मे पूछे जाने पर इस राज्यसभा सांसद ने कहा, द्विपक्षीय श्रृंखला के संबंध मे निर्णय भारत सरकार द्वारा लिया जाता है और सरकार जो भी सुझाव देगी हम उसका पालन करेंगे। बिन्नी ने इस दौरान अपनी पिछली पाकिस्तान यात्रा को याद किया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद के सदस्य के तौर पर 16 साल पहले इस देश मे आए थे। पाकिस्तान की मेरी आखिरी यात्रा 2006 मे हुई थी जब मै एशियाई क्रिकेट परिषद का हिस्सा था। पाकिस्तान का आतिथ्य बहुत अच्छा रहता है। हमारे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया गया।

भारतीय पैडलरों का पदक पक्का

टेबल टेनिस पुरूष टीम एशियाई चैम्पियनशिप में चमकी

भाषा। प्योंगयांग (दक्षिण कोरिया)

भारतीय पुरूष टेबल टेनिस टीम ने एशियाई चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 3-0 से हराकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। अनुभवी शरत कमल और इजाक क्वेक के बीच पहला एकल रोमांचक रहा जिसमें शरत ने 11- I, 10-12, 11-8, 11-13, 14-12 से जीत दर्ज की। शरत ने जीत के बाद कहा , चौथे गेम में इजाक ने अच्छी वापसी की लेकिन तब तक मैं पकड़ बना चुका था। पांचवें में वह आगे था लेकिन अच्छी बात यह है कि मैं जीत गया। जी साथियान ने इसके बाद यू एन कियोन पांग को 11-6, 11-8, 12-10 से हराकर भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। भारत के सर्वोच्च 61वीं रैंकिंग वाले खिलाड़ी हरमीत देसाई ने झे यू क्लारेंस च्यू को 11-9, 11- 4, 11- 6 से हराया। शरत ने हमें लय दी और मैने तथा हरमीत ने उसे आगे बढाया। हम अच्छा खेल रहे हैं लेकिन कांस्य से ही संतोष नहीं करेंगे। हम सेमीफाइनल में ताइपै को हराने की पूरी कोशिश करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त भारत का सामना अब ईरान या चीनी ताइपै से होगा। पुरूष टीम ने दो साल पहले दोहा में कांस्य पदक जीता था। लंबे समय बाद शरत और साथियान ने एकल रैंकिंग में शीर्ष सौ में जगह बनाई है। उनका लक्ष्य इसमें और सुधार करने का होगा। महिला क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत को जापान ने 3-0 से हराया। दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी मिमा इतो ने अहिका मुखर्जी को पहले एकल में 11 -7,15-13, 11- 8 से हराया। वहीं दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा को हिना हयाता के हाथों 7-11, 9-11, 11-9, 3-11 से पराजय झेलनी पड़ी। सुतीर्था मुखर्जी को 14वीं रैंकिंग वाली मियू हिरानो ने 7-11, 11-4, 11-6, 11-5 से मात दी। अब भारतीय टीम पांचवें से आठवें स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला खेलेगी।

भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला से हट सकते हैं मैक्सवेल

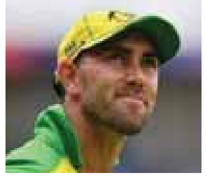

टखने की चोट के कारण हुआ फैसला

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के स्टार आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल विश्व कप से पहले सतर्कता बरतते हुए इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली वनडे श्रृंखला से हट सकते हैं। मैक्सवेल को पिछले साल बाएं टखने में चोट लगी थी और वह इससे उबर चुके हैं, पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में उन्हें टखने में दर्द महसूस हो रहा था। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने मैक्सवेल के हवाले से लिखा, मैं भारत के खिलाफ श्रृंखला के कुछ हिस्से में खेलना चाहता हूं। लेकिन मुझ पर इसे लेकर कोई दबाव नहीं है। आस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप से पहले तीन मैच की वनडे श्रृंखला के लिए भारत आएगी जिसकी शुरुआत 22 सितंबर को मोहाली मुकाबले से होगी। चयनकर्ता और स्टाफ मेरा काफी सहयोग कर रहे हैं। वे मुझ पर ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहते कि मैं किसी तरह की तारीख निर्धारित करूं क्योंकि वे जानते हैं कि विश्व कप से पहले उनके पास थोड़ा अतिरिक्त समय है। मैक्सवेल ने कहा, इसलिए जल्दबाजी करने के बजाय मैं खुद को अतिरिक्त समय देना चाहता हूं ताकि सुनिश्चित कर सकूं कि हम पूरे टूर्नामेंट में खेल सकें। सभी टीमों को विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्ईय टीम पांच सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सौंपनी है जबकि 27 सितंबर तक बदलाव किए जा सकते हैं। पिछले साल नवंबर में जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुई दुर्घटना में उनके बाएं पैर में फ्रेक्चर हो गया था और अब उनके पैर में धातु की प्लेट डली हुई है।

फर्राटा धावक अमलान बोरगोहेन को एशियाई खेलों की भारतीय टीम में शामिल किया जाएगाः एएफआई प्रमुख

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने सोमवार को कहा कि खेल मंत्रालय द्वारा जारी प्रतिभागियों की प्रारंभिक सूची से बाहर होने के बाद भारत के शीर्ष धावक अमलान बोरगोहेन को एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा। खेल मंत्रालय द्वारा कुछ दिन पहले जारी एशियाई खेलों के लिए 65 सदस्ईय एथलेटिक्स टीम से बोरगोहेन का नाम शामिल नहीं था। सुमरिवाला ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि असम का एथलीट हांगझोउ खेलों के लिए एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग समय को हासिल नहीं कर सका था। बोरगोहेन ने इस साल जून में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्ईय चैम्पियनशिप में 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होने इसके लिए 20.71 सेकेंड का समय लिया था। एएफआई ने एशियाई खेलों के क्वालीफिकेशन समय 20.61 सेकेंड तय किया था। सुमरिवाला ने कहा, हां, वह (बोरगोहेन) टीम में हैं। उनका नाम नई सूची में होगा। पच्चीस साल के बोरगोहेन के नाम पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में 20.52 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। वह 10.25 सेकंड के समय के साथ 100 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं।

ऑक्सफोर्ड के खिलाड़ियों ने जीते 11 स्वर्ण

लखनऊ। ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने चौक स्टेडियम में आयोजित 17वीं राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 11 स्वर्णए 7 रजतए 5 कांस्य सहित कुल 23 पदक जीत एक बार फिर अपना परचम लहराया। चौक स्टेडियम में गत 2 व 3 सितंबर 2023 को आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ सहित 15 जिलों के 250 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों की इस सफलता पर अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक अतुल यादव ने व समस्त पदाधिकारियों ने बधाई दी। पदक विजेता इस प्रकार हैं- क्योरगी इवेंट-रजत पदक रू ध्रुव रावत सब जूनियरए अंडर 21 किग्रा भार वर्ग, भावना वर्मा ,कैडेटए अंडर-51 किग्रा भार वर्ग, कांस्य पदक अनुभव तिवारी ,सब जूनियर, अंडर 28 किग्रा, कांस्य पदक अयान अली ;कैडेटए अंडर30 किग्रा भार वर्ग,पूमसे इवेंट-स्वर्ण पदक श्रेयांश नायक, मयंक तिवारी, आरव मिश्रा, अर्णव मिश्रा, शिवम राणा, आराध्या मिश्रा, नित्या मिश्रा,सानिध्या मिश्रा सभी सब जूनियर वर्ग, आरको चटजी, यशवर्धन सिंह दोनों कैडेट वर्ग आस्था गुप्ता ;सीनियर वर्ग। रजत पदक- संस्कार शुक्ला, वैदिक पांडेय, ध्रुवांश पाल, आशुतोष कुमार मिश्रा सभी सब जूनियर वर्ग में प्रेरणा गुप्ता जूनियर वर्ग। कांस्य पदक - कुणाल यादव,आर्यन पटेल, पार्थ बाजपेई तीनों सब जूनियर वर्ग।

एशियाई खेलों से पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें चीन ओपन पर

चांग्झू (चीन)। विश्व चैपियनशिप मे कांस्य पदक जीतने के बाद एचएस प्रणय मंगलवार से यहां से शुरू हो रहे चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन के साथ भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। इस महीने शुरू होने वाले एशियाई खेलो से पहले भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता से जरिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने एशियाई खेलो पर ध्यान लगाने के लिए अंतिम लम्हों में टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया जिससे महिला एकल मे कोई भारतीय खिलाड़ी नही दिखेगी। पिछले एशियाई खेलो मे रजत पदक जीतने वाली सिंधू को पहले दौर मे कोरिया की किम गा युन से भिड़ना था। केरल के प्रणय ने पिछले महीने विश्व चैपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया और इस प्रतियोगिता मे कांस्य पदक जीतने के दौरान दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और ओलंपिक चैपियन विक्टर एक्सेलसन को भी हराया। विश्व चैपियनशिप मे शानदार प्रदर्शन की बदौलत करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी विश्व रैंकिंग हासिल करने वाले प्रणय अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के एनजी जी योंग के खिलाफ करेंगे। प्रणय को प्री क्वार्टर फाइनल मे दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न से भिड़ना पड़ सकता है। यह भारतीय खिलाड़ी अब तक हुए दो मुकाबलो मे इस तीसरे वरीय खिलाड़ी को नही हरा पाया है। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर प्रणय को दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ खेलना पड़ सकता है जबकि इस मुकाबले को जीतने पर वह एक बार फिर शीर्ष वरीय एक्सेलसन से भिड़ सकते है। राष्ट्रमंडल खेलो के चैपियन और विश्व चैपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पहले ही दौर मे डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन की कड़ी चुनौती का सामना करना है। उन्हे प्री क्वार्टर फाइनल मे सिंगापुर मे सातवे वरीय लोह कीन यूव और क्वार्टर फाइनल मे एक्सेलसन के खिलाफ खेलना पड़ सकता है। पुरुष एकल मे ही प्रियांशु राजावत पहले दौर मे इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रुस्ताविता के खिलाफ उतरेंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।